जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शनिवार 22 नवम्बर, 2025

KEDIA™

Pavitra

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

हल्दी पाउडर या होली के रंग?

आप आज क्या खाने वाले हो?

लाकाडोंग हल्दी पाउडर

250 g MRP ₹ 250

सिर्फ ₹1 में 1 ग्राम

FIXED PRICE

बाज़ार में मिलने वाला हल्दी पाउडर	केडिया पवित्र लाकाडोंग हल्दी पाउडर
• केवल 1-2% करक्यूमिन	• 7-12% करक्यूमिन
• स्थानीय मंडी से खरीदा हुआ	• लाकाडोंग, मेघालय से सीधा
• साधारण पिसाई	• क्रायोजेनिक ग्राइंडिंग प्रोसेस
• मिलावट: मेटानिल येलो, लेड क्रोमेट, चॉक पाउडर	• बिल्कुल बिना मिलावट
• सुगंधहीन और फीका	• असली खुशबू और बेहतरीन स्वाद

ट्रिपल लेयर पैकेजिंग | ज़िप लॉक पाउच | लम्बी शेल्फ लाइफ़

Must Try Recipes • सुबह की हल्दी चाय • दूध के साथ इम्युनिटी बूस्टर • खाने में स्वाद और सेहत बढ़ाने के लिए

ORDER NOW:

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- अरहर/तूर दाल
- मूंग दाल
- काला चना
- हरा चना
- काबुली चना
- हरा मूंग
- हरा मटर
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मोठ
- उड़द दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON: चावल । पोहा । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP

रिटेलर: कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

कस्टमर: कॉल लगाओ, घर मँगवाओ

1800 120 2727

AVAILABLE AT: 21000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

जब तक कष्ट सहने की तैयारी नहीं होती तब तक लाभ दिखाई नहीं देता। लाभ की इमारत कष्ट की धूप में ही बनती है। –विनोबा

नींद की कमी से जूझ रहा है युवा भारत

नींद की कमी धीरे-धीरे एक साइलेंट हेल्थ क्राइसिस बन चुकी है। पहले नींद को आराम या आदत माना जाता था, लेकिन अब शोध यह दिखाते हैं कि कम नींद का सीधा असर दिमाग, दिल, इम्यून सिस्टम और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। अमेरिका के सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल (सीडीसी) ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य की उभरती हुई समस्या बताया है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार लगभग हर तीन में से एक वयस्क रोजाना पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहा। भारत में किए गए एक बड़े सर्वे में पाया गया कि युवा वर्ग में यह समस्या सबसे अधिक बढ़ी है, जहां रात देर तक फोन का इस्तेमाल, ओवरवर्क, तनाव और अनियमित दिनचर्या नींद का सबसे बड़ा दुश्मन बन चुके हैं। आजकल की खराब लाइफ स्टाइल, वर्क फ्रॉम होम, स्क्रीन से चिपटे रहने और काम के बढ़ते दबाव के कारण लोगों की दिनचर्या पूरी तरह बदल चुकी है। बदलते वर्किंग स्टाइल के कारण लोगों के पास पर्याप्त नींद लेने का समय भी नहीं बचता है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल की रिसर्च बताती है कि जो लोग 5 घंटे से कम सोते हैं, उनमें हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा 30-40 फीसदी बढ़ जाता है। नींद की कमी शरीर में सूजन बढ़ा देती है, जिससे ब्लड प्रेशर और शुगर लेवल गड़बड़ा सकते हैं। कई डॉक्टर बताते हैं कि नींद की कमी मोटापे को भी बढ़ाती है, क्योंकि देर से सोने पर भूख बढ़ाने वाला हार्मोन घ्रेलिन बढ़ जाता है और शरीर को गलती से कैलोरी की जरूरत महसूस होने लगती है। यही कारण है कि कम सोने वाले लोग रात में जंकफूड ज्यादा खाते हैं।

भारत में नींद की कमी एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। एक ऑनलाइन वैश्विक सर्वे की माने तो देश पर्याप्त नींद नहीं लेने के कारण स्वास्थ्य सम्बन्धी विकारों से जूझ रहा है। देश के लगभग 60 प्रतिशत लोग छह घंटे की नींद नहीं लेने के कारण विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे है। इनमें बड़ी संख्या में युवा भी शामिल है। सर्वे में भारत के 348 जिलों के 43 हज़ार लोगों को शामिल किया गया जिनमें 61 प्रतिशत पुरुष और 39 प्रतिशत महिलाएं थी। नींद की कमी का सामना कर रहे लोगों में 72 प्रतिशत वाशरूम का बार बार उपयोग करने सहित ख़राब लाइफ स्टाइल, स्क्रीन देखने, शराब सेवन और रात्रि में देर तक काम करने आदि बड़े कारण बताये गए है। सर्वे में बताया गया है पर्याप्त नींद नहीं लेने के कारण आँखों और ह्रदय से जुडी बीमारियां आम बात है। डायबिटीज और मोटापा की चपेट में भी लोग आ रहे है। सड़क दुर्घटनाओं को भी नींद का एक कारण बताया गया है।

नींद का असर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जहाँ तक युवा भारत की बात है, आजकल युवाओं में तनाव की समस्या को लेकर देशवासी बेहद चिंतित है। तनाव की वजह से कम उम्र में ही युवा डिप्रेशन के शिकार होने लगे हैं। खासतौर से काम करने वाले युवा यानि को नौकरी कर रहे हैं उनके अंदर ठहराव, लगन और काम के लिए पैशन बहुत कम है। जरा-जरा सी बातों पर स्ट्रेस लेने लगते हैं। हाल की में हुई एक स्टडी में भी ऐसे ही आंकड़े सामने आए हैं। जिसमें 25 साल के युवा कर्मचारियों में से 90 प्रतिशत का मन और दिमाग बेचैन पाया गया है। जिसकी वजह से कई बार अपने आप को हानि पहुंचाने तक के ख्याल इनके मन में आने लगते हैं। तनाव और डिप्रेशन से बचना है तो सबसे पहले हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं। नींद की कमी के चलते कर्मचारियों की कार्य क्षमता भी प्रभावित हो रही है। रिसर्च से पता चला है कि नींद की कमी वाले कर्मचारी गलतियां करने की ज्यादा संभावना रखते हैं, उनकी एकाग्रता घट जाती है और उनकी समस्या सुलझाने की क्षमता भी कम हो जाती है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से बचने के लिए अच्छी नींद लेना बहुत जरूरी है। रात में 6-8 घंटे की नींद से कई विकारों को दूर किया जा सकता है।

नींद का असर न केवल शारीरिक स्वास्थ्य पर बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जहाँ तक युवा भारत की बात है, आजकल युवाओं में तनाव की समस्या को लेकर देशवासी बेहद चिंतित है। तनाव की वजह से कम उम्र में ही युवा डिप्रेशन के शिकार होने लगे हैं। खासतौर से काम करने वाले युवा यानि को नौकरी कर रहे हैं उनके अंदर ठहराव, लगन और काम के लिए पैशन बहुत कम है। जरा-जरा सी बातों पर स्ट्रेस लेने लगते हैं। हाल की में हुई एक स्टडी में भी ऐसे ही आंकड़े सामने आए हैं।

आज की भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में काम का दबाव और समय का प्रबंधन हम पर इस कदर हावी हो चुके हैं कि हमारा मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ा रहा है। सोशल मीडिया के बारे में यह कहा जाता है यह प्लेटफ़ॉर्म शैक्षिक मनोरंजन और ज्ञान विज्ञानं का बड़ा साधन है। वहीं यह कहने वाले भी कम नहीं है कि सोशल मीडिया की लत से यवा वर्ग मानसिक तनाव, डिप्रेशन, नींद की दिव्क़त, ग़ुस्सा जैसी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। सोशल मीडिया के चलते बच्चों और युवाओं में सामाजिक दिखावे की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। अनेक अध्ययनों में यह खुलासा हुआ है कि मानसिक तनाव का एक मुख्य कारक सोशल मीडिया भी है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अपनी चपेट में ले लिया है। युवाओं के हाथों में हर समय मोबाइल देखा जा सकता है। दिनभर मोबाइल के प्रयोग से मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ाने लगा है। आज बच्चे से बुजुर्ग तक मानसिक बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक कल्याण की स्थिति और न केवल बीमारी या दुर्बलता की अनुपस्थिति के रूप में परिभाषित किया है। मानसिक स्वास्थ्य को मानसिक कल्याण के रूप में परिभाषित किया है जिसमें एक व्यक्ति अपनी क्षमताओं का एहसास करता है, जीवन के सामान्य तनावों का सामना कर सकता है, सही से काम कर सकता है और अपने समुदाय में योगदान करने में सक्षम होता है। इस सकारात्मक अर्थ में, मानसिक स्वास्थ्य को व्यक्तिगत भलाई और एक समुदाय के प्रभावी कामकाज की नींव कहा जा सकता है मानसिक स्वानस्य्‍ य एक गंभीर समस्या के तौर पर देखी जाती है। आज के दौर में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरी हैं। एक बेहतर स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ मानसिकता अत्यंत आवश्यक है। मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है। विशेषज्ञों ने अच्छी नींद के लिए कैफीन का कम सेवन करने, सोने का निश्चित समय तय करने, सोने से पहले मोबाइल, लैपटॉप और टीवी जैसी स्क्रीन का इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है एक्सपट्र्स का कहना है कि अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलावों को अपनाकर लोग अपनी नींद की क्वालिटी सुधार सकते हैं और इससे उनकी तबीयत और उत्पादकता बेहतर हो सकती है।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 22 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, ज्येष्ठा नक्षत्र सायं 4:47 तक, सुकर्मा योग दिन 11:24 तक, कौलव करण सायं 5:12 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:47 से धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सयन सूर्य में प्रवेश प्रात: 7:06 पर करेगा। आज से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष मास आरम्भ होगा। आज से जमादि उलसानि मु. मास 6 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:15 से 9:34 तक, चर 12:13 से 1:33 तक, लाभ-अमृत 1:33 से 4:12 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:56, सूर्यास्त 5:30 तक

मेष
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। आज व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

घूमर में राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति अकादमी की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण हो सकती थी

राजेन्द्र जोशी

घूमर नृत्य राजस्थान की समृद्ध लोक-संस्कृति का प्रतीक है, जिसे न केवल राज्य की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन का माध्यम माना जाता है, बल्कि यह राजस्थानी समाज की परंपरा, सौंदर्य और लोक जीवन की अभिव्यक्ति भी है। राजस्थान सरकार द्वारा इन दिनों घूमर नृत्य का विविध जिलों में आयोजन किया जा रहा है, जिससे लोक कला के संवर्धन के साथ राज्य की संस्कृति, भाषा और साहित्य को बल मिलेगा। इस पहल के लिए राजस्थान सरकार बधाई की पात्र है, घूमर जैसे लोक-कला आयोजन से स्थानीय भाषा-साहित्य के साथ सांस्कृतिक संवाद भी अत्यंत प्रभावी ढंग से संभव हो जाता है। घूमर नृत्य राजसथान की लोक-संस्कृति को प्रभावित करता है। यह नृत्य सामाजिक सौहार्द्र और उत्साह का प्रतीक है, जिसमें राजस्थानी लोकगीतों और पारंपरिक वेशभूषा की प्रमुख भूमिका रहती है।

इस सांस्कृतिक आयोजन में राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति की सहभागिता होती तो अकादमी को भी अपनी जिम्मेदारी को विस्तार देने का सशक्त मंच प्राप्त होता। राजस्थान सरकार ने सात संभागों में एक साथ घूमर फेस्टिवल का आयोजन कर इस लोकनृत्य को यथोचित ढंग से प्रचारित एवं प्रसारित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस आयोजन से संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य होगा। यह पहल राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के तत्वावधान में होनी चाहिए।

राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी प्रदेश की एकमात्र संस्था है, जिसे राजस्थानी साहित्य और संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए अधिकृत किया गया है। साथ ही विविध सांस्कृतिक आयोजनों में अकादमी की सहभागिता राज्य के सांस्कृतिक विकास को नई दिशा देती है। अकादमी की स्थापना के समय से ही संस्कृति को उसके उद्देश्यों में शामिल किया गया था।

घूमर जैसे लोकनृत्य पर आधारित स्वच्छंद और भव्य आयोजन अकादमी को अपनी भूमिका और उद्देश्य को व्यापक रुप में निभाने का उत्कृष्ट अवसर जिम्मेदार बनाती। संस्कृतिक संवर्धन की जिम्मेदारी निभाते हुए अकादमी राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता, कलाओं और परंपराओं को एक मंच पर लाने में अहम भूमिका निभाती है। घूमर हमारे प्रदेश की पहचान है।

घूमर के आयोजन और संरक्षण को नई दिशा देने में सरकारी प्रयासों और अकादमी की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण हो सकती थी। इसलिए अच्छा होता यदि राज्यभर में घूमर नृत्य का आयोजन राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के तत्वावधान में भी होता। इससे प्रदेश के हर कोने तक संस्कृति संवर्धन का संदेश पहुंचेगा, लोक-कलाओं को मंच मिलेगा और स्थानीय कलाकारों के साथ जनता की सहभागिता भी बड़े स्तर पर संभव होगी। घूमर नृत्य का आयोजन राजस्थान की पारंपरिक लोक-संस्कृति को पुनर्जीवित और संरक्षित करने के उद्देश्य से किया गया है। इस आयोजन के माध्यम से निश्चित रूप से नई पीढ़ी तक लोक संस्कृति पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

महिलाओं को अपनी सांस्कृतिक प्रतिभा दिखाने का भी अवसर मिल रहा है, जिससे उनकी भागीदारी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। घूमर फेस्टिवल से राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होग जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। घूमर नृत्य सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है।

जहां घूमर नृत्य के आयोजन से राजस्थानी लोक-संस्कृति का गौरव बढ़ रहा है, अगर राजस्थानी भाषा साहित्य और संस्कृति की सहभागिता होती तो अकादमी को भी अपनी जिम्मेदारी को विस्तार देने का सशक्त मंच प्राप्त होता। उम्मीद करते है कि इस नवाचार से प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि, सामाजिक समावेश और लोककला के संवर्धन में ऐतिहासिक भूमिका निभाए।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद-साहित्यकार

कोचिंग हब: औपचारिक शिक्षा का सहायक या घातक?

अशोक कुमार

शिक्षा समाज की रीढ़ होती है, और भारत में शिक्षा प्रणाली इस समय एक महत्वपूर्ण चौराहे पर खड़ी है। सरकार द्वारा कोचिंग हब स्थापित करने की पहल एक ओर संगठनात्मक सुधार का वादा करती है, तो दूसरी ओर यह एक गहन और विवादास्पद प्रश्न खड़ा करती है:– क्या कोचिंग हब का उदय औपचारिक शिक्षा की नींव को कमजोर कर रहा है? यह विषय सरल नहीं है; यह भारतीय शिक्षा बाजार की विफलता, सामाजिक दबाव और शैक्षिक प्राथमिकताओं के विचलन को दर्शाता है।

कोचिंग हब: औपचारिक शिक्षा में अविश्वास का प्रतिबिंब

कोचिंग संस्थानों का अभूतपूर्व विकास और सरकारी स्तर पर इन हब्स को मान्यता देना, वास्तव में औपचारिक शिक्षा प्रणाली के प्रति व्यापक अविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जब अभिभावक और छात्र लाखों रुपये खर्च करके स्कूल के बाहर अतिरिक्त शिक्षा लेते हैं, तो इसका स्पष्ट अर्थ है कि वे अपने स्कूल, कॉलेज या विश्वविद्यालय की शिक्षण गुणवत्ता को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों (pewmes NEET, JEE, UPSC) को प्राप्त करने के लिए अपर्याप्त मानते हैं।

सरकारी पहल, हालांकि नियामक इरादों से प्रेरित हो सकती है, अनजाने में इस अविश्वास को और पुख्ता करती है। यह एक मूक स्वीकृति है कि प्रवेश परीक्षाओं की कठोर आवश्यकताएं पारंपरिक शैक्षणिक संस्थानों की क्षमता से परे हैं। यदि सरकार अपनी ऊर्जा इन कोचिंग हब्स के प्रबंधन पर लगाती है, तो प्राथमिक शिक्षा संस्थानों-जिनकी गुणवत्ता सुधारने की सबसे अधिक आवश्यकता है-की उपेक्षा का जोखिम बढ़ जाता है। बुनियादी शिक्षा प्रणाली की कमियों को दूर किए बिना, केवल कोचिंग संस्थानों को व्यवस्थित करना समस्या के मूल कारण को नजरअंदाज करने जैसा है।

शिक्षा का बाजारीकरण और पोचिंग सेंटर की भूमिका

कोचिंग उद्योग भारत में कई अरब डॉलर का एक विशाल बाजार बन चुका है। यह विशुद्ध रूप से एक लाभ-संचालित उद्योग है जो शैक्षणिक आवश्यकताओं के बजाय परीक्षा परिणाम की गारंटी पर केंद्रित है। सरकार द्वारा इन संस्थानों को एक जगह लाना या उन्हें हब के रूप में विकसित करना इस बाजार की शक्ति को और वैधता प्रदान करता है।

कोचिंग सेंटरों को 'पोचिंग सेंटर' कहना इस उद्योग की आलोचनात्मक प्रकृति को दर्शाता है। उनका तर्क है कि ये संस्थान छात्रों की प्रतिभा को संकीर्ण सांचों में जकड़ते हैं और उन्हें बहुआयामी विकास से वंचित करते हैं। ये सेंटर छात्रों को एक विशेष परीक्षा पैटर्न के लिए प्रशिक्षित करते हैं, जिससे उनका ध्यान ज्ञान के व्यापक क्षितिज से हटकर केवल अंक-केंद्रित प्रतिस्पर्धा पर आ जाता है। यह प्रवृत्ति राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के मूल सिद्धांतों के बिल्कुल विपरीत है, जो समग्र विकास, आलोचनात्मक सोच और वैचारिक स्पष्टता पर जोर देती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर अत्यधिक दबाव और सामाजिक असमानता

कोचिंग हब अक्सर अत्यधिक तनाव, प्रतिस्पर्धा और मानसिक दबाव का केंद्र बन जाते हैं। कोटा जैसे शहरों में छात्रों की आत्महत्याओं की दुखद श्रृंखला, इस बात का प्रमाण है कि सफलता की दौड़ में युवा मन पर कितना बोझ डाला जा रहा है। ये हब्स एक ऐसी अस्वस्थ संस्कृति को बढ़ावा देते हैं जहां विफलता को कलंक माना जाता है।

यदि सरकार ऐसे हब्स का निर्माण कर रही है, तो उसकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वह न केवल नियामक ढाँचा बनाए, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, तनाव प्रबंधन कार्यक्रमों और परामर्श को अनिवार्य करे।

इसके अलावा, कोचिंग शिक्षा तक समान पहुंच के सिद्धांत को भी चुनौती देता है। उच्च शुल्क संरचना के कारण, यह सुविधा केवल उन्हीं छात्रों के लिए उपलब्ध है जिनके परिवार वित्तीय रूप से सक्षम हैं। यह ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच, तथा गरीब और अमीर के बीच शैक्षिक असमानता की खाई को और चौड़ा करता है, जिससे औपचारिक शिक्षा का समावेशी चरित्र खतरे में पड़ जाता है।

शिक्षा का संकीर्ण उद्देश्य: रटने पर जोर

औपचारिक शिक्षा का प्राथमिक उद्देश्य छात्रों को ज्ञान, कौशल और मूल्यों से लैस करके उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाना है। इसके विपरीत, कोचिंग संस्थानों का एकमात्र उद्देश्य रटने की क्षमता (rote learning), शॉर्टकट विधियों और परीक्षा-उन्मुख तकनीकों के माध्यम से परीक्षा उत्तीर्ण कराना है।

इससे छात्रों में गहन वैचारिक समझ (deep conceptual understanding) का अभाव होता है। वे विषय-वस्तु को समझने के बजाय, केवल परीक्षा के अनुकूल उत्तर देने में निपुण हो जाते हैं। जब शिक्षा का सार केवल प्रवेश परीक्षा पास करने तक सिमट जाता है, तब आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान कौशल, रचनात्मकता और मानवतावादी मूल्यों जैसे आवश्यक तत्वों की उपेक्षा होती है-ये सभी औपचारिक शिक्षा के आधार स्तंभ हैं।

सरकारी हस्तक्षेप के सकारात्मक आयाम (नियंत्रण और नियमन)

हालांकि, सरकार द्वारा कोचिंग क्षेत्र में हस्तक्षेप के कुछ महत्वपूर्ण सकारात्मक पहलू भी हैं, जो घातक प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं:–

विनियामक ढाँचा: सरकार कोचिंग हब्स के माध्यम से इस अनियंत्रित उद्योग पर नियमन और नियंत्रण स्थापित कर सकती है। राजस्थान जैसे राज्यों में लाए गए विधेयक, जो शुल्क विनियमन, फीस रिफंड नीति और शिक्षकों की योग्यता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, एक सकारात्मक कदम हैं। एक हब इन नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक केन्द्रीय प्राधिकरण प्रदान कर सकता है।

संरक्षित बुनियादी ढाँचा: सरकार एक संगठित हब बनाकर छात्रों को बेहतर और सुरक्षित सुविधाएँ (जैसे अग्निशमन मानक, पुस्तकालय, खेल के मैदान और छात्रावास) प्रदान कर सकती है, जिससे छात्रों का कल्याण सुनिश्चित होता है।

गैर-उत्पादक प्रतिस्पर्धा में कमी: व्यवस्थित हब्स कोचिंग संस्थानों के बीच अस्वस्थ और अनैतिक प्रतिस्पर्धा को कम करने में मदद कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है।

उच्च शिक्षा का विस्तार: कुछ सरकारी पहलें, जैसे कि हब्स को के विस्तार केंद्रों के रूप में उपयोग करने की योजना, उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों की पहुंच को गैर-मेट्रो शहरों तक बढ़ाने में सहायक हो सकती है।

निष्कर्ष: लक्षण का उपचार, कारण की उपेक्षा

अंत में, यह कहना अनुचित होगा कि सरकार का कोचिंग हब बनाना सीधे तौर पर औपचारिक शिक्षा के लिए घातक है। बल्कि, यह उस प्रणाली की गहरी बीमारी का एक लक्षण है जिसका इलाज नहीं हो पाया है।

घातक परिणाम तब उत्पन्न होते हैं जब सरकार कोचिंग हब्स को नियंत्रित करने में अपनी सारी ऊर्जा लगाती है और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के अपने मूल दायित्व की उपेक्षा करती है। औपचारिक शिक्षा तभी बच सकती है जब सरकार प्राथमिक और उच्चतर शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के प्रशिक्षण, शिक्षण विधियों को NEP 2020 के अनुरूप ढालने, और परीक्षा प्रणाली को रटंत विद्या से मुक्त करने पर अद्वितीय और अथक ध्यान केंद्रित करे। जब तक स्कूल स्वयं छात्रों को प्रवेश परीक्षाओं के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करने में सक्षम नहीं होंगे, तब तक कोचिंग हब एक आवश्यक बुराई बने रहेंगे। सरकार का उद्देश्य इन हब्स को पोषित करना नहीं, बल्कि एक ऐसी औपचारिक प्रणाली का निर्माण करना होना चाहिए जो उन्हें अनावश्यक बना दे।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

रक्तदान महादान है और जीवनरक्षक कार्य है : बोर्ड प्रशासक राठौड़

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में रक्तदान शिविर में 82 यूनिट रक्त संग्रहित

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ।

अजमेर, (कासं)। वंदे मातरम् 150 कार्यक्रम की श्रृंखला के तहत माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिसर में शुक्रवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बोर्ड प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ रहे। मुख्य अतिथि राठौड़ ने कहा कि रक्तदान महादान है और जीवनरक्षक कार्य है। इससे आवश्यकता पड़ने पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित होती है तथा रक्तदाता शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है।

बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने स्वयं रक्तदान किया और कहा कि रक्तदान के बाद शरीर में नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है, जिससे शरीर की क्षमता में वृद्धि होती है। उन्होंने सभी से जीवन में अवसर मिलने पर रक्तदान करने का आव्हान किया। विशेषाधिकारी नीतू यादव ने कहा कि रक्तदान सामुदायिक भावना को सुदृढ़ करता है और दूसरों की मदद करने की संतुष्टि भी प्रदान करता है। रक्तदान वास्तव में एक पवित्र और जीवनरक्षक कार्य है। शिविर में अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 107 इच्छुक दाताओं में से 82 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। वित्तीय सलाहकार कृष्णपाल सिंह सहित कई अधिकारियों ने भी रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का संचालन जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सालय के ब्लड बैंक विभागाध्यक्ष डॉ. आनन्द यादव और उनकी टीम के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा नियंत्रक राजेश निर्वाण, निदेशक प्रशासन राजेन्द्र पारीक, संयुक्त विधि परामर्शी महिपाल मुणोत, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, सहायक निदेशक संस्थापन राजीव चतुर्वेदी, सहायक निदेशक सम्पदा अरूण जोशी, अजय बंसल, कर्मचारी संघ अध्यक्ष मोहनसिंह रावत, महामंत्री करण सिंह यादव तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि किशन गुप्ता, कमल गंगवाल और विजय पाण्ड्या उपस्थित रहे।

दहेज मुक्त शादी कर समाज सुधार का संदेश दिया

वर पक्ष ने वधू पक्ष की तरफ से दिए जा रहे दहेज नहीं लेकर शगुन में एक रुपया ही लिया।

पिता ने इंजीनियर बेटे की शादी में दहेज नहीं लेकर सामाजिक सुधार का संदेश दिया

पावटा, (निसं)। दादूका कस्बा निवासी रामसिंह सैनी प्रदेश अध्यक्ष ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज ने अपने बेटे इंजीनियर तेजेंद्र की शादी में दहेज नहीं लेकर सामाजिक सुधार का संदेश दिया है। वधू पक्ष की तरफ से दिए जा रहे दहेज नहीं लेकर शगुन में एक रुपया ही लिया है।

सैनी ने बताया कि एक पिता अपनी बेटी को जन्म से लेकर शादी तक पालता है, उसको शिक्षित करता है, बेटी ही सबसे बड़ा धन है। एक पिता बेटी के रूप में अपने जीवन का सबसे अनमोल तोहफा देता है तो फिर किसी प्रकार के दहेज की जरूरत नहीं है। सामुहिक विवाह समिति पावटा के नेतृत्व में पिछले 13 वर्ष से निरंतर पर 250 से अधिक कन्याओं का विवाह करवाया। प्रदेश में हर कोने में समाज के बच्चों को शिक्षा के प्रति समर्पित करना ही उद्देश्य रहा है। समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। समाज में जब शिक्षित एवं साधन संपन्न लोग इस तरह की पहल करेंगे तो उनको देखते हुए अन्य लोग भी इसका अनुसरण करेंगे। समारोह में ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सिंह सैनी, उपाध्यक्ष सूरजमल सैनी, उद्योगपति नरेंद्रदत्त सैनी, छुट्टन लाल सैनी, कैलाशराज सैनी, हनुमान सैनी (नेताजी), कैलाश सैनी, बाबूलाल सैनी, रामसिंह पाथराण, राजू सैनी आदि हजारों की संख्या मे लोग मौजूद रहे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

"I Feel Very Sentimental About Mayo College"

Modern education recognises that soft skills are not taught but caught, and learning how to learn is more important. Mayo's holistic education has balanced poet Yeats' contrast of 'filling a bucket and lighting a fire.'

Breaking a Mirror...

क्या मजबूरी है राहुल गांधी की: वादा करते हैं, पर निभा नहीं पाते?

राहुल गांधी के वादे के अनुसार, कर्नाटक में "रोटेशन" से ढाई साल बाद, मु.मंत्री बदलना चाहिए

- ये ढाई साल नवम्बर 2025 में पूरे हो गये, पर, "रोटेशन" की कोई चर्चा ही नहीं हो रही।
- डी.के. शिवकुमार, अपनी बारी का इन्तज़ार कर रहे हैं, पर, मु.मंत्री सिद्धारमैया, मंत्रिमण्डल में फेर-बदल की तैयारी कर रहे हैं, विधानसभा सत्र, आठ दिसम्बर को शुरु होने से पहले।
- मल्लिकार्जुन खड़गे को जिम्मेवारी सौंपी गई है, इस झमेले को सुलझाने की।
- पर, सवाल यह उठ रहा है, राहुल गांधी ऐसे वादे ही क्यों करते हैं, जिनसे झमेले उत्पन्न हों तथा सुलझाने की गंभीर जरुरत हो।
- गम्भीरता की बात इसलिए उठ रही है, क्योंकि निराश डी.के. शिवकुमार भाजपा की ओर न मुड़ जाएं।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। ढाई साल पहले राहुल गांधी ने यह वादा किया था कि कर्नाटक में पहले ढाई साल सिद्धारमैया मुख्यमंत्री रहेंगे और अगले ढाई साल डी. के. शिवकुमार। यह परिवर्तन नवंबर 2025 में होना था।

लेकिन नवंबर आते ही राहुल गांधी की ओर से पूरी तरह चुप्पी छाई हुई है, जबकि डी. के. शिवकुमार बेचैनी की हालत में अपने विधायकों को लॉबिइंग करने भेज रहे हैं। उधर मुख्यमंत्री लगातार कह रहे हैं कि वे पूरे 5 साल तक मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को अपने मंत्रिमंडल में बदलाव करने की हरी झंडी मिल गई है, जिसका मतलब है कि वे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। विधानसभा सत्र 8 दिसंबर से शुरू हो रहा है और उससे पहले ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की उम्मीद है।

डी. के. शिवकुमार अस्पष्ट से बयान दे रहे हैं-कि सभी 140 विधायक उनके हैं, कोई गुटबाजी नहीं है, और यह कि सिद्धारमैया ने कहा है कि वे 5 साल तक रहेंगे, तो उन्हें शुभकामनाएं।

शिवकुमार के समर्थक विधायकों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की है। एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, कर्नाटक की इस उलझन को सुलझाने के लिए जो भी शर्तें या समझौते करने होंगे, वह सब खड़गे के स्तर पर ही तय किया जाएगा।

पार्टी में यह डर भी है कि डी. के. शिवकुमार कहीं भाजपा में न चले जाएं।

साथ ही, इस बात को लेकर भी चिंता है कि राहुल गांधी मनमाने तरीके से वादे कर देते हैं लेकिन फिर उन्हें निभाते नहीं। ऐसा छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी हुआ, जहाँ पार्टी दो हिस्सों में बंटी और हालात बिगड़ते गए-जिन्हें राहुल हल नहीं कर पाए।

दरभंगा -दिल्ली स्पाइसजेट उड़ान में बम की सूचना

नयी दिल्ली, 21 नवंबर। बिहार के दरभंगा से दिल्ली आ रही स्पाइसजेट की एक फ्लाइट में बम होने की चेतावनी के बाद, यहां इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार को विमान और सभी यात्रियों की गहन जांच की जा रही है।

उड़ान संख्या एसजी 752 ने आज दोपहर बाद 2:55 बजे दरभंगा से उड़ान भरी थी और शाम 4:46 बजे दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर उतरी।

- पूरी सुरक्षा के साथ विमान की दिल्ली में सकुशल लैंडिंग हुई।

सूत्रों ने बताया कि विमान की लैंडिंग से कुछ देर पहले ही किसी ने हवाई अड्डे के कॉल सेंटर पर फोन करके विमान में बम होने की सूचना दी थी। इसकी सूचना तुरन्त सुरक्षा एजेंसियों और नियामकों को दी गयी। इसके बाद पूरी सुरक्षा के बीच विमान को टर्मिनल-3 पर सुरक्षित उतारा गया। विमान और सभी यात्रियों की जांच अभी जारी है।

इसी उड़ान में दरभंगा से दिल्ली आये एक यात्री ने बताया कि लैंडिंग के बाद करीब डेढ़ घंटे तक यात्रियों को विमान से नहीं उतारा गया। इसके बाद एक-एक यात्री की जांच कर उन्हें उतारने की प्रक्रिया शुरू की गयी।

उल्लेखनीय है कि गत 12 नवंबर को दिल्ली समेत देश के पांच हवाई अड्डों को बम से उड़ाने की धमकी वाला एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंत्रिमण्डल के गठन में नीतीश कुमार दबते नज़र आ रहे हैं

पहले तो नीतीश को विधानसभाध्यक्ष पद के मुद्दे पर, भाजपा की माननी पड़ी

- और, अब गृह मंत्री के मसले पर भी भाजपा ने पुनः अपनी बात मनवा ली और भाजपा नेता सम्राट चौधरी को गृह मंत्री नियुक्त करवाया। हालाँकि, यह विभाग हमेशा से बिहार में मु.मंत्री के पास ही रहता आया है।
- सम्राट चौधरी का गृह मंत्री बनना इसलिए और भी चौंकाने वाला है, क्योंकि प्रशांत किशोर शुरु से ही चौधरी पर भ्रष्टाचार में लिप्त व हत्याकांड में फंसे होने का आरोप लगाकर उनका विरोध करते रहे हैं और अपना अभियान आगे चालू रखने की धमकी दे रखी है।
- भाजपा ने प्रशांत किशोर की धमकी को अंगूठा दिखाते हुए, अपने नेता सम्राट चौधरी को ही गृह मंत्री बनवाया।

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। बदलती राजनीतिक शक्ति-संतुलन का संकेत देते हुए, मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने आज गृह विभाग पर अपना दावा छोड़ दिया और यह विभाग उपमुख्यमंत्री व भाजपा नेता सम्राट चौधरी को दे दिया।

गृह विभाग पारंपरिक रूप से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास ही रहता था और विभागों के बंटवारे को लेकर हुई बातचीत में जेडीयू ने इस विभाग पर अपना मजबूत दावा जताया था। मुख्यमंत्री कुमार का इस मुद्दे पर नरम पड़ना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पहले वे भाजपा की यह माँग मान चुके हैं कि बिहार विधानसभा अध्यक्ष के पद पर भाजपा का प्रतिनिधि ही रहे। वरिष्ठ भाजपा नेता और नौ बार के विधायक प्रेम कुमार का नाम विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए विचाराधीन बताया जा रहा है।

सम्राट चौधरी को गृह मन्त्रालय की जिम्मेदारी देना भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि जेएसपी नेता प्रशांत किशोर लगातार उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि, और हत्या के एक केस में उनके आरोपी होने जैसे मुद्दों को लेकर चौधरी को निशाना बना रहे हैं। सम्राट के पक्ष में खड़े होकर और उन्हें गृह विभाग जैसे मुख्य मंत्रालय की जिम्मेदारी देकर भाजपा नेतृत्व जाहिर तौर पर अपने विरोधियों और आलोचकों को चुनौती देना चाहता है।

लेकिन प्रशांत किशोर ने आज कहा कि "राज्य मंत्रिमंडल में भ्रष्ट और अपराधी मंत्रियों" के खिलाफ उनका अभियान बिना रुके जारी रहेगा।

भाजपा को इस बार कई महत्वपूर्ण विभाग मिले हैं। भाजपा विधायक दल के उपनेता विजय कुमार सिन्हा को राजस्व और भूमि सुधार विभाग मिला है; मंगल पांडेय के पास स्वास्थ्य विभाग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अखिल अरोड़ा अतिरिक्त मुख्य सचिव सी.एम.ओ. बने

शिखर अग्रवाल को अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग, एम.एस.एम.ई. तथा रीको चेयरमैन के पद पर लगाया

- अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता को सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन, कला-संस्कृति, आमेर विकास प्राधिकरण और जवाहर कला केन्द्र की जिम्मेदारी मिली।

जयपुर (कासं), 21 नवंबर। राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी अखिल अरोड़ा को अतिरिक्त मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री राजस्थान के पद पर लगाया है। उनके पास, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कार्यभार यथावत् रहेगा।

इसी प्रकार शिखर अग्रवाल को अतिरिक्त मुख्य सचिव; उद्योग, एम.एस.एम.ई, राजकीय उपक्रम, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर, रीको अध्यक्ष, राजसीको अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिखर अग्रवाल के पास ही विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय एवं निवेश संवर्द्धन ब्यूरो के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद का कार्यभार होगा।

राज्य सरकार ने शुक्रवार देर रात आदेश जारी कर 48 आई.ए.एस. अधिकारियों का तबादला किया। इनमें अतिरिक्त मुख्य सचिव व प्रमुख शासन सचिव स्तर से लेकर कई संभागीय आयुक्त और वर्ष 2018 बैच तक के अफसरों का तबादला किया गया।

आदेश के अनुसार, प्रवीण गुप्ता को अतिरिक्त मुख्य सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पर्यटन, कला-संस्कृति तथा महानिदेशक जवाहर कला केन्द्र जयपुर के पद पर लगाया है। गुप्ता को राजस्थान पर्यटन विकास विकास निगम के अध्यक्ष तथा आमेर विकास प्राधिकरण जयपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद की जिम्मेदारी भी सौंपी गयी है।

इसी प्रकार आलोक गुप्ता को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल जयपुर के अध्यक्ष, दिनेश कुमार को प्रमुख शासन सचिव, प्रशासनिक सुधार एवं समन्वय, जन अभियोग निराकरण, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग जयपुर के पद पर लगाया है।

इसके अलावा, राजेश कुमार यादव को महानिदेशक, हरिश्चंद्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान एवं पदेन प्रमुख शासन सचिव प्रशिक्षण राजस्थान जयपुर, गायत्री ए. राठौड़ को प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा पंचायती राज (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रक्षा मंत्री ने तेजस विमान पायलट की मौत पर दुख व्यक्त किया

नयी दिल्ली, 21 नवम्बर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुबई एयर शो में भारतीय वायु सेना के एक तेजस विमान की दुर्घटना में पायलट की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है और कहा है कि संकट की इस घड़ी में पूरा देश शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है।

सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा," दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान वायु सेना के एक बहादुर और साहसी पायलट के जाने से बहुत दुख हुआ। दुखी परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इस दुख की घड़ी में पूरा देश परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है।"

- राजनाथ सिंह ने कहा कि दुबई एयर शो में भारतीय वायु सेना के बहादुर साहसी पायलट की मौत पूरा देश दुखी है।

उल्लेखनीय है कि तेजस विमान दुबई एयर शो में शुक्रवार को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुबई एयर शो में तेजस विमान क्रैश हुआ, पायलट की मौत

तेजस विमान के 23 साल के इतिहास में दूसरी बार यह हादसा हुआ है

- वर्ष 2001 में तेजस विमान की पहली टैस्ट फ्लाइट हुई थी और मार्च 2024 में जैसलमेर में पहली बार तेजस विमान क्रैश हुआ था।
- यह सिंगल सीटर हल्का लड़ाकू विमान हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड ने विकसित किया है। इस हादसे से देश की "एविएशन इमेज" को झटका लगा है।
- दुबई एयर शो का आयोजन अल मकतूम इंटरनैशनल एयरपोर्ट पर हुआ था और स्थानीय समयानुसार दोपहर 2:10 पर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवंबर। देश की विमानन छवि को लगे एक बड़े धक्के के अन्तर्गत, शुक्रवार दोपहर दुबई एयर शो में उड़ान प्रदर्शन के दौरान एक तेजस लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे एक सामान्य प्रदर्शन एक चिंताजनक पल में बदल गया। विमान काले धुएं के घने गुबार के साथ अल मक्तूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिर गया, जिससे इसके पायलट की जान चली गई।

यह दो साल के अन्दर हुई तेजस विमान की दूसरी दुर्घटना है। मार्च 2024 में, एक तेजस विमान राजस्थान के जैसलमेर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह इसके 23 साल के इतिहास में पहली दुर्घटना थी, जो 2001 में इसकी पहली परीक्षण उड़ान के बाद हुई थी। उस दुर्घटना में पायलट बाल-बाल बचा था।

प्रत्यक्षदर्शियों और वीडियोज़ के अनुसार, यह विमान, जिसे सिंगल-सीट लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) के रूप में हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने विकसित किया है, स्थानीय समयानुसार करीब 2:10 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

भारतीय वायु सेना ने "एक्स" पर पोस्ट किया, "आज दुबई एयर शो में हवाई प्रदर्शन के दौरान एक आईएएफ तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट गंभीर रूप से घायल हो गया, जिससे उसकी मौत हो गई। भारतीय वायु सेना पायलट की मौत पर गहरा शोक व्यक्त करती है और शोक संतप्त परिवार के साथ इस कठिन समय में मजबूती से खड़ी है। एक जांच समिति बनाई जा रही है, ताकि दुर्घटना का कारण पता लगाया जा सके।" इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ़ हेडक्वार्टर ने "एक्स" पर पोस्ट किया, "जनरल अनिल चौहान, सीडीएस और भारतीय सशस्त्र बलों के सभी रैंक इस दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हैं, जिसमें आज दुबई एयर शो में एक आईएएफ तेजस विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हम पायलट की जीवन-हानि पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं और शोक संतप्त परिवार के साथ इस कठिन समय में मजबूती से खड़े हैं।

एयर शो में मौजूद दर्शकों ने देखा कि विमान रूटीन प्रदर्शन के दौरान ऊंचाई से नीचे की ओर आने लगा। कुछ ही सेकंडों में, यह रनवे की इमारतों के पीछे गायब हो गया और एक काले धुएं का गुबार उठते हुए दिखा, जिससे दर्शकों और कर्मचारियों के बीच घबराहट फैल गई। जहां मोदी सरकार रक्षा प्रणालियों और वस्तुओं का निर्यात बढ़ाने की कोशिश कर रही है, वहीं, प्रतिष्ठित दुबई एयर शो में इस दुर्घटना का होना इस प्रयास के लिए एक बड़ा झटका है।

केरल व यूपी में एसआईआर को चुनौती

नई दिल्ली, 22 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केरल, यूपी समेत अन्य राज्यों में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच पर सुनवाई के लिए सहमति जताई है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने विभिन्न राज्यों में एसआईआर की प्रक्रिया को चुनौती देने वाली नई याचिकाओं पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है।

- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस भेजकर जवाब मांगा।

केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य में लोकल बॉडी के चुनाव भी होने हैं और इसलिए, इस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए ट्रंप का 28 सूत्रीय "प्लान" सार्वजनिक किया गया

आम राय है कि इस "प्लान" को रूस की सहमति तो मिल जाएगी, पर, यूक्रेन के लम्बे युद्ध के बाद, इस प्लान को यूक्रेन की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी

- 14-रूस को प्लान माफिक तो आएगा, पर, रूस इस प्लान के तहत किए गए वादों को निभाएगा ही, इसकी गारंटी कौन ले सकता है।
- यूरोपीय देशों का मानना है, इस "समझौते" से "संकट" केवल कुछ समय के लिए आगे खिसक जाएगा, दोबारा विकराल रूप अपनाने से पहले। क्योंकि थका हारा, यूक्रेन बेमन से ही, इस "समझौते" को अपनाएगा, क्योंकि इस समझौते के बाद, यूक्रेन एक "बफर राज्य" बनकर रह जाएगा, स्वतंत्र व बराबर के स्टेटस का देश नहीं रहेगा।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवंबर। संयुक्त राज्य अमेरिका की यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति की 28 सूत्रीय योजना के प्रारूप के सार्वजनिक होने के एक दिन बाद, यूरोप और कीव के कूटनीतिज्ञों में यही सवाल उठ रहा है: क्या यह योजना व्यावहारिक है, और क्या इस पर दोनों संघर्षरत पक्षों की सहमति प्राप्त की जा सकती है?

पहली नज़र में, यह प्रारूप, जो राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की के साथ साझा किया गया था और, रिपोर्ट्स के अनुसार, मॉस्को के साथ इस पर गुप्त चर्चा की गई थी, बहुत ही महत्वाकांक्षी लगता है। इसमें स्थायी युद्धविराम, यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी, रूस, यूरोप और कीव के बीच एक गैर-आक्रमण संधि, और फ्रीज की हुई रूसी संपत्तियों से आंशिक रूप से वित्त पोषित एक बड़ी पुनर्निर्माण योजना का वादा किया गया है। इसमें रूस और पश्चिम के बीच आर्थिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने का मार्ग भी दिया गया है और प्रस्तावित है कि अमेरिकी राष्ट्रपति व्यक्तिगत रूप से एक "शांति परिषद" का नेतृत्व करेंगे, जो इसे लागू करने का कार्य करेगी। लेकिन इस प्रस्ताव का विस्तार ही इसके विरोधाभासों का कारण भी है, और आलोचकों के अनुसार, यह खतरनाक है।

प्रारूप के सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट किए गए तत्वों से संकेत मिलता है कि यूक्रेन को कई महत्वपूर्ण प्रतिबंधों को स्वीकार करना होगा। कीव को औपचारिक एवं कानूनी घोषणा करनी पड़ेगी कि वह भविष्य में नाटो की सदस्यता नहीं लेगा, अपनी सेना के आकार को लगभग 600,000 कर्मियों तक सीमित रखेगा और लंबी दूरी तक मार करने वाले उन हथियारों पर प्रतिबंध स्वीकार करेगा, जो रूस के भीतर हमला कर सकते हैं। इसकी भूमि पर नाटो सैनिकों को तैनात नहीं किया जाएगा। यूक्रेन के राजनीतिक और सैन्य प्रतिष्ठान में पदस्थ लोगों को ये शर्तें सही नहीं लग रही हैं। उन्हें लगता है कि ये शर्तें उनके देश की सैन्य और विदेश नीति संबंधी मामलों में स्वतंत्र निर्णय करने की क्षमता छीन लेंगी, जबकि यूक्रेन ने अपनी स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए रूस से युद्ध लड़ा और भारी कीमत चुकाई।

ज़ेलेन्स्की ने दस्तावेज़ को सीधे खारिज करने का विकल्प नहीं चुना है; उन्होंने कहा है कि वे अमेरिकी प्रशासन के साथ "योजना पर काम करने" के लिए तैयार हैं। लेकिन कीव से प्रतिक्रियाएँ काफ़ी संदेहास्पद रही हैं। कुछ सलाहकारों ने मुख्य प्रावधानों को "बेतुका" बताया है, चेतावनी दी है कि कोई भी ऐसा समझौता, जो क्षेत्रीय दावों या रणनीतिक स्वायत्तता को त्यागता है, युद्ध से जूझ रही आबादी को स्वीकार्य नहीं हो सकता।

रूस, इस बीच, केवल सतर्क रूप से सहमति दिखा रहा है। जबकि कई शर्तें रूस के पक्ष में हैं, यूक्रेन की सेना पर प्रतिबंध, नाटो की महत्वाकांक्षाओं को स्थगित करना और प्रतिबंधों में राहत की संभावना। फिर भी मॉस्को में अधिकारियों ने यह संकेत दिया है कि प्रारूप उन "मूल कारणों" का समाधान नहीं करता, जिन्हें वे युद्ध का कारण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आखिरी कार्य दिवस पर भावुक हुए सीजेआई गवई

नई दिल्ली, 22 नवंबर। भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शुक्रवार को कहा कि वे लगभग चार दशक लंबे अपने कानूनी और न्यायिक सफर के अंत में पूरे संतोष और तृप्ति के साथ न्याय के छात्र के तौर पर इस संस्था को छोड़ रहे हैं। गौरतलब है कि सीजेआई गवई का सुप्रीम कोर्ट में आज आखिरी दिन था। वे इस दौरान विदाई समारोह के लिए गठित बेंच के साथ कार्यवाही पर बैठते हुए भावुक नजर आए। इस बेंच में उनके साथ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विनोद चंद्रन मौजूद थे।

- सीजेआई ने कहा देश के लिए जो कर सकता था किया, इसी संतुष्टि के साथ जा रहा हूँ।

सीजेआई गवई ने कहा, आप सभी को सुनने के बाद, खासकर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और कपिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संक्षिप्त

मोरेल डैम से भी दोनों नहरों में खोला पानी

बौंली- बामनवास। सवाई माधोपुर एवं दौसा जिले की सीमा पर स्थित एशिया का सबसे बड़े कच्चे मोरेल डैम की दोनों नहरों में शुक्रवार को विधि विधान से पूजा के बाद मोरी खोलकर पानी छोड़ दिया गया है, जिससे किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई मोरेल डेम की नहरो से दौसा, व सवाई माधोपुर जिले के 83 गांव जिसमें बौंली, बामनवास, मलारना डूंगर व लालसोट उपखंड की करीब 19हजार बीघा जमीन की सिंचाई के लिए पानी मिलेगा शुक्रवार को सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता चेतराम मीना लालसोट, कनिष्ठ अभियंता विनोद मीना मलारना चौड की उपस्थिति में जल वितरण समिति के अध्यक्ष कानजी मीना, राजस्थान किसान सभा के जिला अध्यक्ष कानजी मीना ने किसानों सहित शुक्रवार को 11:15 पर विधि विधान से पूजा करने के बाद मोरेल डेम से दोनों नहरों में मोरी खोलकर पानी छोड़ा गया।

जागरूकता रैली का आयोजन

कोटपूतली। जिले में रविवार 23 नवंबर से प्रारंभ हो रहे उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को लेकर शुक्रवार को जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। सीएमएचओ डॉ. आशिष सिंह शेखावत ने बताया कि जिले में उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक सभी बूथों पर पिलाई जायेगी। आरसीएचओ डॉ. अरविन्द अग्रवाल ने रैली के बाद उपराष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की बच्चों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपने बच्चे की सुरक्षा में कोई चूक ना होने दे, पोलियो की खुराक हर बार पिलाये, पोलियो पर देश की जीत बनाये रखने में अपना योगदान दें। इस दौरान डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रमोद सिंह भदौरिया, डीएनओ रविकांत जांगिड़ एवं स्कूल के अध्यापक उपस्थित रहे।

सौंपा ज्ञापन

राजगढ़ । राजस्थान पेंशन समाज उप शाखा राजगढ़ की ओर से आरजीएचएस योजना के तहत दवाई नहीं मिलने को लेकर उपखंड अधिकारी सुश्री सीमा मीणा एवं ब्लॉक सीएमएचओ विशाल सिद्ध को ज्ञापन सौपा। पेंशनर समाज के वरिष्ठ सदस्य योगेश वशिष्ठ एवं अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया कि राजगढ़ सामुदायिक चिकित्सालय की ओर से योजना का लाभ पेंशनरों को नहीं मिल रहा है। इस वजह से पेंशनरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर पेंशन समाज के संरक्षक योगेश वशिष्ठ, नरेंद्र शर्मा, राजेश शर्मा, किशोर मुखर्जी, रामावतार सिद्ध, सुरेश्वर दयाल शर्मा, बलराम अग्रवाल, भगवान साहू, अशोक सेन एवं अन्य पेंशनर मौजूद रहे।

तप कल्याणक महोत्सव मनाया

निवाई/गुंसी। सकल दिगम्बर जैन समाज विज्ञातीर्थ के तत्वावधान में जैन आर्यिका ज्ञानश्री माताजी के सानिध्य में भगवान पुष्पदंत का जन्म और तप कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने विश्व शांति की कामना करते हुए भगवान शांतिनाथ की शांतिधारा की। विज्ञातीर्थ पर आर्यिका सुविधिमति माताजी का मंगल प्रवेश हुआ। सर्व प्रथम भगवान जिनेन्द्र देव के अभिषेक करने का सौभाग्य दिगम्बर जैन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विष्णु बोहरा, ओमप्रकाश ललवाड़ी, विमल पाटनी व डब्बू संघी सहित कई श्रद्धालुओं को मिला।

‘बीएलओ निर्धारित समय सीमा में शून्य त्रुटि के साथ कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें’

खैरथल। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने शुक्रवार को तिजारा विधानसभा क्षेत्र में एएसडी श्रेणी के मतदाताओं का फिजिकल वेरिफिकेशन करते हुए चुनावी कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत असलीमपुर के बूथ संख्या 183, ग्राम हिंगवाहेड़ा के बूथ संख्या 184, होसिंगपुर के बूथ संख्या 69 तथा कृष सोसाइटी टपूकड़ा क्षेत्र के बूथ संख्या 106 पर पहुंचकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन किया।

इसके अलावा उन्होंने कुल 11 हाउसहोल्ड का निरीक्षण करते हुए शिफ्ट हुए मतदाताओं का रिकॉर्ड मिलान किया तथा उच्च आवासीय सोसाइटियों में डोर-टू-डोर जाकर मतदाताओं का सत्यापन कर आवश्यक निर्देश दिए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे त्रुटि-रहित फॉर्म भरते हुए कार्य को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करें। साथ ही जिले के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे अपना गणना प्रपत्र भरकर बीएलओ को अवश्य जमा कराएं, ताकि उनका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल हो सके।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने मतदाताओं का फिजिकल वेरिफिकेशन करते हुए चुनावी कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

■ एडीएम ने तिजारा विधानसभा क्षेत्र में किया एएसडी मतदाताओं का फिजिकल वेरिफिकेशन

अतिरिक्त जिला कलेक्टर जाट ने बताया कि जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा 21 नवंबर को जारी 4:00 बजे तक की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, जिले में डिजिटाइजेशन की कुल प्रगति अब 58.22 प्रतिशत तक पहुँच गई है। अब तक 453913 गणना प्रपत्रों को ऑनलाइन किया जा चुका है। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में कार्य निष्पादन का स्तर निरंतर सुधर रहा है। किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र में कुल 67.29 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जो जिले में किसी भी ईआरओ द्वारा किया गया सर्वाधिक कार्य है।

मुंडावर विधानसभा: इस क्षेत्र ने भी उल्लेखनीय गति दिखाई है और 63.24 प्रतिशत प्रगति के साथ 1 दिन में लगभग 7 मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरे गए। तिजारा विधानसभा: यहाँ भी कार्य में स्थिरता आई है।

55.45 फीसदी गणना प्रपत्र हुए डिजिटाइज

टोंक। जिले में मतदाता सूचियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) किया जा रहा है। जिसके तहत सभी मतदाताओं के वार्ड वाइज बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित कर रहे है। साथ ही गणना प्रपत्र के मतदाता द्वारा भरने के पश्चात डिजिटाइजेशन करने का कार्य भी तीव्रगति से चल रहा है। जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल के निर्देश पर सभी इआरओ व एइआरओ एवं इस कार्य से जुड़े अधिकारी निरंतर इसकी मॉनिटरिंग कर रहे है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी रामरतन सौंकरिया ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना अग्रवाल के मार्ग दर्शन में लगातार मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरने का कार्य किया जा रहा है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में टीमे लगातार कार्य कर रही है। जिन बीएलओ का काम बेहद सराहनीय रहा उन्हें सम्मानित किया जा रहा है।

कलक्टर ने ‘हमारा शौचालय, हमारा भविष्य’ अभियान के बेहतर आयोजन के निर्देश दिए

दौसा। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों एवं पंचायत समिति विकास अधिकारियों को 10 दिसम्बर तक चलने वाले 'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए दिशा-निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार स्वच्छता को लेकर काफी गंभीर है। शहर, गांव एवं गली-मोहल्लों सहित हर जगह की साफ-सफाई को लेकर सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान शुरू किया गया है जिसके तहत आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और शौचालय के उपयोग के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विभिन्न विभागों को सौंपी गई जिम्मेदारियों का समुचित ढंग से निर्वहन करते हुए अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए।

■ 10 दिसम्बर तक चलेगा 'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने सांसद-विधायक लेड योजना की प्रगति की पंचायत समितिवार समीक्षा कर स्वीकृत कार्य शीघ्र पूरे कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विधायक जनसुनवाई केन्द्रों की स्थापना की प्रगति, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के प्रस्तावों, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वामित्व योजना सहित ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। जिला परिषद दौसा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चन्द गंगवाल ने 'हमारा शौचालय, हमारा भविष्य' अभियान पर चर्चा करते हुए बताया कि पंचायत समितियों की ओर से इस अभियान के संबंध में ग्राम पंचायतों को 22 एवं 23 नवम्बर को प्रशिक्षण दिया जाएगा। ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) की बैठक आयोजित कर 'हमारा शौचालय हमारा भविष्य' अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर ग्राम पंचायत स्तर पर सफाई कर्मचारियों का सम्मान एवं लाभार्थियों को व्यक्तिगत शौचालयों के स्वीकृति पत्र वितरित किये जाएंगे। स्थानीय प्रतिष्ठित हस्तियों, पद्म पुरस्कार विजेताओं, सेवानिवृत्त सशस्त्र बल और अर्धसैनिक बल कर्मी, वरिष्ठ नागरिक एवं युवा समूहों (एनएसएस, एनवाईकेएस, एनसीसी आदि), वार्डपंच और स्कूली बच्चों को इस अवसर पर आमंत्रित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत व घरेलू शौचालय एवं सामुदायिक स्वच्छता परिसर की निरन्तर उपलब्धता एवं उपयोगिता को बढ़ावा देना है। अभियान के दौरान नये स्वीकृत हुए घरेलू एवं सामुदायिक शौचालयों के कार्यों का शुभारंभ किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चन्द गंगवाल ने बताया कि सभी विकास अधिकारियों को 25 नवम्बर तक मरम्मत योग्य एवं सौन्दर्यीकरण के लिए सामुदायिक शौचालयों को चिन्हित करना है।

बालक की मौत पर पांचवें दिन भी धरना जारी

देवली। गोपीपुरा निवासी 5 वर्षीय हिमांशु धाकड़ के परिजनों को आर्थिक सहायता सहित अन्य मदद दिलाने के समर्थन में कांग्रेसी पार्षद और जैन समाज ने भी अपनी तरफ से समर्थन दिया है। धरना स्थल पर कांग्रेसी पार्षद भीमराज जैन ने कहा कि ऊर्जा मंत्री की एस्कॉर्ट मे चल रहे पुलिस की वाहन की टक्कर से जिस 5 वर्षीय मासूम बच्चे की मृत्यु हो गई है उस बच्चे को कानूनी तौर पर इंसाफ मिलना चाहिए और राज्य सरकार की ओर से मृतक बच्चे के परिजनों को आर्थिक मदद के साथ सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए कांग्रेसी पार्षद भीमराज जैन और सतनारायण सरसडी ने कहा कि राजस्थान प्रदेश सरकार के मंत्री की पुलिस एस्कॉर्ट कर रही थी।

■ मृतक बालक के परिजनों को इंसाफ दिलाने के लिए जैन समाज और कांग्रेस ने भी दिया समर्थन

इस दौरान पुलिस के ओवर स्पीड वाहन ने 5 वर्षीय हिमांशु धाकड़ को टक्कर मार दी थी जिससे मासूम की मौत हो गई। भीमराज जैन ने धरना स्थल पर कहा कि ऊर्जा मंत्री के सामने बच्चा मर गया। ऐसे में उक्त परिवार के मुआवजा की मांग उचित है । और मृतक के परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए । और राज्य सरकार की ओर से सहायता और मुआवजा परिजनों को बिना आंदोलन के मिलना चाहिए था। लेकिन राज्य सरकार इस गंभीर दुर्घटना की ओर ध्यान नहीं दे रही है। जिसके कारण परिजन और धाकड़ समाज सहित अन्य समाज को धरना प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इस पर जैन का मानना है कि इस मामले में सभी समाज को आगे बढ़कर पीड़ित परिवार के पक्ष में समर्थन देना चाहिए।

परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग को लेकर पांचवें दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी रहा।

उल्लेखनीय की गोपीपुरा निवासी हिमांशु धाकड़ के परिजनों को आर्थिक सहायता सहित अन्य मदद दिलाने की मांग को लेकर शुक्रवार को भी पांचवें दिन अनिश्चितकालीन धरना जारी है।इस दौरान धरना स्थल पर वक्ताओं ने सरकार की नीतियों को जमकर कोसा और मृतक बालक के परिजनों को तुरंत सहायता दिलाने की मांग की। इसे लेकर जैन समाज की ओर से पदाधिकारी धरना स्थल पर पहुंचे और अनिश्चितकालीन धरना दे रहे लोगों को अपना समर्थन दिया है । यहां पार्षद भीमराज जैन ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है कि मंत्री की एस्कॉर्ट कार से दुर्घटना होती है और सरकार परिजनों की कोई सुध नहीं लेती।

जाम की स्थिति से निजात दिलाने के लिए अतिक्रमण हटाया

किशनगढ़ बास। एसडीएम मनीष कुमार के निर्देश पर नगर पालिका ने तोप सर्किल के आसपास व बस स्टैंड, अन्नपूर्णा रसोई के पास एवं तोप सर्किल से अस्पताल तक सड़क के दोनों ओर हों रहे अस्थाई अतिक्रमण साफ कराया तथा सड़क पर यातायात प्रभावित कर रही करीब आधा दर्जन रेडी ठेली को जप्त कर नगर पालिका पहुंचाया। नगर पालिका की इस कार्रवाई से रेडी ठेली वालों में हड़कंप मच गया। नगर पालिका अधिकारी ने कहा अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी जल्द ही मुख्य बाजार, गंज रोड से अस्थाई अतिक्रमण हटाया जाएगा।

उल्लेखनीय हे की पिछले दिनों तोप सर्किल पर रात में ईंटों से भरा ट्रक सर्किल से टकराता हुआ खोखों में जा घुसा और करीब 13 खोखो में आग लगी थी जिसमें लाखों का सामान जलकर खाक हो गया था। तोप सर्किल से पेट्रोल पंप, खैरथल रोड महावर धर्मशाला व अलवर रोड तहसील तक सड़क के दोनों ओर अस्थाई अतिक्रमण एवं रेंडी ठेली, रिक्शा, प्राईवेट बस व टेंपू खड़े रहने से जाम की स्थिति बनी रहती है वहीं दुघर्टना का अंदेशा बना रहता है।

■ एसडीएम के निर्देश पर नगर पालिका ने अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान

नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता गगन गर्ग व कनिष्ठ लिपिक सुरेश चंद शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को शहर में जाम की स्थिति को देखते हुए एसडीएम मनीष कुमार व ईओ राहुल अग्रवाल के निर्देश पर तोप सर्किल के आसपास रेडी ठेली वालों को व्यवस्थित कराया गया तथा यातायात प्रभावित कर रही करीब आधा दर्जन रेडी ठेली को जप्त करने की कार्रवाई की गई। इसी के साथ बस स्टैंड के अंदर व अन्नपूर्णा रसोई के आसपास तथा तोप सर्किल से अस्पताल तक सड़क के दोनों ओर से अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया और लोगों को सड़क पर सामान नहीं रखने के लिए समझाइश की गई।

नगर पालिका अधिकारियों ने बताया कि अति कर्मियों को पूर्व में समझाइश कर अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था। लेकिन समझाइश के बाद भी लोगों ने अतिक्रमण नहीं हटाया। अधिकारियों ने कहा है कि बार बार समझाइश के बाद भी यातायात व्यवस्था को बिगाड़ने वालों के विरुद्ध जुर्माना वे जप्त की कार्रवाई की जाएगी।

अलवर में केंद्रीय बस स्टेण्ड पर मातृ एवं शिशु सुविधा केंद्र का शुभारंभ

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने केंद्रीय बस स्टेण्ड अलवर परिसर में मातृ एवं शिशु सुविधा केंद्र (बेबी केयर सेंटर) का फीता काटकर शुभारम्भ किया और कहा बस स्टैंड जैसे स्थानों पर बड़ी संख्या में महिलाओं का आवागमन रहता है और उनको खुले में अपने बेबी को फीडिंग करवाने में होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर विकास न्यास के माध्यम से केंद्रीय बस स्टेण्ड पर यह एक अभिनव पहल की गई है। उन्होंने ने बताया इस बेबी केयर सेंटर को करीब 35 लाख रुपए की लागत से तैयार किया गया है। यह आधुनिक तकनीक पर आधारित है, इसमें महिलाओं के लिए फीडिंग रूम, वेटिंग रूम,ड्रेसिंग रूम, बच्चों को खेलने के लिए स्पेस एवं आधुनिक टॉयलेट है और यह पूर्णतया वातानुकूलित भी है। इसका रखरखाव सीएसआर मद से कराया जावेगा। साथ ही इसकी सुरक्षा व्यवस्था की भी व्यवस्था रहेगी।

उन्होंने बताया जिला कलेक्टर कार्यालय में भी बड़ी संख्या में महिलाओं का आवागमन होता है,वहां भी महिला अधिकारी का विभाग के सहयोग से बेबी केयर सेंटर करीब एक साल से संचालित किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर के द्वारा बेबी केयर सेंटर के शुभारंभ के कुछ समय पश्चात ही बहादुरपुर निवासी बहने कोमल व कुसुम जो कि अपने बच्चों के साथ जयपुर जाने के लिए केंद्रीय बस स्टैंड आई थी।दोनों बहनों ने बेबी केयर सेंटर में उपलब्ध कराई गई आधुनिक सुविधाओं को देखकर अभिभूत नजर आई। उन्होंने कहा कि बस स्टेण्ड पर यात्रा के दौरान बच्चों को दूध पिलाने में बहुत असुविधा होती थी,अब यह जगह जिला प्रशासन द्वारा इतनी बेहतरीन में आधुनिक सुविधाओं के साथ उपलब्ध कराई है इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन का आभार जताया। इस दौरान नगर विकास न्यायाधीश की सचिव धायगुडे स्नेह नाना, शहर बीना महावर, यूआईटी के अधीक्षण अभियंता तैयब खान,पर्यटन विभाग की उपनिदेशक टीना यादव, पीडब्ल्यूडी की अधिशासी अभियंता अल्का व्यास, यूआईटी के अधिशासी अभियंता अशोक मदान, मत्स्य नगर आगर के मुख्य प्रबंधक कुलदीप शर्मा एवं अलवर आगार की मुख्य प्रबंधक सपना मीणा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने केंद्र का फीता काटकर शुभारम्भ किया।

■ 35 लाख से बने बेबी केयर सेंटर वातानुकूलित, आधुनिक फीडिंग रूम व फर्नीचर के साथ टॉयलेट व पेयजल की है व्यवस्था

पुलिस के जवानों ने दिया गॉड ऑफ ऑनर

निवाई। उनियारा पुलिस थाने के यातायात प्रभारी रामूलाल मीणा निवासी सीदडा का उनके पैतृक गांव सीदडा में राजकीय सम्मान के साथ अन्तिम संस्कार किया गया। इस दौरान पुलिस की टुकडी ने गॉड ऑफ ऑनर पेश किया। पूर्व सीआर व स्व. हैड कांस्टेबल मीणा के पुत्र रमेश मीणा ने बताया कि उसके पिता रामूलाल मीणा उनियारा पुलिस थाने में यातायात प्रभारी के पद पर नियुक्त थे। वह राजकीय कार्य के लिए निवाई आये थे। इसी दौरान उनकी मोटरसाईकिल के अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायल रामू को उप जिला अस्पताल निवाई में भर्ती करवाया। जिनकी चिंताजनक स्थिति होने पर चिकित्सकों ने उनको जयपुर रैफर कर दिया। जयपुर में उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड दिया। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस ने गुरूवार को शव को तिरंगा में लपेटकर गॉड ऑफ ऑनर देकर राजकीय सम्मान के साथ परिजनों की मौजूदगी में अन्तिम संस्कार किया।

सेस निर्धारण के लिए श्रम विभाग की कार्यवाही

दौसा। श्रम विभाग ने उपकर (सेस) संग्रहण और वसूली की कार्यवाही के लिए शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर सात स्थानों पर क्षेत्रफल मापन एवं सर्वे की कार्यवाही की।

श्रम विभाग इन संस्थानों को

खोया पाया

मैं भूपेश शर्मा पुत्र रतन लाल शर्मा मेरे प्लॉट ए-182 गोल्डन सिटी-3 थूनी, रूपनिवास टोंक रोड चाकसू जयपुर योजना श्री खाटूश्याम बिल्ड एस्टेट प्रा.लि. के मूल कागजात कहीं खो गये है मिले तो सूचित करें। भूपेश मो. 7014384752

नम्बर मिलाइए 9587884433

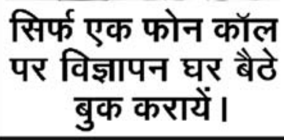

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीय माताजी **श्रीमती प्रभाती देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री महादेव जी घौसल्या का स्वर्गवास दिनांक 20.11.2025 को हो गया है। तीये की बैठक 22.11.2025 को दोपहर 2 से 4 बजे तक निवास स्थान महादेव बाबा की ढाणी सिंवार, वार्ड 45, जयपुर में रखी गई है।

शोकाकुल- तेजाराम, भैरूराम, जयनारायण, बाबूलाल, रामचन्द्र, राजेन्द्र, हनुमान, गोपाल, शिवप्रसाद, गणेश, पांचुराम (पुत्र), मोहन, ओमप्रकाश, हेमंत रामस्वरूप, हंसराज, सक्षम, सरदार, जयप्रकाश, डॉ. सुनील, अनिल, राहुल (पौत्र), कनिष्क, कुणाल (षड़पौत्र) एवं समस्त घौसल्या परिवार

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किलान राकेश बाबू पुत्र श्री रंगीलाल एवं श्रीमती कालिन्द्री देवी पत्नि राकेश बाबू निवासीगण प्लाट नंबर 18 आर.के.पुरम, सीतापुरा, सांगानेर, जयपुर की पुत्री पल्लवी यादव मेरे मुवक्किलान के कहने में नहीं है, अपनी मनमानी करती है, हमारी कोई सेवा नहीं करती, हमें अपमानित करती रहती है, इसलिए मेरे मुवक्किलान ने अपनी पुत्री पल्लवी यादव को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, आज से पल्लवी यादव मेरे मुवक्किलान व उनकी चल-अचल सम्पत्ति से कोई संबंध व हक अधिकार नहीं रहा है तथा पल्लवी यादव के द्वारा किये जाने वाले संव्यवहार व कार्यों के बारे में मेरे मुवक्किलान की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। अतः सूचित रहे। (उदय सिंह)
दिनांक : 20.11.2025 एडवोकेट, मो. 9414371507

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/865
चूंकि प्रार्थी श्री SALIM ABBASI, PLOT NO. 43, GM NURSING HOME, HASANPURA-A, JAIPUR RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास ABDUL KALAM AMBEDKAR EDUCATIONAL SOCIETY, 43, GM NURSING HOME, HASANPURA-A, JAIPUR RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 20.01.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

नाम परिवर्तन

मेरे पुत्र मोहम्मद अयान की 8वीं की अंकतालिका में मेरा नाम MO. IMRAN दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक नाम MOHAMMAD IMRAN पुत्र अब्दुल अजीज निवासी 2542 कमनीगरों का मौहल्ला, कांवटियों का खुर्रा, रामगंज बाजार जयपुर है। भविष्य में मुझे MOHAMMAD IMRAN नाम से जाना पहचाना जावें।

मैंने अपना नाम भव्य से बदलकर भव्य वर्मा रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम भव्य वर्मा पुत्र श्री आशीष वर्मा निवासी फ्लैट नम्बर-11 अरिहंत पाल्म, कनक विहार चोरडिया सिटी, कमला अजमेर रोड, वैशाली नगर, जयपुर के नाम से जाना जाये।

मैंने अपना नाम IQRA से बदलकर IQRA ASIF पुत्री आसिफ इकबाल निवासनी 1340, अपोजित सिटी हास्पीटल, मोती डूंगरी रोड, जयपुर रख लिया है भविष्य में मुझे IQRA ASIF के नाम से जाना पहचाना जावें।

मैंने अपना नाम भूरी गुर्जर से बदलकर भंवरी रख लिया है। भविष्य में मुझे भंवरी पुत्री हरिनारायण गुर्जर के नाम से जाना जावें। निवासी ग्राम टिकेल नरूकान, तहसील फागी, जिला जयपुर राजस्थान

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
(व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4)
न्यायालय...उपखण्ड अधिकारी... स्थान... सांभरलेक...गुलाब...विरूद्ध...अब्दुल वहीद वगै....
प्रार्थना पत्र हस्ब आर्डर 9 रूल 7,13 सपठित धारा 151 जा.दी.
प्रार्थना पत्र संख्या 131/2025
बनाम 1/1 अब्दूल करीम पुत्र स्व. मकबूल खां जाति मुसलमान नि. झोटवाडा जयपुर 1/2 मोहम्मद रमजान, 1/3 लियाकत अली, 1/4 अब्दूल रशीद, 1/5 मोहम्मद रफीक, 1/6 चांद बानो समस्त पुत्र/पुत्रीया स्व. मकबूल खां जाति मुसलमान नि. बरडोटी मोहल्ला सांभरलेक तहसील फुलेरा जिला जयपुर 1/7 नजीरन पत्नि स्व. माहम्मद इब्राहिम पुत्र स्व. गुलाब, 1/8 दीन मोहम्मद, 1/9 मुन्नी, 1/10 मुस्तकीन खां, 1/11 अब्दूल सतार पुत्र/पुत्रीया स्व मोहम्मद इब्राहिम जाति मुसलमान नि. सी-172-173 भट्टा बस्ती शास्त्री नगर जयपुर, 1/12 मोहम्मद शरीफ पुत्र मोहम्मद इब्राहिम नि. बरडोटी माहल्ला सांभरलेक जिला जयपुर, 1/13 परवीना, 1/14 जुल्फीकार, 1/15 रूबीना, 1/16 नियाज हुसैन, 1/17 हैदर अली, 1/18 इस्लामुद्दीन पुत्र/पुत्रीया मोहम्मद इब्राहिम जाति मुसलमान नि. सी 172-173 भट्टा बस्ती शास्त्री नगर जयपुर। उक्त प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि ...जिसकी नकल संलग्न है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 08 माह 12 सन् 2025 को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश को सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 19 माह 11 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय कीमुद्रा लगाकर दी गई।
मोहर अदालत
आज्ञा से-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
सांभर लेक

प्रारूप-10 (नियम 6(7) देखिए)
कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर पालिका मण्डल जोबनेर जयपुर
लोक सूचना
क्रमांक-71 दिनांक-20.11.2025
रणजीत सिंह हपावत पुत्र श्री सवाई सिंह हपावत निवासी चारणवास, काली पहाडी जिला जयपुर के द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक (आवासीय/व्यवसायिक रूपान्तरण) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अर्थात-

जिले सहित नगर का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
आसलपुर जिला जयपुर	आसलपुर तहसील जोबनेर जिला जयपुर	1921/1567 1919/1275	खसरा नं. 1921/1567 रकबा 0.2529 है. एवं खसरा नं. 1919/1275 रकबा 0.3666 है. भूमि को अकृषि (आवासीय/व्यवसायिक रूपान्तरण)

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षर के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 20.11.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी, (अधिशाषी अधिकारी) नगरपालिका मण्डल जोबनेर

कार्यालय नगर पालिका मण्डल बस्सी जिला जयपुर (राज0)
क्रमांक : न.पा.ब./2025–26/1732 दिनांक : 14.11.2025
निविदा सूचना
कार्यालय नगर पालिका मण्डल बस्सी, जयपुर द्वारा निम्न कार्य कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा सूचना राजस्थान लोक उपापन पोर्टल की एसपीपीपी व ई–प्रोक पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। जिसकी टेण्डर आईडी और एनआईबी संख्या DLB2526A8092 है।

Sr.no	UBIN No	Sr.no	UBIN No
1	(DLB2526WSOB24299)		

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/14266 नगरपालिका,बस्सी

कार्यालय पंचायत समिति गोविन्दगढ़, जयपुर
Email ID: bdo.jai.gov@gmail.com, Phone No. 01423-230025
क्रमांक-पंसगो/लेखा/ई-निविदा/2025/155 दिनांक-18.11.2025
निविदा सूचना संख्या /2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 में पंचायत समिति गोविन्दगढ एवं अधीनस्थ ग्राम पंचायतों में विभिन्न योजनाओं में स्वीकृत कार्यो/संकर्म हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत प्रतिष्ठानों/संवेदकों स निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण eproc.rajasthan.gov.in व sppp.rajasthan.gov.in से upload/download की व देखी जा सकती है।
NIB NO. PFA2526A0322 TO PFA2526A0324, UBN NO. PFA2526WSOB00323 TO PFA2526WSOB00325
विकास अधिकारी
पंचायत समिति गोविन्दगढ
(जयपुर)

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय - विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005, कार्यालय मुख्य लेखा नियंत्रक
टेलीफोन नं.: 0141.2747039, ईमेल: aoec@jvvnl.org, वेबसाइट: www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl
सुश्री मोहिनी मीना, कनिष्ठ लेखाकार के सेवा निष्कासन की सूचना एवं अंतिम नोटिस
स्मरणीय है कि आपको इस कार्यालय द्वारा जारी नियुक्ति आदेश संख्या 1319 दिनांक 01.10.2018 द्वारा कार्यालय लेखाधिकारी (जयपुर जिला वृत्त), जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, जयपुर में पदस्थापित किया गया था, परन्तु आप दिनांक 01.09.2021 से 28.08.2022 तक बिना अनुमति के लगातार अनुपस्थित रहीं, जिसके लिए आपको इस कार्यालय द्वारा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम, 1962 के विनियम 6 के अंतर्गत आरोप पत्र संख्या 625 दिनांक 28.06.2022 जारी किया गया, जिसका आपके द्वारा निरंतरण अनुसरण के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया गया। तदुपरांत आप दिनांक 29.08.2022 को कार्यालय में उपस्थित होकर पुनः अनुपस्थित रही। कार्यालय से लंबे समय तक उक्तानुसार अनुपस्थित रहने के बावजूद आपके व्यक्तिगत अनुरोध पर आपको दिनांक 06.11.2023 को कार्यग्रहण करने की अनुमति प्रदान की गयी, परंतु आप पुनः दिनांक 14 फरवरी 2024 से कार्यालय से बिना किसी पूर्व सूचना एवं लिखित अनुमति के लगातार अनुपस्थित चल रही हैं। इस बाबत आपको लगातार इस कार्यालय द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने एव उपस्थित होने हेतु आग्रह किया जाता रहा है। इसके अतिरिक्त औपचारिक एवं अनौपचारिक विभिन्न संचार माध्यमों के द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद भी आप कार्यालय में उपस्थित नहीं हुई। आपका उपरोक्त आचरण आपकी इरादतन अनुपस्थित रहने की प्रवृत्ति को दर्शाता है, जिसके कारण आपको विनियम 6 में दिये गए आरोप पत्र को विनियम 7 में परिवर्तित किया गया। आपके द्वारा एक लम्बे समय तक जवाब न देने पर जांच अधिकारी एवं प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त किया गया जिनके द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन अनुसार आप वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम, 1962 के विनियम 3(1)(i)(ii) एवं 28 (a)(c)(d)(f) में दोषी पायी गयी है। उपरोक्त परिपेक्ष में इस कार्यालय को विवश होकर, इस अंतिम सार्वजनिक नोटिस के जरिये आपको सूचित किया जाता है कि, आपको सेवा से पृथक करने की कार्यवाही आपकी स्वयं की जोखिम एवं लागत पर अमल में लायी जा रही है।
राज.संवाद/सी/25/14275 जेपीआर - 3084 (2025) मुख्य लेखा नियंत्रक
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर ठगने वाले फर्जी कॉल सेंटर गिरोह का भंडाफोड

मालवीय नगर और प्रताप नगर में संचालित कॉल सेंटर पर पुलिस की छापेमारी

मालवीय नगर और प्रताप नगर पुलिस ने जयपुर शहर में बैठकर विदेशी नागरिकों को ठगने वाले शातिर कॉल सेंटर गिरोह के बदमाशों को गिरफ्तार किया। फोटो-राष्ट्रदूत

- कार्रवाई के दौरान 49 पुरुष और 11 महिलाओं सहित 60 लोग गिरफ्तार
- पुलिस टीम ने आरोपियों से 57 कंप्यूटर और 3 लैपटॉप भी जब्त किए
- गिरोह खुद को अमेजन और एप्पल ग्राहक सेवा केंद्र बता कर अमेरिकी नागरिकों को ठगता था

जयपुर (कासं)। जयपुर पुलिस ने मालवीय नगर और प्रतापनगर क्षेत्र में संचालित हो रहे दो फर्जी कॉल सेंटरों पर संयुक्त छापेमारी कर 49 पुरुष और 11 महिलाओं सहित 60 लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 57 कंप्यूटर और 3 लैपटॉप भी जब्त किए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह खुद को अमेजन और एप्पल ग्राहक सेवा केंद्र बता कर अमेरिकी नागरिकों को ठगता था।

पुलिस का कहना है कि जब्त किए गए उपकरणों की विस्तृत जांच से यह खुलासा होगा कि अब तक इस गिरोह ने कितने अमेरिकी नागरिकों से कितनी धनराशि की ठगी की है। मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि मालवीय नगर और प्रतापनगर क्षेत्र में संचालित हो रहे दो फर्जी कॉल सेंटरों पर संयुक्त छापेमारी करते हुए ग्रेसन (29) निवासी मुम्बई महाराष्ट्र,अब्दुल रहमान (20) निवासी मुम्बई महाराष्ट्र, जश पटेल (27) निवासी अहमदाबाद गुजरात,रिबेका हेरिस (28) निवासी जामनगर गुजरात, निनाद शिंदे (30) निवासी पालघर महाराष्ट्र, रवि प्रजापति (27) निवासी कालन्द्री जिला सिरोही, संदीप राम पटेल (28) निवासी पालघर जिला मुम्बाई, खाजामांग (23) निवासी चांदपुर जिला मनीपुर,आयूष रॉय (20) निवासी रसूलपुर जिला सिवान छपरा विहार, राजपांडिया (25) निवासी विरार जिला मुम्बई, शेख दानिश (23) निवासी मलाड जिला मुम्बई, सुमित जसवंत भाई वसावा (27)निवासी जगरिया जिला बरूच, मिथ पाल (19) निवासी मेघालय, लोन गोगिन सिनगस्टी (30)निवासी कांग पोकई मनीपुर, आहद खान (21)निवासी मुम्बई महाराष्ट्र, आदित्य थापा (21)निवासी जिला दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल, रिक्की साही (28)निवासी दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल, रोहित रेड्डी (25) निवासी थाणे महाराष्ट्र,एलेक्स बारला (20) निवासी मुंबई, सचिन केसवानी (26) निवासी मुंबई, रूबल राय (25) निवासी सिलीगुड़ी, मोहम्मद शाबाज़ (25) निवासी मुंबई, विक्की गुप्ता (30) निवासी पालघर,सुप्रिया (18) निवासी सिलीगुडी, अमन साहू (23) निवासी मुंबई, प्रियेश पंवार (25) निवासी पालघर, पार्थ ठक्कर (29) निवासी अहमदाबाद, भावार्थ जवेरी (26) निवासी वडोदरा, साजन कुमार साहनी (25) निवासी समस्तीपुर, अंकुर दास (23) निवासी लखीमपुर, आयुष चव्हाण (24) निवासी मुंबई,राज जायसवाल (23) निवासी मुंबई,निखिल आयरे (31) निवासी मुंबई, गौरव बिडलान (23) निवासी ठाणे, चिंग्खेई नग्नबा मैतेई (24) निवासी गुवाहाटी, बी-टोलेन (24) निवासी तुएनसांग, राकेश बिस्वास (21) निवासी खटखटी, पुकिवी वत्सा (24) निवासी दीमापुर, सारिक (25) निवासी नई दिल्ली, ओबी रॉय (19) निवासी दीमापुर, चुंग्शी (30) निवासी दीमापुर, बायचुंग (23) निवासी मोन, लिवान्धंग (23) निवासी वोखा, अजेपी (24 वर्ष) निवासी थंगसन, विलोतो (22) निवासी दीमापुर, गौरव बिस्वा (22) निवासी शिलांग, मिहिर दोर्जी (24) निवासी शिलांग, कुनाल छेत्री (25) निवासी दीमापुर, देवांग योगेश (24) निवासी वडोदरा, दीपक सोनी (33) निवासी अहमदाबाद, रोहित सेमवाल (24) निवासी वडोदरा, लिडिया संगमा (21) निवासी बोकाजन, चिगन्यू पंग्यू (28) निवासी मोन, वोचाना इजुंग (25) निवासी दीमापुर, मेदोतलू वेंड्ये (22) निवासी फेक, वेलू राहखो (19) निवासी फेक, थुजोनेलू राहखो (19) निवासी फेक, विला केडित्सु (21) निवासी कोहिमा, बिनिता बिस्वा (22) निवासी शिलांग और भारती रेली (21) निवासी दीमापुर को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 57 कंप्यूटर और 3 लैपटॉप भी जब्त किए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों के द्वारा इंटरनेट पर फर्जी कस्टमर केयर नंबर गूगल सर्च में ऊपर दिखाए जाते थे। जब अमेरिकी लोग जब किसी तकनीकी या रिफंड संबंधी मदद के लिए इन नंबरों पर कॉल करते थे,तो कॉल गिरोह के डायलरों द्वारा रिसीव की जाती थी। इसके बाद कॉल को "क्लोजर्स" के पास ट्रांसफर किया जाता था। जो खुद को बैंक अधिकारी या अमेरिकी सरकारी एजेंसी का प्रतिनिधि बता कर पीड़ितों से उनके बैंक, कार्ड और निजी जानकारी ले लेते थे।

कई मामलों में आरोपियों द्वारा पीड़ितों को एफबीआई, आईटी विभाग और अमेरिकी अदालतों के फर्जी वारंट और नोटिस भेजकर डराया जाता था। आरोपियों द्वारा पीड़ितों के बैंक अकाउंट की जानकारी लेकर उन्हें नए अकाउंट खोलने की प्रक्रिया के नाम पर धोखे से गिरोह के फर्जी खातों में पैसा ट्रांसफर करवाया जाता था। बाद में यह रकम क्रिप्टोकरेंसी और हवाला के माध्यम से भारत में प्राप्त की जाती थी। गिरोह अब तक लाखों डॉलर की धोखाधड़ी कर चुका है।

आरोपियों के कब्जे से मिले डिजिटल रिकॉर्ड में हजारों अमेरिकी नागरिकों की निजी और बैंकिंग जानकारी, कॉल रिकॉर्डिंग और ठगी के दस्तावेज मिले हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह अब तक लाखों डॉलर की धोखाधड़ी कर चुका है। पुलिस का कहना है कि जब्त किए गए सिस्टम और डेटा की फॉरेंसिक जांच के बाद इस नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन और भी सामने आ सकते हैं।

प्रदेश में बैंकों का ब्रॉन्च नेटवर्क मजबूत करें : मुख्य सचिव

- डिजिटल व वित्तीय साक्षरता कैंप लगाने के निर्देश दिए

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य में डिजिटल व वित्तीय साक्षरता, कृषि व अन्य ऋणों के समयबद्ध वितरण के सम्बन्ध में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं, जिससे रोजगार व अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट मिले।

मुख्य सचिव ने विकसित राजस्थान- 2047 का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए 100 प्रतिशत क्रेडिट- डिपोजित अनुपात सुनिश्चित करने, डिपोजिट में पर्याप्त वृद्धि करने व क्रेडिट विस्तार के भी निर्देश दिए जिससे नए उद्यम लगाने, स्वरोजगार शुरू करने में अधिक मदद मिले व अर्थव्यवस्था को गति मिले।

मुख्य सचिव ने 2 लाख रुपये तक के कृषि ऋण वितरण को फास्ट ट्रेक मोड़ पर संचालित करने के निर्देश दिए ताकि किसानों को समय पर ऋण मिले व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अधिक गति मिले। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी बैंकर्स को निर्देश दिए कि राज्य को 2 लाख रुपये से अधिक के कृषि ऋण पर डिजिटल किसान क्रेडिट कार्ड की उपलब्धि वाला देश का प्रथम राज्य बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समन्वित प्रयास करें, यह अन्नदाताओं के लिए बड़ा लाभदायक सिद्ध होगा।

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि वित्तीय समावेशन बढ़े व बैंकिंग सेवाएं प्रत्येक व्यक्ति की पहुंच में हो। एक भी गांव से बैंक शाखा की दूरी 5 कि.मी. से अधिक न हो। इसके लिए सर्वे/फिजिकल ऑडिट के निर्देश दिए। सरकार प्रायोजित स्कीमों में ऋण के लिए प्रस्ताव/आवेदन की गुणवत्ता सुधार के निर्देश दिए ताकि ऋण स्वीकृतियों पर समय से फैसला हो, प्रोजेक्ट कीफिजिबिलिटी सर्वाइबिलिटी के बारे में बेहतर डेटा उपलब्ध रहे। बैंक ऋण के संबंध में आए आवेदन पर लिए निर्णय की सूचना 14 दिन के भीतर आवेदक को देना सुनिश्चित करें जिससे स्वीकृति मिले तो वह समय पर प्रोजेक्ट शुरू कर सके तथा परियोजना की लागत न बढ़े। यदि स्वीकृति न मिले तो आवेदन वैकल्पिक सम्भावनों पर कार्य कर सके। उन्होंने विभिन्न योजनाओं में सम्भावित आवेदकों के बीच जन समर्थ पोर्टल का प्रचार-प्रसार करने तथा इसकी कार्यप्रणाली समझाने के निर्देश भी दिए हैं। मुख्य सचिव ने वित्तीय साइबर फ्रॉड पर प्रभावी रोकथाम के लिए सुरक्षित डिजिटल ट्रांजेक्शन सुनिश्चित करने के लिए मल्टी मीडिया जागरूकता अभियान आयोजित करने के निर्देश दिए हैं।

सार-समाचार

मंत्री जोराराम ने किया पोर्टल का शुभारंभ

जयपुर। राजस्थान के विभिन्न जिलों में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय खोलने के लिए निजी क्षेत्र की संस्थाओं से राजएनओसी पोर्टल के माध्यम से आवेदन मांगे गए हैं। पशुपालन, गोपालन एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने शुक्रवार को इस पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु निजी क्षेत्र की संस्थायें, जो प्रदेश में नवीन पशु चिकित्सा एवं पशुविज्ञान महाविद्यालय की स्थापना करना चाहती हैं, वे राज्य सरकार से इस सम्बन्ध में अनापत्ति प्रमाण पत्र/आवश्यकता प्रमाण पत्र जारी करवाने हेतु सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राजएनओसी पोर्टल की वेबसाईट पर उपलब्ध लिंक के माध्यम से 21 नवंबर को प्रातः 10 बजे से 28 नवंबर को सांय 5 बजे तक ऑन लाईन आवेदन कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस कदम से प्रदेश में पशु चिकित्सकों और अन्य तकनीकी कार्मिकों की कमी को आने वाले समय में पूरा करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विभाग के निदेशक डॉ आनंद सेजरा, अतिरिक्त निदेशक डॉ विकास शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रास्ते पर अवैध कब्जे से लोग परेशान

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर की आवासीय कॉलोनियों में व्यावसायिक गतिविधियां आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। ऐसा ही मामला मांग्यावास स्थित गणपति नगर का है, जहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने से मुख्य रास्ते पर कब्जा करने के साथ आसपास के लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि कॉलोनी में मकान नंबर 125 और 126 के बीच जेडीए ने रोड बनवाई है और बीसलपुर पेयजल लाईन के साथ ही सीवर लाइन का काम भी किया। यहां जेडीए के नक्शे में भी आम रास्ता है, लेकिन एक व्यक्ति ने रास्ते में मलबा डालकर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही कॉलोनी के पास स्थित ताडकेश्वर नगर में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही है और रातभर मशीनें चलती है, इससे ध्वनि एवं वायु प्रदूषण होता है। इससे अध्ययनरत विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यहां के लोगों का जीना दूभर हो रहा है। स्थानीय लोगों ने जेडीए प्रशासन से आवासीय कॉलोनी में व्यावसायिक गतिविधियों को बंद कराने और आम रास्ते में मलबे को हटाने की मांग की है।

डीसीपी ने 3 पुलिसकर्मी सस्पैंड किए

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर इलाके में गुरुवार देर रात तीन पुलिसकर्मियों पर गाज गिर गई। सट्टे की कार्रवाई करने गए तीन कॉन्स्टेबल तीन लाख रुपए की हेराफेरी कर ली। जिसकी भनक लगते ही डीसीपी नॉर्थ ने उन्हे सस्पेंड कर दिया और मामले की जांच एसीपी आमेर सुरेंद्र सिंह राणावत को सौंप दी। डीसीपी नॉर्थ करण शर्मा ने बताया कि बताया कि चार दिन पहले जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में कॉन्स्टेबल रमेश ,ग्यारसी लाल दिनेश सिंह ने एक सट्टे की कार्रवाई की थी। जिसमें तीनों कॉन्स्टेबल ने आपसी मिलीभगत कर तीन लाख रुपए गबन कर लिया। इस संबंध में शिकायत मिली कि जयसिंहपुरा खोर इलाके में चार दिन पहले सट्टे की कार्रवाई की गई थी। सट्टे की कार्रवाई के दौरान तीनों जवानों ने मिलकर 3 लाख रुपए की हेराफेरी कर ली। ऐसे में तीनों को सस्पेंड कर जांच करवाई जा रही है।

जिंदा कारतूस के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने जयपुर एयरपोर्ट पर तलाशी के दौरान एक व्यक्ति को एक जिंदा कारतूस सहित पकड़ा है। जांच अधिकारी एएसआई रामलाल ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जयपुर एयरपोर्ट पर तलाशी के दौरान जगमोहन सिंह निवासी टोंक को एक जिन्दा सहित गिरफ्तार किया है। इस संबंध में रामदयाल चाहर निवासी नेछवा जिला सीकर हाल कर्मचारी अडानी ग्रुप जयपुर एयरपोर्ट ने मामला दर्ज करवाया था कि एयरपोर्ट पर जांच के दौरान आरोपी से जिन्दा कारतुस पाया गया था।

चुनाव आयोग को मौका

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव के मतों की पुनः गणना को लेकर दायर याचिका में चुनाव आयोग को जवाब पेश करने के लिए तीन समाह का समय दिया है। वहीं अदालत ने याचिकाकर्ता को कहा है कि वह याचिका की कॉपी सांसद राव राजेन्द्र सिंह के वकील को मुहैया कराए। जस्टिस विनोद कुमार भारवती की एकलपीठ ने यह आदेश पराजित प्रत्याशी अनिल चौपड़ा की चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता संजय शर्मा ने याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ता को 1615 मतों से पराजित बनाया गया था। जबकि निर्वाचन विभाग की उसी दिन की नोटशीट में 2738 बैलेट खारिज होना बताया गया। याचिकाकर्ता की ओर से इस संबंध में रिटर्निंग अधिकारी को शिकायत की गई, लेकिन उन्होंने 1225 बैलट ही खारिज बताकर पुनः मतगणना से इनकार कर दिया। याचिका में कहा कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत निर्वाचन विभाग को खारिज मतपत्र प्रत्याशी को दिखाने होते हैं, परंतु खारिज मतपत्र नहीं दिखाए गए।

पीजी हॉस्टल समेत 5 जगह बिजली चोरी पकड़ी

जयपुर डिस्कॉम की सतर्कता टीम ने 3.97 लाख रु. का जुर्माना लगाया

जयपुर। जयपुर विद्युत वितरण निगम की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को आमेर तहसील तथा खो-नागोरियान क्षेत्र में बिजली चोरी के 5 मामले पकडे और इनमे 3 लाख 97 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सतर्कता) महेन्द्र कुमार शर्मा एवं अधीक्षण अभियंता (सतर्कता) बी.एल.शर्मा ने बताया कि आमेर तहसील के ग्राम चिमनपुरा में 3 कृषि परिसरों की सतर्कता जांच में पाया गया कि विद्युत मीटर बाईपास कर इनकमिंग सर्विस लाइन को सीधे आउटपुट से जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 3 वीसीआर भरकर करीब 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

इसी प्रकार खो-नागोरियान क्षेत्र के अली नगर में संचालित 2 पीजी हॉस्टल की जांच की गयी, जिनमें सर्विस लाइन में कट लगाकर तार जोडकर विद्युत चोरी की जा रही थी, जिस पर 2 वीसीआर भरी गई और करीब 2 लाख 72 हजार का जुर्माना लगाया गया। सभी उपभोक्ताओं को जुर्माना राशि जमा करवाने के लिए नोटिस जारी कर दिये गये हैं।

खादी देश की पहचान, युवा इसे अपनाकर सुखद बदलाव ला सकते हैं : राहुल मिश्र

- 20 नवंबर से प्रारंभ प्रदर्शनी 13 जनवरी 2026 तक संचालित होगी। इसमें 132 स्टॉल्स पर खादी तथा 88 स्टॉल्स ग्रामोद्योग उत्पाद प्रदर्शित होंगे।

केन्द्रीय खादी व ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक डॉक्टर राहुल मिश्र तथा राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के सचिव राजेश वर्मा ने गुरुवार को बजाज नगर में खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2025-26 का उद्घाटन किया।

जयपुर (कासं)। केन्द्रीय खादी व ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक डॉक्टर राहुल मिश्र तथा राजस्थान खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि खादी देश की पहचान है। युवावर्ग खादी को अपनाकर देश में सुखद बदलाव ला सकता है।

मिश्र ने गुरुवार को बजाज नगर में राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ, जयपुर द्वारा लगाई खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी 2025-26 के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि खादी हानिकारक रसायन रहित और पर्यावरण हितैषी वस्त्र है। खादी आत्मनिर्भर भारत की ओर एक बढ़ता कदम भी है।

उन्होंने कहा कि खादी मेक इन इंडिया की पहली उपज थी। खादी अब युवाओं को रास आ रही है और देश के साथ विदेशों में भी लोकप्रियता बटोर रही है। उन्होंने कहा इन प्रदर्शनों से न केवल उत्पादकों को बाजार मिलता है, वहीं उपभोक्ताओं को भी अच्छे उत्पाद के चयन में आसानी होती है। राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ की अध्यक्ष इंदू भूषण गोइल ने कहा कि भारत सरकार का कतिन, बुनकर व खादी से जुड़े हर हाथ को सुदृढ़ बनाने का हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा खादी की लोकप्रियता बढ़ाने व आमजन तक इसकी पहुंच सुलभ करने की है। राजस्थान खादी ग्रामउद्योग संस्था संघ के मंत्री एवम खादी प्रदर्शनी के सयोजक श्री अनिल शर्मा ने बताया कि 20 नवंबर से प्रारंभ हुई यह प्रदर्शनी 13 जनवरी 2026 तक संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले 15 वर्षों से निरंतर लगाई जा रही है। इस प्रदर्शनी में कुल 220 स्टाल लगाई जा रही हैं, जिनमें से 132 स्टॉल खादी व 88 स्टॉल ग्रामोद्योग उत्पाद की हैं। इस अवसर पर राजस्थान खादी ग्रामोद्योग संस्था संघ के हजारीलाल देवड़ा, भगवती पारीक, मदन लाल नामा, सवाई सिंह, आलम सिंह नेगी, अशोक शर्मा व भुवनेश गौड़ उपस्थित रहे।

चारागाह भूमि पर निवासरत लोगों को हटाने पर यथास्थिति के आदेश दिए हाईकोर्ट ने

- अदालत ने राज्य सरकार और दौसा कलेक्टर से जवाब तलब किया

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा जिले के लोटवाडा गांव की चारागाह भूमि पर सालों से निवास कर रहे लोगों को हटाने की कार्रवाई पर यथा-स्थिति के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार और दौसा कलेक्टर सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस संजीत पुरोहित की एकलपीठ ने यह आदेश स्थानीय निवासी रामजीलाल व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने मौखिक रूप से राज्य सरकार से पूछा है कि आबादी के प्रस्तावों की अंतिम समीक्षा कितने साल पहले की गई थी, जबकि आबादी लगातार बढ़ रही है।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता लोटवाडा गांव की चारागाह भूमि पर बीते कई सालों से निवास कर रहे हैं। उन्हें बिजली कनेक्शन भी जारी किए जा चुके हैं। वहीं स्थानीय तहसीलदार भू राजस्व अधिनियम की धारा 91 के तहत नोटिस देकर मौके से बेदखल कर उनके आवास तोड़ने पर आगामी है। याचिका में कहा गया कि गत 16 जुलाई को ग्राम पंचायत ने दौसा कलेक्टर को प्रस्ताव भेजकर कहा कि गांव की आबादी में लगातार बढ़ोतरी होने के कारण आबादी भूमि कम पड रही है। ऐसे में याचिकाकर्ताओं के जो मकान चारागाह भूमि में बने हुए हैं, उन्हें आबादी में बदल दिया जाए तो ग्रामीणों को राहत मिलेगी। इसके बावजूद भी कलेक्टर ने ग्राम पंचायत के इस प्रस्ताव पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं के निर्माण पर यथास्थिति के आदेश देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

एआई, नए कानूनों और ज़ीरो डेथ रोडमैप के साथ राजस्थान पुलिस ने बनाई रणनीति

राजस्थान पुलिस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल ने संबोधित किया।

जयपुर (कासं)। राजस्थान पुलिस अकादमी में शुक्रवार को उत्कृष्टता के साथ पुलिसिंग-आगे की राह थीम पर राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन 2025 का भव्य आयोजन किया गया, जो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों माध्यमों से संचालित हुआ।

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण एवं यातायात अनिल पालीवाल ने अपने उदबोधन में पुलिसिंग में तकनीकी और मानवीय पहलुओं के बीच सामंजस्य पर बल देते हुए श्रीमद्भगवतगीता के उद्धरण "इच्छति-जानति-करोति" की महत्ता को रेखांकित किया। इस अवसर पर महानिदेशक गृह रक्षा मालिनी अग्रवाल ने अपराधियों के नई तकनीकों में माहिर होने का उल्लेख करते हुए क्षेत्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए क्षेत्रानुसार अलग-अलग कॉन्फ्रेन्स आयोजित कर रणनीति बनाने की आवश्यकता बताई। सम्मेलन के पहले सत्र में महानिरीक्षक पुलिस इन्टेलीजेन्स प्रफुल्ल कुमार ने नवीन आपराधिक कानूनों के प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि नए कानून दण्ड के स्थान पर न्याय की बात करते हैं, जिसके तहत सभी प्रक्रियाओं के लिए समय सीमा निर्धारित की गई है। अब जीरो एफआईआर का प्रावधान लागू हो गया है, जिसके तहत पुलिस स्वतः संज्ञान लेकर भी एफआईआर दर्ज कर सकती है। साथ ही अनुसंधान के लिए पूछताछ के लिए बुजुर्गों की आयु सीमा 65 से घटाकर 60 वर्ष की गई है। गंभीर और आदतन अपराधियों को हथकडी लगाने की अनुमति जैसे नए प्रावधान किए गए हैं। अपराधों से अर्जित संपत्ति को अपने नाम करने पर 03 वर्ष की सज़ा का प्रावधान कर इसे अपराध की श्रेणी में रखा गया है।

द्वितीय सत्र पूरी तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, चैट जीपीटी, डीप फेक और इंटरनेट का थिंग्स (आईओटी) पर केंद्रित रहा। महानिरीक्षक पुलिस एससीआरबी अजय पाल लाम्बा ने बताया कि किस तरह एआई के प्रभावी उपयोग से दिल्ली पुलिस ने 3000 से अधिक गुमशुदा बच्चों को बरामद करने में सफलता पाई है। उन्होंने यातायात चालान जैसे कई क्षेत्रों में एआई के अनुप्रयोग को रेखांकित किया। उप महानिरीक्षक पुलिस साइबर अपराध विकास शर्मा ने जोर देकर कहा कि यदि पुलिसकर्मी अगले 2-3 वर्षों में एआई को नहीं जानेंगे तो पीछे रह जाएंगे। उन्होंने डेटा चोरी, वीआईपी मूवमेंट का डेटा चोरी होने जैसी चुनौतियों और इससे निपटने के लिए एआई प्रशिक्षण को आवश्यक बताया।

तृतीय सत्र में एडीजी सिविल राईट्स लता मनोज कुमार और पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण राषि डोगरा ने महिलाओं, बच्चों और कमजोर वर्गों के विरुद्ध अपराधों पर प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा की। इस सत्र में पोक्सो, ई-बॉक्सजैसे ऑनलाइन साधनों का उपयोग करने, महिला मजिस्ट्रेट या महिला कर्मी की उपस्थिति में पीड़िता के बयान लेने और वूमेन सेफ्टी एम्बेसडर जैसे नए उपागम चलाने पर बल दिया गया। सामुदायिक पुलिसिंग की मिसाल पेश करते हुए बताया गया कि कैसे चूरू पुलिस अधीक्षक और ज़िला कलेक्टर ने दलित दूल्हे की बिंदौरी के समय खुद उपस्थित होकर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया। चतुर्थ सत्र सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन पर केंद्रित रहा। एडीजी यातायात बी.एल. मीणा ने चिंता व्यक्त की कि राजस्थान में सड़क दुर्घटना में मृत्यु दर (10-11 हज़ार) हत्या की तुलना में 4 से 5 गुना अधिक है। डीसीपी यातायात सुमित मेहरडा ने बताया कि मृत्यु दर को कम करने के लिए एनएचएआई और पीडब्लूडी के सहयोग से 1100 अवैध कटों को रोका गया और 1250 साइन बोर्ड लगाए गए हैं।

National Adoption Day: Celebrating Families and New Beginnings

National Adoption Day, observed annually in the U.S. on the Saturday before Thanksgiving, honours the countless children who find permanent, loving homes through adoption. Established in 2000, the day brings together courts, child welfare agencies, and families to finalize adoptions and raise awareness about the importance of giving children stable, nurturing families. Beyond legal proceedings, National Adoption Day celebrates the joy, hope, and resilience that adoption brings to children and families alike. It also encourages communities to support adoptive families and inspire more people to consider adoption, ensuring every child has the chance to thrive in a loving home.

#LUCK

Breaking a Mirror...

Common Superstitions That Began as Survival Advice

Superstitions are beliefs passed down through generations, often involving luck, fate, or the supernatural. While many of these seem irrational today, some of the most well-known superstitions actually originated from practical survival tips or safety warnings. Over time, as science and reason took over, the original purpose behind these beliefs faded, leaving behind mysterious rituals and sayings that many people still follow.

Here are some common superstitions that were originally rooted in survival and common sense.

1. Breaking a Mirror Brings 7 Years of Bad Luck

The belief that breaking a mirror leads to seven years of bad luck is one of the oldest and most widely known superstitions. But where did it come from?

Origin and Survival Purpose:

In ancient times, mirrors were expensive, rare, and fragile. Early mirrors were made from polished metal or glass and were difficult to replace. Breaking one was considered a serious loss, especially in wealthy homes or temples. The 'seven years' part may have originated from Roman beliefs that the human body renewed itself every seven years, so damaging a reflection was thought to damage the soul or spirit during that cycle.

2. Walking Under a Ladder Is Bad Luck

This superstition is still widely avoided today, many people instinctively walk around a ladder rather than underneath it. But is it really about luck?

Origin and Survival Purpose:

The superstition likely has both religious and safety-related origins. In Christian tradition, a ladder leaned against a wall forms a triangle, which was seen as a sacred shape (representing the Holy Trinity). Walking through it was considered disrespectful or spiritually dangerous.

More practically, walking under a ladder is dangerous:

- Tools or paint can fall from above.
- The ladder could shift or fall.
- You might accidentally bump it, causing injury.

3. Spilling Salt Is Unlucky

If you've ever seen someone throw a pinch of salt over their left shoulder after spilling it, you've witnessed a ritual based on the belief that spilling salt brings bad luck. But why salt?

Origin and Survival Purpose:

In ancient times, salt was incredibly valuable. It was used for preserving food before refrigeration, in religious offerings, and even as a form of currency (the word 'salary' comes from salt).

Wasting it, even by accident, was considered a serious mistake, especially in poor households. Additionally, throwing salt over the left shoulder was believed to ward off evil spirits, particularly the devil, who was said to lurk behind a person's left side. Understanding the real-life origins of these superstitions helps us see how past generations used storytelling and beliefs as tools for survival. Today, they serve as a reminder of our connection to history, and the ways we once made sense of a dangerous world.

Main building of Mayo College.

"I Feel Very Sentimental About Mayo College"

Boxing in School.

Hockey in School.

Rock Climbing in School.

The 150th anniversary of Mayo's founding is a celebration of holistic education, stakeholder inclusion and institutional renewal. HH Gaj Singhji of Jodhpur has written a beautiful and sentimental piece on how he has viewed and nurtured an iconic institution, well known and loved.

#INSTITUTIONS

HH Maharaja Gaj Singh of Jodhpur II
(President of Mayo College General Council)
Storyteller

As Mayo celebrates its 150th anniversary, it's useful to remember Historian Arnold Toynbee's suggestion that the death of civilisations is not murder but suicide. His insight applies to institutions; the average life expectancy of a Fortune 500 company has declined from 64 to 14 years since 1950, and it's rare for any school to survive for 150 years. Of the many reasons Mayo has survived and thrived, I believe three stand out: holistic education, institutional renewal, and stakeholder inclusion. This landmark anniversary must be celebrated by a pledge from every Mayo stakeholder, founders, teachers, staff, students, parents, and alumni, to be good ancestors by giving their time, talent, and treasure and making the school stronger for future generations.

One hundred and fifty years is a lot of history. History is simultaneously a gift and a burden. It's a gift because it anchors our identity through tradition, creates community, and breeds Sthanabalam (Sanskrit for the strength that arises from place). It's also a burden because the past keeps changing (based on the observer's agenda), nostalgia is often amnesia (the good old days were never perfect), and time inevitably leads to organisational cholesterol (the vested interests that resist change). The decline of many boarding schools suggests that, though we all faced the same challenges, Mayo recognised that the merciless march of time favours institutions that balance preserving and changing. Before we dive into the changes of recent years, let's examine the three pillars that have endured over 150 years.

Holistic Education

Light is an old metaphor for knowledge and wisdom; the Buddha advised 'Aatma Deep Bhav' (be your own light). Mayo's motto 'Let there be light' was codified into a daily routine for students that included rising early, mandatory physical activity, and complementing academics with many skills, hobbies, and activities. Modern education recognises that soft skills are not taught but caught (from role models or peers), and learning how to learn is more important than merely knowing. Mayo's holistic education is often challenged by board assessments and entrance exams that require memorisation, but it has balanced poet Yeats' contrast of 'filling a bucket and lighting a fire.' This model works; our teachers have gone on to lead many schools, and Mayo alumni are successfully spread across professions in the private, public, and non-profit sectors all over the world.

Stakeholder Inclusion

Nature's insurance policy against extinction is diversity. Institutions that cultivate cognitive diversity need to make complex trade-offs between different stakeholders across time. Mayo's multiple stakeholders, founders, students, parents, teachers, staff, and alumni, often have different perspectives on the same issue. However, if one view gets too far ahead of others, the institution ensures a level playing field. Psychologists suggest the most dangerous lies are the lies organisations tell themselves, and

> The Buddha advised 'Aatma Deep Bhav' (be your own light). Mayo's motto 'Let there be light' was codified into a daily routine for students that included rising early, mandatory physical activity, and complementing academics with many skills, hobbies, and activities. Modern education recognises that soft skills are not taught but caught (from role models or peers), and learning how to learn is more important than merely knowing. Mayo's holistic education is often challenged by board assessments and entrance exams that require memorisation, but it has balanced poet Yeats' contrast of 'filling a bucket and lighting a fire.'

the only insurance is ensuring that all stakeholders act as hearing aids, mirrors, and seat belts. Another tool for inclusion is transparency, because sunshine is the best disinfectant. However, I acknowledge that more work is needed to become more inclusive, which brings me to our third pillar.

Institutional Renewal

Greek historian Heraclitus said you can never step in the same river twice, because both you and the river have changed. The world does not stop moving, and Mayo's resilience over 150 years is rooted in a constant evolution that included expanding the student body beyond the founding rulers to setting up Mayoor for the Ajmer community, starting a school for girls, and establishing scholarships to make the school affordable. In recent years, we recognised the need for renewal, and Mayo began preparing for the 150-year celebration five years ago with a broad strategic review of everything we do and how we do it.

External challenges drove part of this review: a new Rajasthan state fee policy, a new national school regulation policy, a rapidly changing world of education, a new world of work, a revised view of boarding schools by parents, more competition for students and teachers, and Ajmer's poor urbanisation that often didn't fulfill prospective teachers' demands for spousal jobs or parental healthcare. Internal factors, including capacity utilisation, capital expenditure overruns, cost indiscipline, student culture, teacher excellence, misaligned governance, poor performance management, and cash flow deficits, amplified these external challenges. Of course, these problems weren't created overnight and were decades in the making. In my assessment, the internal challenges were bigger than the external challenges, but we kept blaming the world. As Ghalib said, "Dhool chehre pe thi lekin main aaina saaf karta raha" (the dust was on my face, but I kept cleaning the mirror).

This strategic review balanced three conflicting objectives. The first was the next quarter versus the next century; a twenty-five-year plan cannot be twenty-five one-year plans. The second consideration was between incremental and radical solutions; aspirin is ineffective when surgery is necessary, but surgery is invasive. The final was being what versus how; everybody knows the list of ingredients, but the nazaakat (grace and strategy) lies in proportioning, sequencing, and prioritising. We achieved this balance by drawing inspiration from a wise Indian, Dadabhai Naoroji, who suggested being too moderate for the radicals, but too radical for the moderates. COVID nudged destiny by creating what political scientist John Kingdon called a 'policy window,' a higher acceptance of change occurs when a problem, solution and pain come together.

I am pleased to report good progress in implementing the recommendations of the strategic review committee, chaired by alumnus Manish Sabharwal. We have amended our constitution to reflect a new governance philosophy: a smaller board with age limits and term limits, active specialised subcommittees for schools and horizontals, stronger board information architecture, better board dynamics, and a board agenda that focuses on substantive issues. This new tone from the top has worked with the new principals (identified through a search firm for the first time), delivering financial viability by filling up empty seats, increasing the application-to-seat ratio, raising hiring standards, and enforcing zero tolerance for bullying. The financial architecture has been revised to replace bursars with a qualified Chartered Accountant as CFO, transition to the international auditing firm Grant Thornton, and publish an annual report. A recently submitted report by alumnus and GC member Admiral Lanba (former Navy Chief of Staff) will institutionalise HR processes by moving away from the toxic 'show me the person and I will show you the rule.' A One Mayo project that respects individual school identities while leveraging economies of scale and catalysing economies of scope is also moving forward.

Poet Ramdhari Singh Dinkar said, "Kshama shobti us bhujang ko jiske paas garal ho" (only the strong can be kind, benevolent, and generous). What does being strong mean for Mayo? It means governance that is a verb, not a noun. It means balancing academic and non-academic education; in a world of artificial intelligence, we have an unfair advantage at being human. It means prioritising software over hardware; it is easy to confuse school buildings with building schools. It means a financial model that pursues equality and excellence; great schools have low fees (for student diversity) and high costs (for paying teachers well) through rich endowments and hefty scholarships. Finally, it means every stakeholder thinks of Mayo as an 'Amaanat' (something we only temporarily handle and hand over to future generations in better condition than we received it) rather than a 'Jaagir' (our personal property).

The broader context of Mayo is India, an ancient civilisation regaining its voice and reclaiming its place in the world. In 1994, a front-page article in *The Wall Street Journal* said, "India is more interesting than important." I hope the journalist is eating the newspaper on which she wrote it because what is happening in India is not once in a decade or once in a millennium, but once in the lifetime of a country. But we must acknowledge missing our tryst with destiny; 200 million Indians will not read the newspaper they deliver, send their kids to the school they helped build, or sit in the car they clean. This is not a problem like cancer or climate change; it is a plumbing problem. India has made a new appointment with its destiny, one that it will keep through human capital, education, and skills. A school like Mayo will never move the needle on a population scale for India, but it is a lighthouse of holistic education, excellence, and resilience.

On Mayo's 50th anniversary, Chief Guest Lord Irwin suggested 'success in the examination room has its value but it is not and should never be the sole or, indeed, the main aim to which those responsible for the college ought to direct their attention.' On our 100th anniversary, Chief Guest Prime Minister Indira Gandhi suggested, "Real achievement is not counted in terms of rank or wealth but comes from the pursuit of excellence. Thackeray said I would rather make my name than inherit it. Many of you in Mayo College may have inherited a name, but true fulfilment will be sensed only when you make your own." For our 150th anniversary in November, the General Council wanted a powerful role model for our students and chose public-spirited entrepreneur Nandan Nilekani as our Chief Guest. He not only co-created our software revolution, India now exports more software than Saudi Arabia does oil, but also donated hundreds of acres to his alma mater and revolutionised society by providing our citizens with Aadhaar.

The title of this note comes from the inventor of the Polio Vaccine, Jonas Salk, who said the most important question to ask yourself is "Are you being a good ancestor?" Mayo stakeholders before us lived by this dictum; they planted a tree whose shade they would not enjoy by creating an institution that has long outlived them. This Viraasat (legacy) is a responsibility and privilege for all current stakeholders of Mayo. As you reflect on the arc and influences of your lives, I hope you will find ways to contribute your time, talent, and treasure to a school that gave you so much. It needs you.

rajeshsharma1049@gmail.com

> On Mayo's 50th anniversary, Chief Guest Lord Irwin suggested 'success in the examination room has its value but it is not and should never be the sole or, indeed, the main aim to which those responsible for the college ought to direct their attention.' On our 100th anniversary, Chief Guest Prime Minister Indira Gandhi suggested, "Real achievement is not counted in terms of rank or wealth but comes from the pursuit of excellence. Thackeray said I would rather make my name than inherit it. Many of you in Mayo College may have inherited a name, but true fulfilment will be sensed only when you make your own."

Polo in School.

Maharaja Gaj Singh of Jodhpur.

Swimming in School.

Maharaja Mangal Singh Prabhakar.

Main building of Mayo College.

Cricket in School.

THE WALL

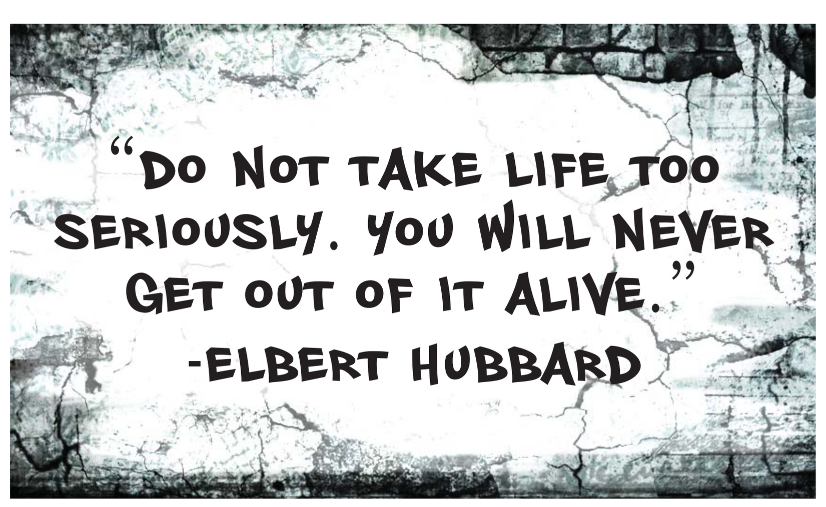

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

कार और बस की आमने-सामने भिड़ंत, युवक की जलने से मौत

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में लगा सिलेंडर ब्लास्ट हो गया और आग लग गई

रतनगढ़, (निसं)। नेशनल हाईवे-11 पर टिडियासर टोल प्लाजा से करीब एक किलोमीटर पहले शुक्रवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को दहला दिया। फतेहपुर की ओर से आ रही कार और चूरू की दिशा में जा रही बस की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में लगा सिलेंडर ब्लास्ट हो गया और कार आग की लपटों में घिरकर देखते ही देखते कबाड़ में तब्दील हो गई। सूचना पर थाना अधिकारी गौरव खिड़िया पुलिस जाप्ता के साथ मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी ली। हादसे में रतनगढ़ (चूरू) निवासी 22 वर्षीय युवक ओमप्रकाश सोनी की मौके पर ही जलकर दर्दनाक मौत हो गई। धमाके और आग की तेज लपटों से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।आग पर काबू पाने के बाद निकाला गया शव।

कार आग की लपटों में घिरकर कबाड़ में तब्दील हो गई।

मृतक युवक (फाइल फोटो)।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद जलती हुई कार पर काबू पाया। आग बुझने के बाद बुरी तरह से जली कार से शव को बाहर निकाला गया।

- धमाके और आग की तेज लपटों से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई, आग पर काबू पाया

पुलिस द्वारा शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। हादसे के चलते नेशनल हाईवे-11 पर लंबा जाम लग गया। पुलिस टीम ने क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात को सुचारू करवाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए बड़ी संख्या में राहगीर और स्थानीय लोग भी मौके पर एकत्रित हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चलती बाइक पर पलटा टेम्पो, दम्पती और बेटी घायल

पावटा, (निसं)। विराटनगर-पावटा सड़क मार्ग पर गुरुवार शाम एक इलेक्ट्रॉनिक सामान से भरा बेकाबू टेंपो गड्ढों को बचाने के कारण बाइक पर पलट गया। इस हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी और उनकी बेटी घायल हो गए।

- विराटनगर-पावटा सड़क मार्ग पर हो रहे गड्ढों के कारण हादसा हुआ
- प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों को जयपुर रेफर कर दिया

विराटनगर-पावटा सड़क मार्ग पर इलेक्ट्रॉनिक सामान से भरा बेकाबू टेंपो एक बाइक पर पलट गया।

सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही विराटनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से एम्बुलेंस द्वारा घायल पति-पत्नी और बेटी को विराटनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों को जयपुर रेफर कर दिया। विराटनगर थाना हेड कॉन्स्टेबल रामकृष्ण यादव ने बताया कि छीतौली निवासी विष्णु शर्मा अपनी पत्नी हंसा और बेटी अंजलि को विराटनगर डॉक्टर को दिखाकर वापस घर लौट रहे थे। गोगेरा मोड़ के पास सामने से आ रहा इलेक्ट्रॉनिक सामान से भरा टेंपो गड्ढों के कारण अनियंत्रित होकर उनकी बाइक पर पलट गया। हादसे के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बाइक और टेंपो को थाने पर खड़ा कर दिया है।

यूएस बिलेनियर रामा राजू मंटेना की बेटी की शादी की कई रस्में हुई

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में हो रही यूएस बिलेनियर रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना व वामसी गडिराजू की रॉयल वेडिंग को लेकर शहर में फिल्मी सितारों सहित कई विदेशी हस्तियां उदयपुर आ चुकी है। इस लेविश वेडिंग में भाग लेने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे भी आएंगे जो गुरूवार को भारत पहुंच ताजमहल देखने गए थे। जूनियर ट्रम्प शादी में भाग लेने शुक्रवार रात उदयपुर पहुंच गए। डबोक एयरपोर्ट पर उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन भी किया। वे तीन दिन तक उदयपुर में ही होटल लीला पैलेस में रूकेंगे।

- अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड टम्प के बेटे जूनियर ट्रम्प समेत शाहीद, कृति, जैकलीन, माधुरी, शाहिद, सोफिया चौधरी आदि उदयपुर पहुंचे

रॉयल वेडिंग को लेकर उदयपुर के सिटी पैलेस स्थित माणक चौक में शादी के अन्य आयोजन व जग मंदिर में शादी का मुख्य आयोजन होगा। इसको लेकर इवेंट कंपनी ने शाही अंदाज में तैयारियां की है। गुरूवार को इस रॉयल वेडिंग के आयोजन वेलकम पार्टी के साथ शुरू हुए। वेलकम पार्टी में आए गेस्ट को लेकर अंतर्राष्ट्रीय डीजे टीएस्टो ने थिरकने पर मजबूर कर दिया। वहीं मेहमानों को राजस्थानी संस्कृति से रूबरू करवाते हुए मांगणियार की प्रस्तुति भी हुई।

शुक्रवार को शादी के दूसरे दिन दिन में हल्दी की रस्म हुई और दोपहर बाद रात को होने वाली संगीत नाइट के लिए मेहमानों का आना शुरू हो गया। शाम तक बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन, जैकलीन फर्नांडीज, माधुरी दीक्षित, शाहीद कपूर उदयपुर पहुंचे चुके थे। कृति सेनन ने यहां आकर रिहर्सल भी की। शाही शादी के लिए ग्लोबल म्यूजिक आइकन जेनिफर लोपेज व जस्टिन बीबर भी अपनी प्रस्तुति देंगे, इनके भी देर रात तक उदयपुर पहुंचने की संभावना है। मेहमानों को लेकर चार्टर लगाए गए हैं, जिनमें वे उदयपुर पहुंच रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रामा राजू मंटेना अमेरिका में फार्मा इंडस्ट्री (जेनरिक दवा बनाने वाली कंपनी) के मालिक हैं। उनकी इगनस फार्मास्यूटिकल्स नामक कंपनी कैंसर व दिमागी समस्याओं की दवाएं बनाती है। वर्ष 2017 सितम्बर में उन्होंने तिरूपति बालाजी मंदिर में 28 किलो सोने से बनी सहस्त्रनाम माला भेंट की थी, जहां से वे सुर्खियों में आ गए थे।

ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 23 लाख की ठगी, मुकदमा दर्ज

श्रीकरणपुर निवासी संदीप सेठी ने दो भाइयों पर मुकदमा दर्ज कराया

श्रीकरणपुर, (निसं)। ऑस्ट्रेलिया भेजने के नाम पर 23 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित संदीप सेठी की शिकायत पर दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाने से मिली जानकारी के अनुसार, श्रीकरणपुर के वार्ड संख्या 14 निवासी संदीप सेठी पुत्र कश्मीरी लाल सेठी ने अपनी शिकायत में बताया कि वार्ड 18 निवासी कपिल चुघ उनका परिचित था। कपिल ने संदीप को विश्वास में लिया और बताया कि उसका भाई मनीष चुघ ऑस्ट्रेलिया में स्थायी निवासी है और उसने कई लोगों को ऑस्ट्रेलिया में पीआर दिलवाया है। इसके बाद, कपिल चुघ ने संदीप की अपने भाई मनीष चुघ से फोन पर बात करवाई। मनीष ने संदीप को आश्वासन दिया कि यदि वह कपिल के माध्यम से एक बार ऑस्ट्रेलिया आ जाए, तो वह उसे स्थायी निवास दिलवा देगा। इस आश्वासन के बाद, संदीप ने 31 जनवरी 2023 को कपिल चुघ के यस बैंक और पीएनबी बैंक खातों में अपने एसबीआई बैंक खाते से 15 लाख रुपए और 3 लाख रुपए आरटीजीएस के माध्यम से जमा करवाए। शेष 5 लाख रुपए कपिल चुघ को नकद दिए गए। इस भुगतान के बदले कपिल चुघ ने संदीप सेठी को एक सादे सफेद कागज पर पूरा वादा लिखकर हस्ताक्षर करके दिया, जिसे संदीप ने सुरक्षित रखा हुआ है। भुगतान के बाद, कपिल और मनीष ने संदीप को टालमटोल करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के नियम कड़े हो गए हैं, इसलिए थोड़ी परेशानी आ रही है, लेकिन वे उसे ऑस्ट्रेलिया में सेट करवा देंगे।

पीड़ित के अनुसार, लगभग एक सप्ताह पहले संदीप सेठी ने कपिल चुघ से कहा कि यदि वे उसे ऑस्ट्रेलिया नहीं भेज रहे हैं, तो उसके पैसे वापस कर दें। इस पर कपिल चुघ ने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि उन्हें जो ठगी करनी थी, वह कर ली, अब वह जो चाहे कर सकता है। पुलिस ने पीड़ित के परिवाद पर ऑस्ट्रेलिया निवासी मनीष चुघ और श्रीकरणपुर के वार्ड संख्या 18 निवासी कपिल चुघ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच थानाधिकारी रामप्रताप वर्मा कर रहे हैं।

45 दिन बाद चिड़ावा प्रधान का इस्तीफा मंजूर किया

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की चिड़ावा पंचायत समिति प्रधान इंदिरा डूडी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दिलचस्प बात यह है कि दुबारा चिड़ावा प्रधान का कार्यभार संभालने के पांच दिन बाद ही इंदिरा डूडी ने इस्तीफा दे दिया था, जबकि जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि ने इसे मंजूर करने में 45 दिन का समय निकाल दिया।

जिस वक्त इंदिरा डूडी का इस्तीफा मंजूर किया गया और खबर सामने आई, उस वक्त इंदिरा डूडी झुंझुनूं कलेक्ट्रेट में प्रधान के तौर पर सांसद बृजेंद्र ओला की अध्यक्षता में चल रही दिशा की बैठक में मौजूद थी और बीडीओ समेत अन्य अधिकारियों पर आरोप लगा रही थी। इस बारे में जब इंदिरा डूडी को पत्रकारों ने सवाल किया तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और कहा कि वे इस्तीफा दे चुकी है। अन्य बातें जल्द ही प्रेस कांफ्रेंस में करेगी। हालांकि उन्होंने कल ही प्रेस कांफ्रेंस करने की बात कही है। इधर, जानकारी में सामने आया है कि अपने निलंबन के बाद हुई जांच में क्लीन चिट मिलने के बाद प्रधान इंदिरा डूडी ने 1 अक्टूबर 2025 को ही वापस कार्यभार संभाला था। इस कार्यभार संभालने के पांच दिन बाद, यानि कि 6 अक्टूबर 2025 को उन्होंने जिला प्रमुख को अपना इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दे दिया था। अब तक यह इस्तीफा सिर्फ फाइलों में था, लेकिन बाहर नहीं आया। आज 45 दिन बाद जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि ने इसे स्वीकार किया है, लेकिन पंचायतीराज अधिनियम में इस्तीफा देने के 15 दिन के दरमियान यदि इस्तीफा वापिस नहीं लिया जाता है तो वह प्रभावी हो जाता है। जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि की मानें तो नियमों के अनुसार ही उन्होंने निर्धारित समयावधि के बाद इस्तीफा स्वीकार किया है। हालांकि अब कार्यकाल भी 20 दिनों का शेष है।

- कार्यभार संभालने के पांच दिन बाद ही चिड़ावा प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था
- जिला प्रमुख हर्षिनी कुलहरि ने इस्तीफा मंजूर करने में 45 दिन का समय निकाल दिया

बैठक में आरोप लगा रही थी और बोली दे रही हूं इस्तीफा :- जिस वक्त सोशल मीडिया पर प्रधान का 6 अक्टूबर का लिखा हुआ इस्तीफा और शुक्रवार को जिला प्रमुख द्वारा इस्तीफा स्वीकार करने का आदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। उसी वक्त प्रधान इंदिरा डूडी ना केवल दिशा की बैठक में उपस्थित थी। बल्कि चिड़ावा बीडीओ समेत अन्य अधिकारियों पर आरोप लगा रही थी कि वे कार्य में उनका सहयोग नहीं करते। फाइलों को साइन के लिए उनके पास नहीं भेजते। साथ ही यह भी कह रही थी कि वे अधिकारियों द्वारा सहयोग ना करने पर इस्तीफा देगी, जबकि अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर प्रधान इंदिरा डूडी डेढ महीने पहले छह अक्टूबर को इस्तीफा दे चुकी थी।

20 दिन का कार्यकाल ही शेष :- कांग्रेस की इंदिरा डूडी 10 दिसंबर 2020 को चिड़ावा पंचायत समिति की प्रधान बनीं थी। उन्हें प्रधान बनाने में तत्कालीन मंत्री और वर्तमान सांसद बृजेंद्र ओला व तत्कालीन विधायक जेपी चंदेलिया का योगदान था।

इसके बाद नौ जुलाई 2024 को इंदिरा डूडी के खिलाफ कांग्रेस के ही उप प्रधान विपिन नूनियां व उनके राजनैतिक प्रतिद्वंद्वी रोहिताश धांगड़ आदि मिलकर अविश्वास प्रस्ताव लाए। इस अविश्वास प्रस्ताव पर 18 जुलाई 2024 को चर्चा हुई, जिसमें एक वोट से अविश्वास प्रस्ताव गिर गया। यह वोट भाजपा नेता बबलू चौधरी की पत्नी का था, जो चिड़ावा पंचायत समिति में निर्दलीय सदस्य है। इसके बाद 12 अक्टूबर 2024 को भ्रष्टाचार सहित अन्य आरोपों के चलते सरकार ने इंदिरा डूडी को निलंबित कर दिया था। कोर्ट में मामला चला। सरकार ने रोहिताश्व धांगड़ को कार्यवाहक प्रधान भी मनोनीत कर दिया, लेकिन इसी दौरान सरकार की जांच रिपोर्ट आई, जिसमें प्रधान डूडी को क्लीन चिट दे दी गई। क्लीन चिट मिलने के बाद उन्हें बहाल किया गया और आदेशों की पालना में एक अक्टूबर 2025 को इंदिरा डूडी ने वापिस कार्यभार संभाला, लेकिन इसके पांच दिन बाद 6 अक्टूबर 2025 को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए इंदिरा डूडी ने इस्तीफा जिला प्रमुख को दे दिया। इसके 45 दिन बाद शुक्रवार को जिला प्रमुख ने प्रधान इंदिरा डूडी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

चलते ट्रेलर में अचानक आग लगी, हादसा टला

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के अजमेर-भीलवाड़ा हाईवे- 48 पर एक चलते ट्रेलर में अचानक आग लग गई।

घटना सुबह करीब चार बजे बेरा चौराहा के निकट हुई। आग लगने के बाद ट्रेलर की केबिन देखते ही देखते धू-धू कर जल उठी, जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलने पर रायला पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे के दौरान चालक को समय रहते केबिन से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। बताया जा रहा है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। इस घटना में ट्रेलर की आगे की केबिन पूरी तरह जलकर राख हो गई, जबकि पीछे का हिस्सा सुरक्षित बच गया। पुलिस ने मौके का मुआयना कर रिपोर्ट तैयार की है और मामले की जांच जारी है।

- चालक को समय रहते केबिन से सुरक्षित बाहर निकाल लिया

यूरिया खाद नहीं मिलने से किसान परेशान

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ शहर साहित उपखंड क्षेत्र के किसान इस दिनों यूरिया खाद के लिए दर-दर भटक रहे हैं। किसानों की मांग के अनुसार यूरिया खाद नहीं मिलने से किसान परेशान नजर आ रहे हैं। कई ग्राम सेवा सहकारी समिति में यूरिया खाद के साथ नैनो यूरिया देने के कारण कई जगह तकरार देखने को मिल रही है। शहर के कई दुकानदार ऊंचे भाव में यूरिया खाद दे रहे हैं जिससे किसान महंगे भाव में खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। कई बार किसानों ने अधिकारियों को अवगत कराया मगर इस और ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

यात्री शिकायतों का समाधान

बीकानेर, (निसं)। यात्रियों को श्रेष्ठ सुविधाएँ प्रदान करने हेतु बीकानेर मंडल रेल प्रबंधक गौरव गोविल के निर्देशन में रेल यात्रियों को यात्रा के दौरान स्टेशन व ट्रेन में होने वाली असुविधा/शिकायतों के शीघ्र समाधान करने के लिए रेलवे द्वारा विभिन्न स्तरों पर कार्य किये जा रहें हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भूपेश यादव ने बताया कि 1 अप्रैल 2024 से 30 सितम्बर 2025 तक कुल 34,127 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनका शत-प्रतिशत निस्तारण औसतन 28 मिनट में किया गया। उपरोक्त शिकायतों में से वाणिज्य विभाग द्वारा 3899 शिकायतों का निस्तारण औसत 16 मिनट में किया गया।

नौकरी की आस लगाए बैठे आयुर्वेद और नर्सिंग अभ्यर्थियों को निराशा हाथ लगी

12 साल बाद टूटी नियमित नौकरी की आस, नर्सिंग भर्ती 2013 में नियमित नियुक्ति की मांग वाली सभी याचिकाएं हाईकोर्ट ने खारिज की

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान में 12 साल से सरकारी नौकरी की आस लगाए बैठे आयुर्वेद और नर्सिंग अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट से निराशा हाथ लगी है। हाईकोर्ट ने साल 2013 की कंपाउंडर व नर्स जूनियर ग्रेड भर्ती में नियमित नियुक्ति की मांग वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस विनीत कुमार माथुर और जस्टिस बिपिन गुप्ता की खंडपीठ ने यह फैसला सुनाया। खंडपीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि चयन सूची में नाम होने मात्र से किसी भी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता।

- खंडपीठ ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि चयन सूची में नाम होने मात्र से किसी भी अभ्यर्थी को नियुक्ति का कानूनी अधिकार नहीं मिल जाता

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने 7 जून 2013 को विज्ञापन जारी किया था। जिसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा विभाग में कंपाउंडर व नर्स जूनियर ग्रेड के कुल 1005 पदों के लिए आवेदन मांगे थे। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद मेरिट लिस्ट और चयन सूची भी जारी कर दी गई, लेकिन विवाद तब शुरू हुआ, जब सरकार ने केवल 313 अभ्यर्थियों को ही नियुक्ति पत्र जारी किए। शेष 692 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति नहीं दी गई। तब रतन लाल पूर्बिया सहित सैकड़ों अभ्यर्थियों की ओर से 21 याचिकाएं दायर की गई। साल 2013 से 2025 तक यह लड़ाई अभ्यर्थियों के लिए काफी लंबी और थकाऊ रही है।

सबसे पहले अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट की एकल पीठ में याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने 27 फरवरी 2018 को खारिज कर दिया था। इसके बाद अभ्यर्थियों ने फैसले पर पुनर्विचार के लिए रिव्यू पिटीशन दायर की, लेकिन 24 अक्टूबर 2019 को सिंगल बेंच ने उसे भी खारिज कर दिया। इसके बाद अभ्यर्थियों ने खंडपीठ में विशेष अपील दायर की, जिस पर अब 20 नवंबर को अंतिम फैसला आया है। अपीलकर्ताओं के वकील ने कोर्ट में तर्क दिया कि एक बार विज्ञापन जारी होने और चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद सरकार नियुक्तियों को बीच में नहीं रोक सकती। वकील ने राजस्थान आयुर्वेदिक, यूनानी, होम्योपैथी और नेचुरोपैथी सेवा नियम का हवाला दिया।

दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद खंडपीठ ने माना कि सिंगल बेंच का फैसला सही था। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि 7 जून 2013 के विज्ञापन में यह शर्त स्पष्ट रूप से लिखी थी कि पदों की संख्या को बढ़ाया या घटाया जा सकता है। इसलिए सरकार द्वारा पदों को कम करना या न भरना गलत नहीं माना जा सकता।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भले ही अपीलकर्ताओं के नाम चयन सूची में हैं, लेकिन इससे उन्हें नियुक्ति पाने का कोई अटूट अधिकार नहीं मिल जाता। कोर्ट ने कहा कि केवल चयन सूची के आधार पर सरकार को नियुक्ति देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने टिप्पणी की कि सरकार का फैसला वित्तीय कारणों और नीतिगत विचार-विमर्श पर आधारित है, जो तर्कसंगत है, इसलिए, कोर्ट सरकार के नीतिगत फैसले में हस्तक्षेप करना उचित नहीं समझता। इन आधारों पर हाईकोर्ट ने रतनलाल पूर्बिया और अन्य सभी जुड़ी हुई अपीलों को खारिज कर दिया।

1200 बीघा में पेड़ों की अवैध कटाई के मामले की एसीबी से जांच की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की शाहपुरा तहसील के बोरडा बावरियान वन क्षेत्र में 800 बीघा में हुई अवैध कटाई एवं आसींद के नारायणपुरा में 400 बीघा में हुई अवैध पेड़ों की कटाई के मामले में पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने राज्य के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन आनन्द कुमार, केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय सचिव तन्मय कुमार, प्रमुख सचिव प्रधानमंत्री कार्यालय एवं सचिव, राष्ट्रपति कार्यालय को पत्र लिखा है। पत्र में डीएफओ गौरव गर्ग, एसीएफ पायल माथुर एवं रेंजर प्रभुलाल धुन पर मामले को दबाने और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है। जाजू ने पत्र में पूरे मामले की एसीबी से जांच करवाने की भी मांग की है। जाजू ने कहा कि यदि उच्चाधिकारियों द्वारा दोषी अधिकारियों पर शीघ्र ही ठोस कार्यवाई नहीं होती है जो एनजीटी में गुहार कर पौधे लगवाएंगे।

- काटे गये पेड़ों के बदले नये पौधे लगाने की राशि डीएफओ व एसीएफ से वसूलने की मांग
- पर्यावरणविद् बाबूलाल जाजू ने मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव व केन्द्रीय वन सचिव को लिखा पत्र

जाजू ने पत्र में बताया कि 5 नवंबर को फोरेस्टर विश्राम मीणा और सहायक वनपाल शंकर माली ने 800 बीघा क्षेत्र में अवैध कटाई की जानकारी तत्काल उच्च अधिकारियों को दी थी, लेकिन इसके बावजूद डीएफओ गौरव गर्ग दो दिनों तक मौके पर नहीं पहुंचे और न ही कटाई रोकने के लिए कोई कदम उठाए। जाजू ने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में पेड़ों के कट जाने पर डीएफओ का मौके पर न पहुंचना उनकी मिलीभगत का स्पष्ट संकेत है। जाजू ने दूरभाष पर जांच अधिकारी राजीव चतुर्वेदी से चर्चा करने के बाद बताया कि चतुर्वेदी द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में भी डीएफओ और एसीएफ की भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। उनकी रिपोर्ट के अनुसार कटाई में उपयोग हुए वाहनों के नंबर मौके पर दर्ज मिले परंतु किसी भी वाहन को जब्त नहीं किया गया, पेड़ काटने वाले मुख्य आरोपी पीर मोहम्मद पर एफआईआर के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। जाजू ने वन विभाग के आला अधिकारियों पर आरोप लगाते हुए कहा कि मामले को दबाने के लिए राजीव चतुर्वेदी को हटाकर महेशचन्द्र गुप्ता को नियुक्त किया गया, जिन पर स्वयं अनियमितताओं की जांच लंबित है।

जाजू ने लिखे पत्रों में मुख्य वन संरक्षक ख्याति माथुर, डीएफओ गौरव गर्ग, एसीएफ पायल माथुर, एसीएफ भीलवाड़ा मुन्नी चौधरी, रेंजर प्रभुलाल धुन एवं इन्हें संरक्षण देने वाले उच्चाधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने एवं वनों में पेड़ों के कटने से हुई हानि के बदले नये पौधे लगाने एवं उनकी रखरखाव का खर्च डीएफओ गौरव गर्ग व एसीएफ पायल माथुर से वसूल करने की मांग की। जाजू ने मामले को दबाने के लिए निलंबित किये गये फोरेक्टर विश्राम मीणा और शंकर माली को तुरंत बहाल करने की मांग करते हुए कहा कि इनके द्वारा पेड़ों की कटाई रोकने का प्रयास किया गया था।

आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से झटका

जोधपुर, (कासं)। दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को गुजरात हाईकोर्ट से झटका लगा है। जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद आसाराम ने सत्संग करने, आश्रम में प्रवचन देने और अनुयायियों से मिलने-जुलने की अनुमति मांगी थी, लेकिन हाईकोर्ट ने आसाराम को इसके लिए छूट देने से इनकार कर दिया। अदालत ने आसाराम बापू के एक और अनुरोध पर अभी फैसला नहीं सुनाया है जिसमें उसने हर वक्त पुलिस पहरे से छूट मांगी थी।

आसाराम बापू ने अंतरिम जमानत के दौरान लगाई गई शर्तों में छूट मांगी थी। इस याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ए एस सुपेहिया और न्यायमूर्ति वी डी नानावटी की खंडपीठ ने सुनवाई की। बेंच ने स्पष्ट किया कि आसाराम बापू को सत्संग आयोजित करने या उसमें भाग लेने की कोई छूट नहीं दी जाएगी।

शराब ठेके के मालिक के घर पर नकली शराब फैक्टरी मिली

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के गांव फतूही में एक शराब ठेके के मालिक के घर में नकली शराब की फैक्टरी मिलने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी का शराब ठेका भी सीज कर दिया और शराब की बोतलें जब्त कर ली। शराब फैक्टरी में एक असली बोतल से तीन-चार नकली बोतलें बनाकर 2-5 हजार रुपए में बेची जा रही थी।

- शराब फैक्टरी में एक असली बोतल से तीन-चार नकली बोतलें बनाकर 2-5 हजार रुपए में बेची जा रही थी
- छापे के बाद आबकारी विभाग ने लाइसेंस निरस्त कर शराब ठेका सीज कर दिया, ठेके में रखी सारी शराब जब्त की

आबकारी निरोधक थाना (शहर व ग्रामीण) और आबकारी इंस्पेक्टर सिटी-ग्रामीण की संयुक्त टीम ने फतूही गांव में मुकेश भांभू के घर छापा मारा। वहां से शराब की बोतलों को खोलकर दोबारा पैक करने की मशीनें, 19,231 ढक्कन, 144 खाली बोतलें बरामद किए थे। यह काम शहर के गोल बाजार में केदार चौक के पास चल रहे लाइसेंसी शराब ठेके का मालिक मुकेश भांभू कर रहा था। फतूही में बनाई गई मिलावटी और डुप्लीकेट शराब इसी ठेके पर लाकर बेची जा रही थी। छापे के बाद शुक्रवार को आबकारी विभाग ने गोल बाजार स्थित केदार चौक का ये शराब ठेका सीज कर दिया। ठेके में रखी सारी शराब जब्त कर ली गई।

आबकारी अधिकारी एचआर राठौड़ ने बताया कि एक महंगी बोतल (2 से 5 हजार रुपए तक) को खोलकर उसमें मिलावट कर दो से चार बोतलें तैयार की जा रही थी, फिर असली जैसी पैकिंग करके बाजार में सप्लई की जा रही थी। आरोपी का लाइसेंस निरस्त कर शराब ठेके को सीज कर दिया गया है। नकली शराब फैक्टरी में महंगी शराब की एक बोतल से अनेक बोतल बनाकर शराब को वापस शराब की दुकानों में लाकर बेचा जाता था। साथ ही शादी समारोह, बर्थडे पार्टी, मैरिज एनिवर्सरी, सगाई आदि समारोह में एक साथ कई कार्टन की सेल बुक होने पर एक कार्टन में आधी असली और आधी नकली पैक की गई शराब की बोतलें डालकर दे दी जाती थी। इससे खरीददार यह पकड़ ही नहीं पाते थे कि उनको बेची गई महंगी शराब असली है या नकली है।

कोटा में मल्टीस्टोरी बिल्डिंग से गिरा कोचिंग छात्र, मौत

कोटा, (निसं)। शहर के जवाहर नगर थाना इलाके के राजीव गांधी नगर में बहुमंजिला इमारत से गिरकर एक कोचिंग छात्र की मौत हो गई। अभी इस मामले में पुष्टि नहीं हो पाई है कि छात्र ने आत्महत्या की है या यह दुर्घटना है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी। छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए एंट्रेंस टेस्ट की तैयारी कर रहा था। छात्र मूल रूप से मध्यप्रदेश के भोपाल का निवासी था और मां के साथ ही कोटा में रह रहा था।

जवाहर नगर थाना अधिकारी राम लक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि शुक्रवार दोपहर 2 बजे की घटना है। नाबालिग छात्र मां के साथ नौवीं मंजिल स्थित फ्लैट में रहता था। घटना के समय मां किसी कार्य में व्यस्त थी और छात्र गिर गया। फिलहाल साफ नहीं है कि बालक ने आत्महत्या की है या दुर्घटनाग्रस्त होकर गिरा है। घटना के बाद छात्र को कॉमर्स कॉलेज चौराहा स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन मृत घोषित कर देने पर एमबीएस अस्पताल शिफ्ट कर दिया। बॉडी मोर्चरी में रखवा दी है। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है। पिता और अन्य परिजनों के आने के बाद आगे कार्रवाई की जाएगी। जवाहर नगर थाने के एएसआई रामसहाय ने बताया कि घटना के संबंध में पुलिस को हॉस्पिटल से सूचना मिली थी। वे अस्पताल पहुंचे जबकि थाना अधिकारी राम लक्ष्मण और अन्य फ्लैट पर पहुंचे थे। लोगों का कहना है कि अचानक धड़ाम की तेज आवाज फ्लैट में आई। लोग एकत्रित हो गए। स्थानीय लोग ही छात्र को अस्पताल ले गए, उनके साथ छात्र की मां भी गई।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PHED DIVISION SAWAI MADHOPUR
(Ph. 07462-220209) e-mail- xenphed_swm@rediffmail.com
No. EE/PH/SWM/2025-26/NIT/4709-1720 Date: 13.11.2025

Notice Invlting Tender (e-NIT NO. 59 TO 64/2025-26)

On behalf of the Governor of Rajasthan Online Tenders are hereby invited from eligible bidders for following works as per criteria mentioned in the detailed NIT/Tender documents available on website http://eproc.rajasthan.gov.in, "www.rajwater.gov.in", "http://sppp.rajasthan.gov.in. Tenders are to be submitted online in electronic format on website "http://eproc.rajasthan.gov.in" as per preseribed schedule.

NIB-PHE2526A4159, UBN NO.- PHE2526WSOB08517, PHE2526WSOB08518, PHE2526WSOB08520, PHE2526WSOB08521, PHE2526WSOB08522, PHE2526WSOB08523

(Satosh Kumar Meena)
EXECUTIVE ENGINEER
DIPR/C/16953/2025 PHED DIVISION SAWAI MADHOPUR

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राजस्थान)

क्रमांक : नपजा/विकास/2025–26/5654 दिनांक : 17.11.2025

:: ई–निविदा सूचना 05/2025–26 ::

यत् नगर परिशद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य हेतु उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार एवं मान्यता प्राप्त यथाः नगर निगम/परिशद/पालिका एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्रों में E-Procurement प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई–निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड व अपलोड एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

S.N.	Work no.	NIB No.
1	01	DLB2526A8140

राज.संवाद/सी/25/14342 आयुक्त, नगर परिषद, जालोर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना–कुचामन राज.
E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांकः–नपाप./स्टोर शाखा/2025–26/2713 दिनांकः– 19.11.2025

निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार बोनाफाइड/अधिकृत ईच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 25.11.2025 का 10:00 बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2526A8218
UBN NO :

DLB2526SSOB24596	DLB2526SSOB24599

राज.संवाद/सी/25/14219 अधिशाषी अधिकारी

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com

No. :- 5789 Date :- 19/11/2025

NIB No. – RWGCL/44/2025-26

Managing Director, RWGCL invites bid for "Construction of Office Cabins 3rd Floor at RWGCL, Jaipur" from interested bidders upto 01.12.2025 (01:00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs 22.26 Lacs.

NIB Code : ERP2526A0048
UBN No. : ERP2526WSOB00054 MD cum Chief Engineer
Raj.Samwad/C/25/14282 RWGCL Jaipur Rajasthan

कार्यालय नगर परिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक :- न.परि.झा./लाईट/2025/4712 दिनांक :- 21/11/2025

ई-निविदा

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तिय वर्ष 2025–26 हेतु विभिन्न अभियांत्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से नगरीय क्षेत्र झालावाड में सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था संधारण कार्य (O&M) 2025-26 हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व प्राप्त किये जा सकेंगे।

UBN No. : DLB2526WSOB24879 आयुक्त,
राज.संवाद/सी/25/14294 नगर परिषद झालावाड़

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
नेशनल हाईवे नम्बर– 11, श्रीडूंगरगढ जिला– बीकानेर
Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com

क्रमांक :–न.पा.श्रीडूं/4095 दिनांक :–15.11.2025

ई निविदा सूचना

नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in व WWW.etenders.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :–

क्रं.सं.	UBN NO
1.	DLB2526SLOB23991
2.	DLB2526SLOB23993
3.	DLB2526SLOB23994
4.	DLB2526SLOB23996

राज.संवाद/सी/25/14300 अध्यक्ष ई. अधिशाषी अधिकारी (तहसीलदार)

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता एवं परियोजना प्रबंधक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, दूदू
पंचायत समिति परिसर दूदू, जयपुर, E-mail: sewdsc.dudu@rajasthan.gov.in

क्रमांक-604-612 दिनांक-14.11.2025

ई-निविदा सूचना संख्या-06,07/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अन्तर्गत जिला जयपुर के ब्लॉक मौजमाबाद एवं दूदू में संकन पौण्ड, तालाब रिनोवेशन, पी टी, आर.टी.डब्ल्यू.एच.एस./रिचार्ज शॉफ्ट, सीसीटी एवं चरागाह विकास एण्ड चौका सिस्टम कार्य निर्माण मय दोष निवारण के लिए उपर्युक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि मे। पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र मं ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा दिनांक 15.11.2025 स दिनांक 24.11.2025 को सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। दिनांक 25.11.2025 को सायं 06.00 बजे तक ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। दिनांक 25.11.2025 को सुबह 11.00 बजे कार्यालय मं खोली जावेगी। निविदा का विस्तृत विवरण "https://sppp.rajasthan.gov.in", "https://eproc.rajasthan.gov.in" एवं विभागीय वेबसाईट "www.watershed.gov.in" पर देखा जा सकता है।

NIT 06/2025-26
NIB CODE: WSC2526A0984, UBN NO. 1. WSC2526WSOB01673, 2. WSC2526WSOB01674, 3. WSC2526WSOB01675, 4. WSC2526WSOB01676, 5. WSC2526WSOB01677, 6. WSC2526WSOB01678, 7. WSC2526WSOB01679, 8. WSC2526WSOB01680, 9. WSC2526WSOB01681

NIT 07/2025-26
NIB CODE: WSC2526A0985, UBN NO. 1. WSC2526WSOB01682, 2. WSC2526WSOB01683

(नेमीचन्द मीणा)
अधीक्षण अभियन्ता पदेन परियोजना प्रबंधक
DIPR/C/17077/2025 वाटरशेड सैल कम डाटा सेन्टर, दूदू जयपुर

Visit us: www.mpuat.ac.in; Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com; Mo. No.: 8112207969/9414389929
कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर)

क्रमांक: एफ( )/कृअके/2025-26/183-88 दिनांक: 17/11/2025

निविदा सूचना (2025-26)

कृषि अनुसंधान केन्द्र, बांसवाडा, के लिये कृषि कार्य हेतु पंजीकृत संवेदक/ठेकेदार से अपेक्षित अनुभव क्षमताओं के साथ मासिक कार्य / कार्यानुसार हेतु खुली निविदाएं बंद लिफाफों में आमंत्रित की जाती है। पंजीकृत संवेदक/ठेकेदारों को तकनीकी एवं वित्तीय निविदा अलग-अलग सील बन्द लिफाफों में देनी होगी। निविदा प्रारूप, सम्पूर्ण नियम एवं शर्ते विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpuat.ac.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कर सकते है। निविदा प्रारूप प्राप्ति की अन्तिम तिथि 27.11.25 प्रातः 11.00 बजे तक रहेगी। उक्त निविदाएं उसी दिन दोपहर 11.30 बजे तक जमा की जाकर मध्याहन 12.00 बजे कमेटी की उपस्थिति में खोली जावेगी। निविदा प्रारूप जमा करवाते समय कार्य के सामने वर्णित निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू).	धरोहर राशि (रु.)	निविदा शुल्क (रु.)
कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा व मक्का परियोजना में कृषि कार्य	9,72,400/-	19500/-	500/-

Sd/-
Zonal Director (Res.)
ARS-Banswara (Raj.)

करणीसर भाटियान में सोलर प्लांट के लिए खेजड़ी के 418 पेड़ काटे

यह वही जगह है, जहां पेड़ काटने पर पूगल थाने में जून माह में एफआईआर दर्ज हुई थी, लेकिन किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है

बीकानेर, (निसं)। सीमावर्ती गांव करणीसर भाटियान में सोलर प्लांट लगाने के लिए पूरी रात खेजड़ी के पेड़ों पर आरी चलती रही और वन विभाग सोया रहा। एक ही रात में खेजड़ी के 418 पेड़ काट डाले गए। यह वही जगह है जहां पेड़ काटने पर पूगल थाने में जून में एफआईआर दर्ज हुई, लेकिन पांच महीने बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है।

■ करणीसर भाटियान में 418 पेड़ काटे गए हैं, तहसीलदार को कंपनी के खिलाफ परिवाद पेश करने के निर्देश दिए गए हैं : एसडीएम पूगल

करणीसर भाटियान में मैसर्स देशराज सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी ने सोलर प्लांट लगाने के लिए किसानों से हजारों बीघा जमीन लीज पर ले रखी है। यहां पर पाइलिंग करने के लिए देर रात अज्ञात लोगों ने खेजड़ी के पेड़ काट डाले। घटना का पता चलने पर सुबह वहां ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर पूगल एसडीएम दिव्या बिश्नोई, तहसीलदार अशोक पारीक, गिरदावर, पटवारी, वन विभाग और पुलिस का दल मौके पर पहुंचा। वहीं जीव रक्षा सभा के अध्यक्ष मोखराम धारणिया भी पर्यावरण प्रेमियों सहित पहुंचे। उन्होंने बताया कि कंपनी ने 300 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाने के लिए 2280 बीघा भूमि लीज पर ले रखी है। खेजड़ी के पेड़ दूर-दूर तक छितराए हुए हैं। पक्षियों के घोसले तक नष्ट हो गए हैं।

गौरतलब है कि इस प्लांट पर मई में 179 पेड़ काटे गए थे। परिवादी चांद सिंह ने जीतू सिंह, कालूसिंह, श्रवणसिंह, गणेशसिंह सहित 50 अन्य के खिलाफ पूगल थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। जांच तत्कालीन एसएचओ पवन सिंह ने की, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। वर्तमान एसएचओ समरवीर सिंह ने बताया कि मुकदमा पेंडिंग है।

कानूनी अड़चनों से बचने के लिए सोलर कंपनियों ने काम करने का नया तरीका अपना लिया है। करणीसर भाटियान में दिल्ली की मैसर्स देशराज सोलर प्राइवेट लिमिटेड सोलर प्लांट लगा रही है। रिकॉर्ड में लीज भी इसके नाम दर्ज है, जबकि मौके पर वारी सोलर के बोर्ड लगे हुए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि प्लांट लगने के बाद यह वारी के हैंडओवर होगा। पूगल, छत्तरगढ़, गजनेर, कोलायत, नोखा दैया सहित सभी जगह पर अब यही हो रहा है। जमीन पर काम मूल कंपनी की जगह ठेकेदार फर्म कर रही है। करणीसर भाटियान में मैसर्स देशराज सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की लीज पर मई में 179 खेजड़ी के पेड़ काटे गए थे। पूगल एसडीएम ने टीनेंसी एक्ट के तहत प्रति पेड़ 100 रुपए के हिसाब से जुर्माना वसूला। इसके साथ ही कंपनी से शपथ पत्र लिया गया कि एक पेड़ की जगह दस पेड़ लगाने होंगे। नए पेड़ लगाने तो दूर, खेजड़ी के 418 पेड़ काट डाले गए। तहसीलदार अशोक पारीक ने बताया कि शपथ पत्र का उल्लघन करने पर कंपनी के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही की जाएगी।

तहसीलदार ने बताया कि लीजधारक कंपनी के खिलाफ फर्द रिपोर्ट तैयार हो गई है। टीनेंसी एक्ट के तहत उपखंड अधिकारी के समक्ष पेश कर जुर्माना वसूली की कार्यवाही की जाएगी।

दिव्या बिश्नोई, उपखंड अधिकारी, पूगल का कहना है कि पूगल क्षेत्र में सोलर प्लांट पर खेजड़ी कटाई के सभी प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है। करणीसर भाटियान में 418 पेड़ काटे गए हैं। तहसीलदार को कंपनी के खिलाफ परिवाद पेश करने के निर्देश दिए गए हैं।

बीस लाख का सोना लेकर भागे कारीगर

उदयपुर, (कासं)। सोने का काम करने वाली कारीगर सेठ के घर से बीस लाख का सोना लेकर फरार हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित कैलाश सोनी पुत्र पूनमचंद सोनी निवासी रोड़ नं. 6 अशोक नगर ने भुपालपुरा पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मैं सोने के जेवरात बनाने का कारोबार करता हूं तथा मेरे पास कारीगर सुबीर संतरा पुत्र अशांक कुमार निवासी उंचागर विद्याधरपुर वसुदेवपुर पश्चिम श्यामनगर उत्तर चौबीस परगना पश्चिम बंगला तथा शेर शहजहां पुत्र शशीक बोहरान निवासी धनिहाना इलहीपुर थाना हरियाव हुबली पश्चिम बंगाल सोने के जेवर बनाने का काम करते हैं। सात नवंबर को मैं बाजार घया गया। इस दौरान आरोपी अलमारी में रखा 200 ग्राम सोने का बूरा निकाल कर फरार हो गए। इसका पता चलने पर संपर्क का प्रयास किया तो दोनों का पता नहीं चला। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है।

लापता बालक के मामले में एसपी ने एसआईटी गठित की

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के खेतड़ी थाना इलाके के पपुरना गांव का 13 साल का बालक करीब एक सप्ताह से लापता है। खेतड़ी थाने का घेराव करने के बाद पुलिस भी इस मामले में सक्रिय हो गई है। अब झुंझुनूं पुलिस ने इसे लेकर एसआईटी का गठन किया है। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने मामले को लेकर विशेषज्ञ अनुसंधान दल, यानि कि एसआईटी गठित की है।

■ खेतड़ी थाना इलाके के पपुरना गांव का 13 साल का बालक करीब एक सप्ताह से लापता है

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया है कि एसआईटी में खेतड़ी थाने के अलावा सिकाउ, एजीटीएफ, साइबर, एएचटीयू के अधिकारी और पुलिसकर्मी शामिल है। यह टीम एएसपी त्वरित अनुसंधान दल के एएसपी फूलचंद मीणा के नेतृत्व में काम करेगी, जिसमें खेतड़ी डीएसपी जुल्फीकार भी टीम का सह नेतृत्व करेंगे। टीम में खेतड़ी सीआई मोहनलाल, सिकाउ सीआई संजय वर्मा, डीएसपी एजीटीएफ प्रभारी एसआई सरदारमल, इस मामले में आईओ एसआई कैलाशचंद्र, साइबर सैल के हैड कांस्टेबल दिनेश कुमार, जितेंद्र कुमार, कांस्टेबल अरविंद, एएचटीयू के कांस्टेबल सुनिल, खेतड़ी थाने के हैड कांस्टेबल बनवारीलाल तथा खेतड़ी थाने के कांस्टेबल गौतम व सुभाष को शामिल किया गया है। एसपी ने एसआईटी को निर्देशित किया है कि वे लापता बालक की त्वरित एवं हर संभव प्रयासों से तलाश सुनिश्चित करें। उपलब्ध तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, साइबर विश्लेषण एवं फील्ड इनपुट के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट पुलिस अधीक्षक को उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आमजन से अपील की गई है कि बालक की तलाश में सहयोग के लिए किसी प्रकार की सूचना मिलने पर तत्काल नज़दीकी पुलिस थाना या कंट्रोल रूम पर सूचित करें।

जानकारी के अनुसार इस मामले को लेकर खेतड़ी पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाते हुए डॉग स्क्वाड को भी गत दिवस मौके पर बुलाया था, लेकिन अब तक छात्र का कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग पाया है। निशांत की तलाश और न्याय की मांग को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण पीड़ित परिवार के घर पर जुटे हुए हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दे रखी है कि यदि जल्द ही लापता बालक की बरामदगी नहीं होती, तो वे स्टेट हाईवे नंबर 13 को जाम करने पर मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने बुधवार को खेतड़ी थाने का घेराव कर पुलिस प्रशासन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए थे। इधर, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दो ईसाई मिशनरियों के खिलाफ धर्मांतरण का मुकदमा दर्ज

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा थाना इलाके के चर्च व इसाई मिशनरियों पर धर्मांतरण का आरोप लगा था। इस मामले में बोरखेड़ा थाना पुलिस ने धर्मांतरण सहित अन्य धाराओं में दो ईसाई मिशनरियों के खिलाफ गुरुवार रात को प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। इस मामले में चर्च में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राजस्थान सरकार को शैतान का राज बताया गया था। पुलिस का कहना है कि पहले इस मामले में परिवाद उन्हें मिला था जिसमें दिए गए तथ्यों में धर्मांतरण के प्रयास के तथ्य भी सामने आए हैं, इसीलिए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की जा रही है।

बोरखेड़ा थाना अधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि क्रिश्चियन समुदाय के पास्टर दिल्ली निवासी चंडी वर्गीश और कोटा निवासी अरुण जॉन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों के खिलाफ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी योगेश रेनवाल, मुकेश शर्मा व हरिओम शर्मा ने धर्मांतरण कराने की शिकायत दी थी।

■ प्रदेश में धर्मांतरण रोकने के लिए बने कानून के तहत हाड़ौती में दर्ज यह पहला मुकदमा है

इस पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2025 की धारा 3 व 5 के तहत मुकदमा है। राजस्थान में धर्मांतरण रोकने के लिए बने कानून के तहत हाड़ौती में दर्ज यह पहला मुकदमा है।

थानाधिकारी भारद्वाज ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ उन्हें परिवाद मिला था कि 4 से 6 नवंबर के बीच कैनाल रोड स्थित बीरशेबा चर्च में आत्मिक सत्संग के नाम से लोगों को बुलाकर धर्मांतरण किया गया है। संबंध में कुछ वीडियो और अन्य तथ्य भी पेश किए गए थे। सोशल मीडिया पर भी यह कार्यक्रम लाइव किया गया था। जिसके अनुसार परिवार की जांच की गई और इसमें कुछ तथ्य धर्मांतरण के प्रयास के मिले हैं, इसीलिए मामले की विस्तृत जांच के लिए मुकदमा दर्ज किया गया है। इस मामले में सोशल मीडिया से लेकर मौजूद लोगों और आत्मिक सत्संग में पहुंचे हिंदू धर्म के लोगों से भी पड़ताल की जाएगी।

बजरंग दल के प्रांत संयोजक योगेश रेनवाल ने बताया कि राजस्थान बोरखेड़ा कैनाल रोड पर अमृत कॉलोनी के नजदीक स्थित बीरशेबा चर्च में कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें हिंदू धर्म के विरुद्ध काफी कुछ बोला गया है। यहां तक कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार को शैतान का राज बताया गया है। इस आत्मिक सत्संग कार्यक्रम में कुछ लोगों ने ईसाई धर्म स्वीकार करने की बात भी मंच से कही है। इस मामले में हमने राज्य सरकार से भी शिकायत की है। इसके अलावा पुलिस और प्रशासन के उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया है। दोनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

तीन बच्चों के पिता ने फांसी लगा आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के चौरासी थाना क्षेत्र के गैंजी घाटा गांव में युवक के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। शुक्रवार सुबह घर के पास पेड़ पर फंदे से शव लटका हुआ मिला। चौरासी थाने के एएसआई ने बताया कि मृतक के भाई प्रकाश बुझ ने मामला दर्ज कराया है। आत्महत्या किए जाने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए है।

थाने में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार सुबह जब परिवार के सदस्य उठे, तो उन्होंने सुरेश का शव घर के पास स्थित पेड़ से लटका देखा। सुरेश ने बेल्ट के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई। पुलिस टीम भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से शव को नीचे उतारकर डूंगरपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल सुरेश द्वारा आत्महत्या किए जाने के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के पीछे संभावित कारणों की तलाश में जुटी हुई है।

गांजा सहित दो गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। डीएसटी एवं हाथीपोल थाना पुलिस ने तीन किलो से अधिक अवैध गांजा जब्त कर बाइक सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक राजेश यादव के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी विक्रमसिंह, हाथीपोल थानाधिकारी योगेन्द्र कुमार मय टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए गुरूवार को होटलों व ढाबों पर दबीश देने के दौरान चेतक बस स्टैण्ड पर दिनेश कुमार पुत्र बालूराम निवासी नयागांव झाड़ोल व दिनेश पुत्र गुलाबचंद निवासी खाखड़ झाड़ोल होना बताया। मैक्स जीप की तलाशी ली तो उसमें 3 किलो 568 ग्राम अवैध गांजा पड़ा मिला। इस पर मैक्स जीप, बाइक व गांजा जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया।

अनियंत्रित बस बनास नदी में गिरी, 15 यात्री घायल

नदी में पानी कम होने के कारण जनहानि नहीं हुई

उदयपुर, (कासं)। राजसमंद जिले के खमनोर थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा टल गया, जब यात्रियों से भरी एक बस अचानक मोलेला पुलिया से नीचे बनास नदी में जा गिरी। नदी में पानी कम होने के कारण जनहानि नहीं हुई, लेकिन 15 यात्री घायल हो गए। मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

■ पुलिया पार करते ही बस का एक्सल टूट गया और अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को हटाया

जानकारी के अनुसार हादसा शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे तब हुआ, जब नाथद्वारा-मंचिंद रूट पर चलने वाली बस खमनोर से यात्रियों को लेकर आगे बढ़ रही थी। पुलिया पार करते ही अचानक बस का एक्सल टूट गया और वह अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। बस में उस समय 25-30 यात्री सवार थे। ग्रामीणों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू शुरू किया और यात्रियों को एक-एक कर बाहर निकाला। सभी घायलों को खमनोर सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से 2 गंभीर रूप से घायल यात्रियों को उदयपुर रेफर किया गया।

घायलों में अधिकतर महिलाएं शामिल हैं जिनमें हगामी बाई (60), लीला (48), रूपा (25), पूजा (28), कमला (60), पूनम (28), हमेरी बाई (45), सूरज कंवर (36), लीला देवी (40), नर्मदा देवी (43), अनिता (45), लीला (44) शामिल है। इनके अलावा रोहित (12), राकेश (26), पेमा राम (50) को भी चोटें आई हैं। पुलिया पर पानी कम होने से बड़ा हादसा टल गया, वरना स्थिति गंभीर हो सकती थी। स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बस को हटाने और मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड
कार्यालय मुख्य अभियंता (टी.डी.), 602, जीवनदीप एलआईसी भवन, लालकोठी, जयपुर

निविदा सूचना: TN-42(RVU2526SLOB01662)

रा.वि.उ.नि. के निदेशक (परियोजना) और निदेशक (तकनीकी) के आधिकारिक उपयोग के लिए द्विवार्षिक अनुबंध पर 02 इनोवा क्रिस्टा किराये पर लेने हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई–निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/14273 RVUN/PR-4302 अधीक्षण अभियन्ता (टी.डी.-II)

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/8090 दिनांक :– 17.11.2025

:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 02.12.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक (DLB2526WSOB24418) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/14336 नगर परिषद सुजानगढ

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जल संसाधन खंड, उदयपुर (राज.)
जल संसाधन परिसर आकाशवाणी के सामने, मोहता पार्क, चेटक सर्कल-313001
wrdudr@gmail.com/eeudr.wr@rajasthan.go.vin

क्रमांक-अअ/लेखा/2025-26/6072 दिनांक-14.11.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 05 वर्ष 2025-26
(NIB NO. WRD2526A0526)

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाखों में)	UBN NO
1	Restoration and Repair of Ubeshwarnath Anicut Village Vijaybavdi Tehsil Gogunds District Udaipur	72.19	WRD2526 WSOB01532
2	Renovation of Mela Ground Anicut Village Jhadol G.P. Jhadol P.S. Jhadol	11.07	WRD2526 WSOB01533
3	Renovation of Chali Anicut Village Chali Tehsil Gogunda District Udaipur	83.45	WRD2526 WSOB01534

उपरोक्त कार्य हेतु इच्छुक बोलीदाताओं से दिनांक 26.11.2025 को सायं 6.00 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा में वर्णित कार्य से संबंधित विवरण व अन्य शर्ते वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.waterreources.rajasthan.gov.in/wrd, www.dipr.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

अधिशाषी अभियंता,
DIPR/C/17086/2025 जल संसाधन खण्ड उदयपुर

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक–निर्माण शाखा/निविदा/2025/4166–68 दिनांक : 14.11.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 17.11.2025 से दिनांक 26.11.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 27.11.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ के नाम व रूपये 500/– का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code-DLB2526A8100
UBN:-DLB2526WSOB24324 अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/14305 नगरपालिका रतनगढ़

कार्यालय नगरपालिका देवली (टोंक) राज.
Office of The Municipal Board, Deoli (Tonk) Rajasthan
Tel.- (01434) 232013, E-mail : npdeoli@gmail.com

क्रमांक/न.पा.दे./विकास/ई निविदा/2025–26/2881 दिनांक : 19.11.2025

ई–निविदा सूचना संख्या (10/2025–26)

नगरपालिका देवली (टोंक) द्वारा नगर निकाय देवली एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्धठेकेदारों/संवेदको एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनो में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑन–लाईन निविदा दिनांक 21.11.2025 को प्रातः 9.00 बजे से 01.12.2025 को सायं 06.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित निविदा प्रोसेसिंग शुल्क एवं निविदा शुल्क जरिये RTGS/NEFT द्वारा HDFC Bank Account Number 25991450000134 IFSC Code HDFC0002599 में दिनांक 01.12.2025 को सायं 6.00 बजे तक जमा करवाकर Transction ID सहित बैंक स्टेटमेन्ट की प्रति ऑनलाईन अपलोड करनी होगी। तकनीकी बिड दिनांक 02.12.2025 को एवं वित्तीय बिड तकनीकी निविदा सफल होने के बाद खोली जावेगी। निविदा फार्म एवं ई–निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय समय में उपलब्ध है। 14 कार्य की कुल लागत 272.29 लाख है।

NIB Code – DLB2526A8205
UBN No. - DLB2526WSOB24565, DLB2526WSOB24567, DLB2526WSOB24569, DLB2526WSOB24570, DLB2526WSOB24572, DLB2526WSOB24574, DLB2526WSOB24575, DLB2526WSOB24576, DLB2526WSOB24583, DLB2526WSOB24584, DLB2526WSOB24585, DLB2526WSOB24586, DLB2526WSOB24589, DLB2526WSOB24590

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/25/14250 नगरपालिका देवली

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML 10)/2025/ई-13327

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली 2017 के अध्याय-।।। के तहत निम्नांकित प्लॉटों के आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जान हेतु इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज का नाम	कुल प्लॉट
अलवर	अलवर	अलापुर-खेडका	मेसेनरी स्टोन	1
अलवर	मालाखेडा	अहमदपुर	मेसेनरी स्टोन	1
अलवर	रामगढ	करेरिया	मेसेनरी स्टोन	4
कोटपुतली-बहरोड	बानसूर	कौथल	मेसेनरी स्टोन	1
अलवर	प्रतापगढ	जैतपुर गुजरान	मेसेनरी स्टोन (एम सेण्ड हेतु)	1
अलवर	प्रतापगढ	जैतपुर गुजरान	मेसेनरी स्टोन	1
अलवर	मालाखेडा	नांगल टोडियार	मेसेनरी स्टोन	1
अलवर	मालाखेडा	नांगल टोडियार/ अहीर का तिबारा	मेसेनरी स्टोन	3
अलवर	मालाखेडा	बडेर	मेसेनरी स्टोन	2
अलवर	मालाखेडा	बडेर, नांगल, टोडियार	मेसेनरी स्टोन	1
खेरतल-तिजारा	हरसौली	बहराडी	मेसेनरी स्टोन	1
खेरतल-तिजारा	हरसौली	बहराडी	मेसेनरी स्टोन (एम सेण्ड हेतु)	1
अलवर	रामगढ	मांदला खुर्द-पूठी जागीर	मेसेनरी स्टोन	5
राजसमन्द	आमेट	आगरिया	मार्बल	2
चित्तौडगढ़	भूपालसागर	जाशमा	मेसेनरी स्टोन	2
चित्तौडगढ़	चित्तौडगढ़	घाघसा	क्वार्टजाईट	9
चित्तौडगढ़	भूपालसागर	गुजरियाखेडा	मेसेनरी स्टोन	1
चित्तौडगढ़	भूपालसागर	गुजरियाखेडा व जाशमा	मेसेनरी स्टोन	2
चित्तौडगढ़	बस्सी	पाल का खेडा	सैण्ड स्टोन	4
चित्तौडगढ़	चित्तौडगढ	रामाखेडा	मेसेनरी स्टोन (एम. (सेण्ड हेतु)	1
जयपुर	तुंगा	पृथ्वीपुरा	मार्बल मेसेनरी स्टोन	1
जयपुर	किशनगढ रेनवाल	डूंगरी खुर्द	मेसेनरी स्टोन	4
जयपुर	मौजमाबाद	बिचून	मेसेनरी स्टोन	1
जैसलमेर	जैसलमेर	पारेवर	सिलिका सैण्ड	4
जालोर	भादराजून	बाकली व तोडमी	मेसेनरी स्टोन	11
बून्दी	बून्दी	गुंवार	सैण्ड स्टोन	6
झुंझुनू	खेतडी	प्रतापपुरा	मेसेनरी स्टोन	1
बाडमेर	चौहटन	शहीद पीराराम नगर	ग्रेनाइट	5
सिरोही	सिरोही	बलदरा	मेसेनरी स्टोन	4
भीलवाडा	करेडा	सुलियां	ग्रेनाइट	5
भीलवाडा	जहाजपुर	भरणी खुर्द	डोलोमाईट	1
सिरोही	शिवगंज	बडगांव	ग्रेनाइट	1
कोटपूतली-बहरोड	कोटपूतली	कल्याणपुरा कलां	मेसेनरी स्टोन	1
कोटपूतली-बहरोड	कोटपूतली	नवलकुशालपुरा	मेसेनरी स्टोन	1
नागौर	मूण्डया	बूनरावता	मेसेनरी स्टोन	8
दौसा	सिकराय	सीकरी	मेसेनरी स्टोन (एम. सेण्ड हेतु)	1
डीग	सीकरी	बासबुर्जा	मेसेनरी स्टोन	9
चूरू	बीदासर	बालेरा	मेसेनरी स्टोन	8
कोटपूतली-बहरोड	कोटपूतली	पचाला राजपूत	मेसेनरी स्टोन	4
चित्तौडगढ	बडी सादडी	लुहारिया	मार्बल	6
		कुल प्लॉट		126

विशेष नोट-1. प्लॉटो का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/17007/2025 (महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

‘डूंगरी बांध से सवाई माधोपुर और करौली में 1.25 लाख हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई होगी’

‘इस बांध का निर्माण संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना का महत्वपूर्ण अंग है’

- **मंत्री किरोड़ीलाल, सुरेश सिंह रावत और जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि ‘‘कुछ लोगों द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है कि 76 गांव इससे प्रभावित होंगे। जबकि किसान हितैषी इस परियोजना में सिर्फ 16 गांवों की आबादी ही डूब क्षेत्र में आएगी।’’**
- **मंत्रिमंडल समूह ने कहा कि ‘‘राज्य सरकार, इस परियोजना से विस्थापित होने वाले परिवारों के पुनर्वास को लेकर गंभीर है। उन्हें नियमानुसार मुआवजा प्रदान कर अन्य सुविधाओं के साथ नजदीक ही बसाया जाएगा।’’**

जयपुर (कासं)। पूर्वी राजस्थान के लिए महत्वपूर्ण संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के अंतर्गत बनने वाले डूंगरी बांध को लेकर शुक्रवार को शासन सचिवालय में मंत्री समूह ने प्रेस वार्ता की। मीडिया से बातचीत में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि डूंगरी बांध का निर्माण संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना का महत्वपूर्ण अंग है। इस बांध के निर्माण से मुख्यतः सवाई माधोपुर और करौली की 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी और लोगों को भरपूर पेयजल मिलेगा।

डॉ. मीणा ने कहा कि यह बांध संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना के तहत बनाया जाना है। इससे मात्र 16 गांवों की आबादी ही डूब क्षेत्र से प्रभावित होगी जबकि कतिपय लोगों द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है कि 76 गांव प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परियोजना से विस्थापित होने वाले परिवारों के पुनर्वास को लेकर गंभीर है। उन्हें नियमानुसार मुआवजा प्रदान कर अन्य सुविधाओं के साथ नजदीक ही बसाया जाएगा।

कृषि मंत्री ने कहा कि यह परियोजना व्यापक प्रदेश हित में है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस सम्बंध में किसी भी पक्ष से संवाद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बांध निर्माण से क्षेत्र में भूमि सिंचित होने के साथ-साथ रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। किसानों की आय बढ़ने से क्षेत्र में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना का शुभारंभ किया था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार इसे जल्द से जल्द क्रियान्वित करने के लिए संकल्पित है। इसी दिशा में यह बांध महत्वपूर्ण कड़ी है।

उन्होंने कहा कि बांध निर्माण से कालीसिंध, पार्वती और चम्बल से समुद्र में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोका जा सकेगा।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि इस परियोजना की सफलता को रोकने के लिए कुछ लोगों द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है। उन्होंने लोगों से गुमराह न होने की अपील की और राज्य हित में बनाए जा रहे बांध के निर्माण में सहयोग प्रदान करने का आ ान किया।

उन्होंने बताया कि डूब क्षेत्र में आने वाले अधिकतर गांव वर्तमान में मोरेल एवं बनास नदी के बहाव से भी प्रभावित हो रहे हैं।

यह बांध बनास और मोरेल के बहाव क्षेत्र में पानी भरने के हिसाब से बनाया जा रहा है इसलिए इनके बहाव क्षेत्र का ही ज्यादा उपयोग होगा। इससे वर्षा के दौरान आने वाली बाढ़ को रोकने में भी सफलता मिलेगी।

‘‘जना:-उपहार सुपर मार्केट’’ का उद्घाटन किया सहकारिता मंत्री ने

यहां ऑर्गेनिक उत्पाद, मसाले और मिलेट्स होंगे उपलब्ध

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने शुक्रवार को जयपुर के वैशाली नगर में ‘जना:-उपहार सुपर मार्केट’ का उद्घाटन किया।

- **सहकारी समितियों को बनाया जा रहा आर्थिक सुदृढ़ एवं प्रतिस्पर्धी : मंत्री गौत्तम दक**
- **प्रदेश में अब तक 201 मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं, जो कि निर्धारित लक्ष्य से 6 गुना ज्यादा है : सहकारिता मंत्री**

जयपुर (कासं)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि सहकारी समितियां बाजार की मांग के अनुरूप व्यावसायिक गतिविधियां आरम्भ कर आर्थिक रूप से सुदृढ़ एवं प्रतिस्पर्धी बनें, इसके लिए सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत सहकारिता विभाग द्वारा विभिन्न नवाचारों और गतिविधियों के माध्यम से सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त बनाया जा रहा है। इसी क्रम में जयपुर के वैशाली नगर में शुरू किया गया ‘जना:-उपहार सुपर मार्केट’ एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।

दक ने शुक्रवार को जयपुर के वैशाली नगर में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) एवं भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) द्वारा ज्वाइंट वेंचर के अंतर्गत शुरू किये गए ‘जना:-उपहार सुपर मार्केट’ का उद्घाटन किया। उन्होंने सुपर मार्केट का अवलोकन कर उत्पादों की जानकारी ली। दक ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की सहकारी संस्था एनसीसीएफ एवं राज्य स्तर की सहकारी संस्था कॉनफेड के माध्यम से शुरु किये गए इस सुपर मार्केट में विशेष रूप से ‘जना:’ ब्राण्ड के ऑर्गेनिक उत्पाद एवं ‘उपहार’ ब्राण्ड के सुप्रसिद्ध मसाले व मिलेट उत्पाद स्टोर पर उपलब्ध करवाये गए हैं। आमजन को एक ही स्थान पर ये गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उचित दर पर उपलब्ध हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों की इस पहल से किसानों को उनकी उपज के उचित दाम मिलेंगे साथ ही उनके उत्पादों के विक्रय के लिए बेहतर प्लेटफॉर्म भी उपलब्ध होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि ‘सहकार से समृद्धि’ परिकल्पना के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर से लेकर ग्रामीण स्तर तक की सहकारी समितियों को वर्तमान समय से अनुरूप नवीन गतिविधियां प्रारम्भ कर आर्थिक समृद्ध बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशा तथा राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप सहकारी संस्थाओं-समितियों द्वारा मिलेट आउटलेट्स खोले जाने पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है। अब तक प्रदेश में 201 मिलेट आउटलेट्स खोले जा चुके हैं। यह निर्धारित लक्ष्य से लगभग 6 गुना अधिक है। इस अवसर पर अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) एवं कॉनफेड की प्रबंध निदेशक शिल्पी पांडे एवं एनसीसीएफ की स्टेट हैड मधु शर्मा सहित सहकारिता विभाग एवं सहकारी संस्थाओं के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मत्स्य विभाग का ई-ऑक्शन पोर्टल का लोकार्पण

मत्स्य एवं गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शुक्रवा रको भारत सरकार की प्रधानमत्री मत्स्य सम्पदा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के पैम्फलेट, पोस्टर व बुकलेट का लोकार्पण किया।

जयपुर। मत्स्य एवं गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने शुक्रवार को विभाग द्वारा एन.ई.एम.एल. के माध्यम से विकसित कराये गये नवीन ई-ऑक्शन पोर्टल एवं लाईसेंस मैनेजमेंट सिस्टम तथा विभाग द्वारा तैयार कराई गई प्रचार सामग्री का लोकार्पण सचिवालय स्थित अपने कक्ष में किया। उन्होंने कहा कि अब मत्स्य विभाग के काम भी ऑनलाइन किए जाएंगे। इसके लिए विभाग के अधिकारी बधाई के पात्र हैं जिन्होंने इस काम को अंजाम दिया। श्री बेढम ने कहा कि अब ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से मत्स्य ठेके की बोली लगाने, ठेका राशि जमा कराने, अनुज्ञापत्र जारी करने इत्यादि कार्य विभाग की देख रेख में ऑनलाईन संपादित होगें। शुरूआत में विभाग के ठेके से शेष ''क'' एवं ''ख'' श्रेणी के जलाशयों के ठेके की कार्यवाही ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से की जावेगी। आगामी वर्ष से विभाग के ‘‘ग’’ एवं ‘‘घ’’ श्रेणी जलाशयों के मत्स्य ठेके की कार्यवाही भी इसी पोर्टल के माध्यम से सम्पादित किए जाने की योजना है। इस अवसर पर शासन सचिव मत्स्य एवं पशुपालन विभाग डॉ. समित शर्मा ने कहा कि इस पोर्टल के माध्यम से सम्पूर्ण ठेका प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं निर्धारित समयानुसार की जा सकेगी। इसके अतिरिक्त ठेका प्रक्रिया में लगने वाले समय में भी बचत होगी। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025-26 में ठेके से शेष रहे ‘‘क’’ एवं ‘‘ख’’ श्रेणी जलाशयों का श्रेणीवार एवं जिलेवार विवरण, इनकी आरक्षित दरे एवं निविदा संबंधी दस्तावेज पोर्टल पर अपलोड किये जा चुके हैं। मत्स्य विभाग की निदेशक संचिता बिश्नोई ने बताया कि ठेका प्रक्रिया में भाग लेने से पूर्व इच्छुक बोलीदाताओं का पोर्टल पर पंजीकरण किया जा रहा है। उन्होंने पोर्टल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर बेढम ने विभाग द्वारा संचालित भारत सरकार की प्रधानमत्री मत्स्य सम्पदा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना के पैम्फलेट, पोस्टर, बुकलेट इत्यादि का भी लोकार्पण किया। इन सभी प्रचार सामग्री का वितरण राज्य के समस्त विभागीय कार्यालयों को किया जायेगा जिससे आमजन इन योजनाओं की जानकारी लेकर लाभान्वित हो सकेंगे। प्रचार सामग्री में खारे पानी में झींगा पालन, केज कल्चर, आर.ए.एस. एवं बायोफ्लॉक तकनीक की जानकारी एवं मत्स्य पालन से संबंधित सामान्य ज्ञान बुकलेट भी तैयार कराई गई है। लोकार्पण कार्यक्रम में विशिष्ट सचिव, डी.सी. मीणा, विभाग के संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, वरिष्ठ लेखाधिकारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्त में बेढम ने उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विश्व मत्स्य दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि की कामना की।

राज्यपाल बागड़े ने ‘‘भारत कला महोत्सव’’ में भाग लिया

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने हैदराबाद में शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ ‘‘भारत कला महोत्सव’’ में भाग लिया।

राज्यपाल ने हैदराबाद में राष्ट्रपति निलयम में आयोजित इस महोत्सव में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान और गोवा की कला, संस्कृति, शिल्प और व्यंजनों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए भारत महोत्सव को देश की संस्कृति और कला का अनुपम समारोह बताया। उन्होंने विभिन्न राज्यों के हथकरघा उत्पादों का अवलोकन करते हुए ग्रामीण कुटीर उद्योगों के विपणन की दृष्टि से भी इस उत्सव को महत्वपूर्ण बताया। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा भी इस दौरान उपस्थित रहे।

नवीन जैन को सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय और नागरिक उड्डयन विभाग की जिम्मेदारी दी

स्वायत्त शासन शासन सचिव रवि जैन को स्थानीय निकाय आयुक्त तथा जे.सी.टी.एस.एल. अध्यक्ष बनाया

- **राज्य सरकार ने कोटा व भरतपुर के संभागीय आयुक्त बदले, राजस्व मंडल अजमेर में भी 3 सदस्य बनाए**
- **वर्ष 2018 बैच के आईएएस डॉ. नीतीश शर्मा को संयुक्त शासन सचिव, सी.एम.ओ. लगाया**

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने शुक्रवार देर रात आदेश जारी कर भारतीय प्रशासनिक सेवा के 48 अधिकारियों को तबादला किया। आदेश के मुताबिक नवीन जैन को शासन सचिव, सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, सम्पदा, स्टेट मोटर गैरेज एवं नागरिक उड्डयन विभाग के पद पर लगाया है। जैन के पास पदेन चीफ ऑफ प्रोटोकॉल एवं महानिदेशक, नागरिक उड्डयन, राजस्थान जयपुर एवं आवासीय आयुक्त नई दिल्ली का कार्यभार होगा।

आई.ए.एस. रवि जैन को स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान का शासन सचिव तथा स्थानीय निकाय विभाग राजस्थान के आयुक्त के पद के साथ-साथ जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सिर्विसेज लि. के अध्यक्ष पद पर लगाया है। डॉ. रवि कुमार सुरपुर को शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग राजस्थान एवं शासन सचिव आयोजना, सांख्यिकी विभाग तथा राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लि. का अध्यक्ष बनाया है। अम्बरीश कुमार को शासन सचिव, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलात, डॉ. जोगाराम को शासन सविच, राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग तथा पंचायतीराज आयुक्त के पद पर लगाया है।

इसी प्रकार रोहित गुप्ता को राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के पद पर, डॉ. टीना सोनी, को शासन सचिव वित्त (व्यय) विभाग, शुचि त्यागी को शासन सचिव परिवहन विभाग तथा देवस्थान विभाग, राजन विशाल को शासन सचिव, वित्त (बजट) विभाग तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी, पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट ट्रेनिंग सोसायटी के पद पर लगाया है। अर्चना सिंह को शासन सचिव, कार्मिक विभाग राजस्थान, नलिनी काठोतिया को संभागीय आयुक्त भरतपुर, अनिल कुमार अग्रवाल को संभागीय आयुक्त कोटा, हिमांशु गुप्ता को आयुक्त एवं विशिष्ठ शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचान विभाग तथा राजकॉम्प इंफो सर्विसेज लि. के प्रबंध निदेशक के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी प्रकार टीकमचंद बोहरा, केसरमल मीणा और अजीत सिंह राजावत को राजस्व मंडल अजमेर में सदस्य, निकया गोहाएन को बाल अधिकारिता विभाग में आयुक्त, इकबाल खान को आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, नि:शक्तजन राजस्थान, शुभम चौधरी को आयुक्त, उद्यानिकी राजस्थान जयपुर के पद पर लगाया है।

आई.ए.एस. सुरेश कुमार ओला को आयुक्त, उद्योग, वाणिज्य एवं कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी, राजस्थान जयपुर तथा आयुक्त (विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय) निवेश संवर्द्धन ब्यूरो राजस्थान के पद की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। बाबूलाल गोयल को आयुक्त देवस्थान विभाग उदयपुर, बचनेश कुमार अग्रवाल को प्रबंध निदेशक राजफैड जयपुर, शाहीन अली खान को अतिरिक्त महानिदेशक, एचसीएम रीपा, मनीष गोयल को संयुक्त शासन सचिव गृह (अपील) विभाग जयपुर, पुरूषोत्तम शर्मा को आयुक्त परिवहन विभाग तथा राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक, नवनीत कुमार को आयुक्त, उपनिवेशन विभाग एवं सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग बीकानेर के पद पर लगाया गया है।

सुखवीर सैनी को संयुक्त शासन सचिव, गृह (मानवाधिकार) विभाग जयपुर, डॉ. ओमप्रकाश बैरवा को सचिव, राजस्थान राज्य विद्युत विनियामक आयोग जयपुर, हरफूल सिंह यादव को आयुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, राजेश वर्मा को सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग जयपुर के पद पर लगाया गया है।

महेन्द्र कुमार खींची को निदेशक, साक्षरता एवं सतत शिक्षा जयपुर, जुगल किशोर मीणा को अतिरिक्त आयुक्त, (विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय) उद्योग संवर्द्धन ब्यूरो जयपुर, राकेश राजोरिया को आयुक्त, महिला अधिकारिता विभाग जयपुर, ललित कुमार को संयुक्त शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग , डॉ. गौरव सैनी को जयपुर नगर निगम आयुक्त के साथ-साथ जयपुर स्मार्ट सिटी लि. के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के पद पर लगाया है।

डॉ. निधि पटेल को अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी राजस्थान जयपुर, डॉ. नीतीश शर्मा को संयुक्त सचिव मुख्यमंत्री राजस्थान जयपुर, अमिता शर्मा को संयुक्त शासन सचिव वित्त (व्यय 2) विभाग जयपुर तथा नरेश गोयल को आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा विभाग के पद पर लगाया गया है।

भारतीय वन सेवा के 33 अफसरों का तबादला

- **शिखा मेहरा को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) जयपुर तथा डॉ. वेंकटेश शर्मा को राजस्थान राज्य वन विकास निगम लि. जयपुर में प्रबंध निदेशक के पद पर लगाया**

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को आदेश जारी कर भारतीय वन सेवा के 33 अधिकारियों का तबादला किया है। साथ ही 4 वरिष्ठ अधिकारियों को अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया है।

आदेश के मुताबिक शिखा मेहरा को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) जयपुर तथा डॉ. वेंकटेश शर्मा को राजस्थान राज्य वन विकास निगम लि. जयपुर में प्रबंध निदेशक के पद पर लगाया है। उदय शंकर को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं सीईओ कैम्पा जयपुर, राजेश कुमार गुप्ता को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना जयपुर, के.सी.ए. अरूण प्रसाद को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं वन्यजीव प्रतिपालक जयपुर तथा टी.जे.कविथा को अतिरिक्त प्रधान मुख्य संरक्षक एवं नोडल ऑफिसर एफसीए जयपुर के पद पर लगाया है।

इसी प्रकार राजीव चतुर्वेदी को राजस्थान राज्य जैव विविधता मंडल जयपुर में सदस्य सचिव, आकांक्षा महाजन को मुख्य वन संरक्षक एवं निदेशक, राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान जयपुर के पद पर लगाया है। शैलजा देवल को मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान एवं पदेन राज्य (सिल्वीकल्चरिस्ट) जयपुर, अनूप.के.आर. को मुख्य वन संरक्षक जोधपुर, रूपनारायण मीणा को मुख्य वन संरक्षक (समन्वय) मुख्यालय जयपुर के पद पर लगाया है।

इसी तरह रामकरण खैरवा को मुख्य वन संरक्षक जयपुर, शारदा प्रताप सिंह को मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक रणथंभौर बाघ परियोजना सवाईमाधोपुर, डॉ. टी.मोहन राज को संयुक्त परियोजना निदेशक, राजस्थान वानिकी एवं जैव विविधता परियोजना जयपुर, अनीता को वन संरक्षण जयपुर विकास प्राधिकरण के पद की जिम्मेदारी सौंपी है। कपिल चंद्रावल को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में सदस्य सचिव, मोनाली सेन को वन संरक्षक, वन्यजीव जयपुर एवं कार्यकारी सहायक, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जयपुर, हरिकिशन सारस्वत को उपवन संरक्षक, टैरिटोरियल दौसा, आलोकनाथ गुप्ता को उप वन संरक्षक टैरिटोरियल बूंदी, अजीत उचोई को उप वन संरक्षक टैरिटोरियल सिरोही, डॉ. रामानंद भाकर को उप वन संरक्षक वन्यजीव राजसमंद एवं उप वन संरक्षक राजसमंद, मोहित गुप्ता को उप वन संरक्षक टैरिटोरियल डूंगरपुर, वीरेन्द्र सिंह जोरा को उपवन संरक्षक आयोजना, कार्यालय मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक राजस्थान जयपुर के पद पर लगाया है। इसी प्रकार, अरूण कुमार डी. को उप वन संरक्षक रामगढ़ विषधारी, टाइगर रिजर्व बूंदी, मानस सिंह को उपवन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक रणथम्भौर बाघ परियोजना सवाईमाधोपुर, मारिया शाइन ए. को उप वन संरक्षक टैरिटोरियल भीलवाड़ा, पी.बालामुरूगन को उप वन संरक्षक टैरिटोरियल अजमेर, कस्तूरी प्रशांत सुले को उप वन संरक्षक टैरिटोरियल पाली, मृदुला सिंह को उप वन संरक्षक (वन्यजीव) चितौडगढ़, बड़े विवेकानंद माणिकराव को सहायक वन संरक्षक बांरा के पद पर लगाया है।

काविया पी.बी. को सहायक वन संरक्षक टैरिटोरियल झुंझुनूं, चेतन कुमार बी.वी. को सहायक वन संरक्षक (वन्यजीव) भरतपुर तथा जी.वेंकटेश को सहायक वन संरक्षक बीकानेर के पद पर लगाया है। राज्य सरकार ने इसी आदेश में डॉ. वेंकटेंश शर्मा को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, श्रम एवं विधि जयपुर, उदयशंकर को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक, (प्रबोधन एवं मूल्यांकन) जयपुर, राजेश कुमार गुप्ता को परियोजना निदेशक आर.एफ.बी.डी.पी. एवं सीआइईएसईपी जयपुर तथा टी.जे.कविथा को अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (समन्वय) के पद का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा है।

एक आईपीएस का भी तबादला

जयपुर । राज्य सरकार ने आदेश जारी कर वर्ष 2016 बैच की आईपीएस ऑफिसर पी.डी. नित्या को जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त (पूर्व) के पद पर लगाया है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने आदेश जारी किए हैं।

मुख्य सचिव ने की प्रवासी राजस्थानी दिवस की तैयारियों पर चर्चा

10 दिसंबर को जयपुर में सीतापुरा स्थित जे.ई.सी.सी. में होगा प्रथम आयोजन

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सचिवालय में उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक ली।

- **देश-विदेश से 4500 से ज्यादा प्रतिभागियों के आगमन की संभावना**

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025 की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को सचिवालय में आयोजित उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और सम्बंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण गुणवत्ता के साथ करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा घोषित प्रवासी राजस्थानी दिवस का पहला आयोजन 10 दिसम्बर को जेईसीसी, जयपुर में प्रस्तावित है और यह कार्यक्रम समूचे विश्व में बसे प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के विकास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

बैठक में बताया गया कि इस अवसर पर लगभग 4500 प्रतिभागियों के आने की संभावना है, जिनमें प्रवासी राजस्थानी, उद्योगपति, केन्द्र और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र में आरआर-जीआईएस 2024 में प्राप्त एमओयूज़ के आधार पर तैयार ‘कॉफी टेबल बुक’ का लोकार्पण किया जाएगा, जिसमें लगभग 1500 परियोजनाओं को शामिल किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानी सम्मान पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

इसी सत्र में राज्य सरकार की 13 नई नीतियों जैसे, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी, एनआरआर पॉलिसी, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति, एआई-एमएल पॉलिसी, इंडस्ट्रियल पॉलिसी, नई पर्यटन नीति, स्पोर्ट्स पॉलिसी, ग्रीन ग्रोथ क्रेडिट पॉलिसी, ट्री आउटसाइड फारेस्ट एंड एग्रो फॉरेस्ट्री पॉलिसी, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी, टेक्निकल स्किल पॉलिसी, सेमीकंडक्टर पॉलिसी तथा एयरो स्पेस एंड डिफेन्स पॉलिसी लाॅंच होगी।

मुख्य सचिव ने सभी आठ सेक्टोरल सत्रों की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा की। एनआरआर सत्र में वैश्विक प्रवासी समुदाय की भूमिका, निवेश और उद्यिमता के अवसर, विकसित राजस्थान -2047 के लिए प्रवासी युवाओं की भूमिका जैसे विषयों पर चर्चाएँ प्रस्तावित हैं।

शिक्षा सत्र में बिट्स पिलानी, आईआईएम उदयपुर, आईआईटी जोधपुर, एमिटी आदि विश्वविद्यालयों के विशेषज्ञ नवाचार, कौशल-विकास और गुणवत्ता शिक्षा की दिशा पर चर्चा करेंगे। पर्यटन सत्र में सतत् पर्यटन, डिजिटल सुविधा, होटल निवेश, वैश्विक कनेक्टिविटी और राजस्थान को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के विषयों पर वरिष्ठ उद्योगपतियों और पर्यटन विशेषज्ञों द्वारा विचार रखे जाएंगे।

स्वास्थ्य सत्र में भविष्य की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा अनुसंधान, क्लिनिकल इनोवेशन और प्रवासी चिकित्सकों की भागीदारी पर विभिन्न संस्थानों के वक्ता सुझाव देंगे। उद्योग सत्र में हिंदुस्तान जिंक, वेलस्पन, जेके सीमेंट, एयू स्माल फाइनेंस बैंक, बोरोसिल, टिटागढ़ रेल, श्री सीमेंट, पिरामल तथा जेसीबी इंडिया सहित देश के प्रमुख उद्योग समूह भाग लेंगे।

जल संसाधन सत्र में स्वच्छ पेयजल, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, शहरी जल संरचना और जल जीवन मिशन से जुड़े विषयों पर प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी।

बैठक में निमंत्रण, पंजीकरण और पुष्टिकरण की स्थिति पर भी चर्चा की गई। अब तक कुल 15435 निमंत्रण भेजे जा चुके हैं, 3260 लोगों ने पंजीकरण कराया है। प्रवासी राजस्थानियों से संपर्क और फॉलो-अप के लिए 17-सदस्यीय कॉलिंग टीम तैनात की गई है। कुल 5775 बैज तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें गेस्ट ऑफ ऑनर, विशेष आमंत्रित, प्रतिनिधि, मीडिया, सरकारी अधिकारी, सेवा कर्मचारी, आयोजक और प्रोटोकॉल अधिकारियों की अलग-अलग श्रेणियाँ निर्धारित हैं।

मुख्य सचिव ने विभागवार तैयारियों की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की। उद्योग विभाग की ओर से बताया गया कि जेईसीसी का लेआउट और सेक्टरल सत्रों की संरचना अंतिम रूप में है। स्टेज सेटअप, लॉजिस्टिक्स, कंट्रोल रूम, ब्रांडिंग तथा कैंप ऑफिसेस की तैयारी प्रगति पर है। नगरीय विकास विभाग, जेडीए और जयपुर नगर निगम द्वारा जेईसीसी के आसपास लैंडस्केपिंग, महत्वपूर्ण सड़कों का रख-रखाव, सौंदर्यकरण, प्रमुख भवनों की लाइटिंग, सार्वजनिक स्थानों की सफाई और आवश्यक साइनज लगाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

जीएडी द्वारा राज्य अतिथियों के लिए होटल बुकिंग, वाहनों की उपलब्धता, एयरपोर्ट प्रोटोकॉल डेस्क और सरकारी गैस्ट हाउसों की व्यवस्था पूरी की जा रही है। गृह विभाग और पुलिस द्वारा वीवीआईपी आवागमन, ट्रैफिक प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, वैकल्पिक मार्ग और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित किया गया है। डीआईपीआर द्वारा मुख्य आयोजन हेतु मीडिया योजना, मीडिया रजिस्ट्रेशन, मीडिया सेंटर और लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। डीओआईटी द्वारा स्थल पर हाई-स्पीड इंटरनेट, वीसी समर्थन और तकनीकी अधिकारियों की तैनाती की तैयारी जारी है।

मुख्य सचिव ने विभागों को निर्देश दिए कि सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों के पंजीकरण को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए। सभी विभाग 30 नवम्बर तक ‘प्रगति पथ’ क्षेत्र और सेक्टोरल सत्रों के लिए अपनी उपलब्धियों पर आधारित संक्षिप्त ऑडियो-विजुअल उपलब्ध कराएं। केंद्र सरकार के मंत्रियों, अधिकारियों और प्रमुख वक्ताओं की पुष्टि तत्काल उद्योग विभाग को भेजी जाए।

इसके साथ ही सभी विभाग कार्यक्रम से संबंधित सामग्री को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए आयोजन के व्यापक प्रचार-प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाएँ। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस राज्य की गरिमा और अंतरराष्ट्रीय पहचान से जुड़ा आयोजन है और सभी विभागों द्वारा उत्कृष्ट समन्वय एवं उच्च स्तर की तैयारियों से इसे सफल बनाया जाएगा।

बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यटन, गृह, नगरीय विकास, जल संसाधन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, योजना, डीओआईटी, डीआईपीआर, राजस्थान फाउंडेशन तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हाल ही में खत्म हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में देश का शानदार परफॉर्मेंस इस बात का सबूत है कि भारतीय मुक्केबाजी अब सिर्फ एक उभरती हुई ताकत नहीं है, बल्कि इस खेल की सुपरपावर में से एक है। **- अजय सिंह**

भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष, भारतीय मुक्केबाजों की परफॉर्मेंस को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — **सूर्यकुमार यादव**

भारत के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को मुंबई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी टीम में शामिल किया गया है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफ़ी 26 नवंबर से शुरू हो रही है। ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर 17 सदस्यीय टीम की अगुआई करेंगे। स्क्वॉड में शिवम दुबे, सरफराज ख़ान, अजिंक्य रहाणे और आयुष म्हात्रे भी शामिल हैं। भारत की दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ नौ दिसंबर से शुरू होने वाली टी-20 सीरीज से पहले सूर्यकुमार की मुंबई टीम में वापसी हुई है। मुंबई इंडियंस के लिए इस आईपीएल में 717 रन बनाने और 167.91 की स्ट्राइक रेट के बावजूद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन नहीं बना पाए हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट क्रिकेट में कुल 44 मैच खेले गए हैं, इस दौरान भारतीय टीम को 16, जबकि अफ्रीकी टीम को 2 मैचों में ज्यादा 18 मुकाबलों में जीत नसीब हुई है।

अरुंधति युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत : देवनानी

जयपुर, 21 नवम्बर। राजस्थान के गौरव को बढ़ाने वाली कोटा की बेटी और युवा प्रतिभाशाली बॉक्सर अरुंधति चौधरी को राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को वीडियो कॉल करके बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने बॉक्सर अरुंधति से कहा कि वर्ल्ड बॉक्सिंग कप 2025 (70 किलोग्राम वर्ग) के फाइनल मुकाबले में स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का नाम रोशन किया है। पूरे भारत को गौरवान्वित किया है। राज्य के गौरव को बढ़ ाया है। इस गौरवशाली कार्य से संपूर्ण राजस्थान को अरुंधति पर गर्व है। देवनानी ने अरुंधति को निरंतर प्रगति करने के लिए शुभकामनाएं भी दी। देवनानी ने कहा कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और अथक मेहनत से प्रत्येक चुनौती का सफलतापूर्वक मुकाबला किया जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि अरुंधति चौधरी की यह जीत राजस्थान की बेटियों की शक्ति, क्षमता और अदम्य साहस का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अरुंधति युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। देवनानी ने अरुंधति चौधरी को भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजस्थान और भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में लगातार रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दी। स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति ने देवनानी का वीडियो कॉल करके उनका हौसला बढ़ ाने के लिए आभार व्यक्त किया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अरुंधति चौधरी को राजस्थान विधानसभा आने का न्यौता भी दिया।

जयपुर के प्रखर असावा संयुक्त रूप से 9वें स्थान पर रहे

जयपुर, 21 नवंबर। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इण्डिया (पीजीटीआई) द्वारा आयोजित 25वां इण्डियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ -2025, दिगबोई गोल्फ कोर्स, असम में संपन्न हुआ। टूर्नामेंट में राजस्थान से रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे व चौथे दिन 6 अण्डर पार और 5 अण्डर पार का स्कोर अर्जित किया और वे संयुक्त रूप से 9वें स्थान पर रहे। टूर्नामेंट चण्डीगढ़ के युवराज संधू ने जीता। इस टूर्नामेंट में देशभर के लगभग कुल 120 प्रोफेशनल खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें राजस्थान से रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा व विशाल सिंह भी शामिल रहे। प्रखर की इस उपलब्धि पर रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन योगेंद्र सिंह एवं मानद सचिव, समृद्ध शर्मा ने गर्व और प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि "प्रखर का समर्पण, मेहनत और खेल के प्रति जुनून न केवल उन्हें व्यक्तिगत सफलता दिला रहा है, बल्कि क्लब की मजबूत प्रशिक्षण और प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। हमें आशा है कि आने वाले समय में प्रखर और भी ऊंचाइयों को छुएगा और गोल्फ के क्षेत्र में अपनी पहचान और मजबूत करेंगे।" उन्होंने आगे बताया गया कि पीजीटीआई का अगला टूर्नामेन्ट जयपुर में 2 से 5 दिसम्बर, 2025 तक खेला जाएगा।

रणवीर राणावत खेलों इंडिया में तकनीकी अधिकारी नियुक्त

जयपुर, 21 नवंबर। तैराकी संघ संरक्षक डॉ चंद्रगुप्त सिंह चौहान ने बताया कि जयपुर में खेलों इंडिया तैराकी प्रतियोगिता में उदयपुर से रणवीर सिंह राणावत को भारतीय तैराकी संघ की और से तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया है। रणवीर सिंह राणावत राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता, राइफल शूटिंग, खेलों इंडिया एवं नेशनल गेम्स में बतौर चीफ डे मिशन, निर्णायक अपनी भूमिका निभाते रहे है। वरिष्ठ प्रशिक्षक दिलीप सिंह चौहान ने बताया रणवीर सिंह राणावत का खेलों में विशिष्ठ योगदान के साथ उदयपुर शहर को खेल पर्यटन में पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है, जिससे न केवल उदयपुर की खेल प्रतिभाओं को बढ़ावा मिलेगा बल्कि उदयपुर में खेलों से पर्यटन भी बढ़ेगा। खेलों इंडिया तैराकी प्रतियोगिता जयपुर में आयोजित होगी तथा उदयपुर में कयाकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

कृष्णा एकेडमी की जीत में जितेन्द्र यादव, ऋषभ व सौरव बद्री चमके

जयपुर, 21 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में जितेन्द्र यादव 45 रन नाबाद, ऋषभ 10 रन पर 2 विकेट तथा सौरव बद्री 4 ओवर में 25 रन पर 2 विकेट की बदौलत कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ने एस.जे. क्रिकेट एकेडमी को 9 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर एस.जे. क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया लेकिन 5 ओवर में 31 रन के स्कोर पर उनके 3 महत्वपूर्ण बल्लेबाज आउट हो गये। मध्यक्रम में राजेन्द्र गुर्जर 34 रन, दिनेश मीणा 27 रन, आदेश 13 रन की पारियों के बावजूद भी एस.जे क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम 19.3 ओवर में 125 रन पर सिमट गयी। गेंदबाजी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी की ओर से ऋषभ 10 रन पर 2 विकेट, सौरव बद्री 25 रन पर 2 विकेट तथा हनुमान बेनीवाल, अनामिक, जसवंत, राहुल शर्मा, रवि शर्मा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी की ओर से जितेन्द्र यादव 45 रन नाबाद (27 गेंद, 6 चोके, 1 छक्का), राहुल शर्मा 37 रन नाबाद (34 गेंद, 2 चौके, 2 छक्के) तथा रवि शर्मा 34 रन (12 गेंद, 3 चोके, 3 छक्के) की मदद से विजय लक्ष्य 127 रन 1 विकेट खोकर 12.1 ओवर में हासिल कर 9 विकेट से जीत दर्ज कर ली। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच जितेन्द्र यादव कृष्णा क्रिकेट एकेडमी रहे।

पंत ने गिल के रिप्लेसमेंट को कन्फर्म किया, नाम सीक्रेट रखा गया

गुवाहाटी, 21 नवंबर। ऋषभ पंत ने शुक्रवार को कन्फर्म किया कि इंडिया के टीम मैनेजमेंट ने शुभमन गिल के रिप्लेसमेंट को फाइनल कर लिया है, जो गर्दन की चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, हालांकि उन्होंने खिलाड़ी का नाम नहीं बताया। शुक्रवार को यहां इंडिया-साउथ अफ्रीका दूसरे टेस्ट से पहले पंत ने संवाददाताओं से कहा, "हमने फैसला कर लिया है कि शुभमन की जगह कौन खेलेगा। जो खेलेगा उसे पता है कि वह खेल रहा है।"

पंत ने चोट के बावजूद गिल के पक्के इरादे की तारीफ की। उन्होंने कहा, "शुभमन खेलने के लिए बेताब था। उसने तब भी हिम्मत दिखाई जब उसका शरीर उसे इजाजत नहीं दे रहा था, और यही एटीट्ययूड आप देखना चाहते हैं," उन्होंने यह भी कहा कि वह चोटिल कप्तान के रेगुलर कॉन्टैक्ट में हैं। "मैं हर दिन गिल से बात कर रहा हूं। मुझे कल शाम कप्तानी के बारे में पता चला।"

टीम कंपोजिशन पर, पंत ने बैलेंस की जरूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि कभी-कभी टीम कॉम्बिनेशन के लिए यह एक बैलेंस होता है। आपको देखना होगा कि कोई स्पेशलिस्ट प्लेयर आपकी ज़्यादा मदद कर रहा है, या कोई ऑल-राउंडर आपको टीम में ज़्यादा स्टेबिलिटी दे रहा है। तो यह सब उस टीम बैलेंस को खोजने और आप जिस तरह से क्रिकेट खेलना चाहते हैं, उसके बारे में है।

गुवाहाटी में अपनी टेस्ट कैप्टेंसी डेब्यू करते हुए, पंत ने इस जगह को अपने लिए खास बताया, क्योंकि उन्होंने इसी ग्राउंड पर अपना वनडे डेब्यू किया था। उन्होंने कहा, सबसे पहले, मैं कहूंगा कि यह ग्राउंड मेरे दिल में बहुत खास है। मैंने अपना वनडे डेब्यू यहीं किया था। मैं यहां अपना पहला टेस्ट कैप्टेंसी मैच खेल रहा हूं। इसलिए, यह हमेशा मेरे लिए खास रहेगा। और मुझे लगता है कि यह पूरे गुवाहाटी के लिए खास है।

अपनी लीडरशिप अप्रोच के बारे में बताते हुए, पंत ने कहा कि वह प्लेयर्स को खुद को खुलकर एक्सप्रेस करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा बनना चाहता हूं जो वह फ्रीडम दे, और मैं चाहता हूं कि लोग और प्लेयर्स आस-पास सीखें और आखिरकार टीम के लिए सही फैसला लें। यही असली गोल है। और जाहिर है, मेरे पास जो भी नॉलेज है, मैं फील्ड पर उनकी मदद करूंगा, चाहे कुछ भी हो।

पंत ने गुवाहाटी की पिच पर भी भरोसा जताया और उम्मीद जताई कि पहले टेस्ट में यह कोलकाता की पिच से बेहतर मुकाबला देगी। उन्होंने कहा, क्योंकि यह मेरा यहां पहला टेस्ट मैच है, इसलिए यहां आने पर सभी को एक खास एहसास होता है। और पिच के बारे में, मुझे लगता है कि यह विकेट बेहतर खेलेगी। निश्चित रूप से, यह बल्लेबाजी के लिए बेहतर विकेट है। जाहिर है, कुछ दिनों बाद यह आखिरकार टर्न लेगी। लेकिन यह एक अच्छा मुकाबला होने वाला है।

कोलकाता में पहला टेस्ट जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका फिलहाल दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। पंत ने आगे की चुनौती को स्वीकार किया लेकिन गुवाहाटी मुकाबले के लिए भारत की तैयारी और अप्रोच पर भरोसा जताया।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए भारत की संभावित एकादश: यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, वाशिंगटन सुंदर, ऋषभ पंत (विकेट कीपर/कप्तान), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, साई सुदर्शन।

विकेटों की पतझड़ के बीच चमके स्टार्क और स्टोक्स

पर्थ, 21 नवम्बर। मिशेल स्टार्क ने टेस्ट में अपने करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हुए 58 रन देकर 7 विकेट लिए, लेकिन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के 23 रन पर पांच विकेट का मतलब था कि पर्थ में पहले दिन मेहमान टीम के 172 रन के जवाब में ऑस्ट्रेलिया 123 रन पर 9 विकेट खोकर लड़खड़ा रहा है। एक अच्छी बैटिंग पिच पर उन्नीस विकेट गिरे – पिछले 100 सालों में एशेज टेस्ट के पहले दिन गिरे सबसे ज़्यादा विकेट। दिलचस्प रूप से संतुलित खेल में इंग्लैंड 49 रन से आगे है।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, तो ज़ैक क्रॉली ने पिछली एशेज सीरीज में पहली गेंद पर बाउंड्री लगाने के बाद स्टार्क की पहली गेंद को पॉइंट की तरफ़ गाइड किया, जो काफ़ी अजीब था। कुछ गेंद बाद, क्रॉली ने बिना पैर हिलाए ऑफसाइड की तरफ़ ड्राइव करने की कोशिश की, एक गेंद जो बाएं हाथ के गेंदबाज़ ने एंगल से डाली थी, उसे पहली स्लिप ने पॉकेट में डाल दिया। दूसरी ओर, स्कॉट बोलैंड अपनी लेंथ नहीं पकड़ पाए और बेन डकेट ने उन्हें जमीन पर गिराकर बाउंड्री की तरफ ड्राइव कर दिया।

डकेट ने कई बाउंड्री लगाकर खतरनाक दिखना शुरू कर दिया था, लेकिन स्टार्क ने बाएं हाथ के इस खिलाड़ी को पवेलियन वापस भेज दिया, उन्हें पगबाधा आउट कर दिया और बैटर ने एक रिव्यू भी अपने नाम कर लिया। जो रूट, जो ऑस्ट्रेलिया में अपने मुश्किल 100 रन बनाने की कोशिश कर रहे थे, उनकी शुरुआत बहुत खराब रही, उन्होंने स्लिप में एक रन लिया और स्टार्क के दिन के तीसरे शिकार बने। ब्रेंडन डॉगेट भी टेस्ट डेब्यू पर लगभग ड्रीम स्टार्ट करने ही वाले थे और उन्होंने ओली पोप को अपनी पहली ही गेंद पर बोल्ड कर ही दिया था।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने केएससीए चुनाव फाइनल किए, वोटिंग 7 को होगी

बेंगलुरु, 21 नवंबर। कर्नाटक हाई कोर्ट के चुनाव शेड्यूल को बहाल करने के आदेश के बाद, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन अपनी मैनेजिंग कमेटी के चुनाव 7 दिसंबर को सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक कराएगा। वोटिंग खत्म होने के तुरंत बाद नतीजे घोषित किए जाएंगे। ट्रांसपेरेंसी सुनिश्चित करने के लिए, कर्नाटक हाई कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस सुभाष बी. आदि को चुनावों की निगरानी के लिए नियुक्त किया गया है। हाई कोर्ट ने शुक्रवार को केएससीए चुनाव अधिकारी के 17 नवंबर के उस लेटर को रद्द कर दिया, जिसमें 30 नवंबर को होने वाले चुनावों को टाल दिया गया था। जस्टिस सूरज गोविंदराज ने केएससीए और कमेटी के सदस्य बीके रवि की याचिकाओं को स्वीकार करते हुए मौजूदा नियमों के तहत चुनाव प्रक्रिया फिर से शुरू करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने एक बदला हुआ कैलेंडर भी तय किया।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान करेगा

'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025' की मेजबानी

24 से होगा 24 खेलों का आगाज, 7 शहरों में 7 हजार से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे

जयपुर, 21 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 24 नवम्बर से 5 दिसंबर तक खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) के 5वें संस्करण की मेजबानी करने जा रहा है। प्रदेश में पहली बार आयोजित होने जा रहे केआईयूजी को भव्य, ऐतिहासिक और सफल बनाने के लिए श्री शर्मा के निर्देशन में जोर-शोर से तैयारियां की जा रही हैं। राजस्थान में जयपुर, अजमेर, भरतपुर, कोटा, उदयपुर, जोधपुर और बीकानेर मेंदेशभर के युवा खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। जिससे स्पोर्ट्समैनशिप का अद्भुत संगम देखने का मिलेगा। केआईयूजी में कुल 24 खेलों में 23 पदक विजेता खेल और एक प्रदर्शन खेल शामिलहै।एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, मल्लखम्भ, साइकिलिंग, रग्बी, जूडो, बीच वॉलीबॉल, केनोइंग और कयाकिंग, कबड्डी, भारोत्तोलन, टेबल टेनिस, योगासन, तलवारबाजी, वॉलीबॉल, बॉक्सिंग और कुश्ती में पदक जीतने के लिए युवा खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। वहीं, खो-खो खेल का आयोजन एक प्रदर्शन मैच के रूप में होगा।

जयपुर में 24 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, शूटिंग, मल्लखम्भ, साइकिलिंग में विभिन्न वर्गों में प्रतियोगिता आयोजित होंगी। अजमेर में 26 नवम्बर से 28 नवम्बर तक रग्बी खेल और खो-खो के प्रदर्शन मैच का आयोजन होगा। इसी प्रकार, उदयपुर में 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक जूडो, बीच वॉलीबॉल के साथ विशेष आकर्षण के रूप में केनोइंग और कयाकिंग वाटर स्पोर्ट्स में युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। युवा जोश से भरे इन खेलों में 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक कबड्डी और भारोत्तोलन का आयोजन बीकानेर में होगा। वहीं, जोधपुर में 25 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक योगासन और टेबल टेनिस के खेल में युवा खिलाड़ी अपना कौशल दिखाएंगे। कोटा में 25 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक तलवारबाजी और वॉलीबॉल के खेल का आयोजन होगा। इसी प्रकार, भरतपुर में 25 नवम्बर से 5 दिसम्बर तक कुश्ती और बॉक्सिंग में युवा अपना दमखम दिखाएंगे। प्रदेश के प्रमुख संभाग स्तरीय 7 शहरों में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स-2025 में देश के लगभग 5 हजार खिलाड़ियों सहित 7 हजार से ज्यादा प्रतिभागी शामिल होंगे।

रबाडा गुवाहाटी टेस्ट से बाहर

गुवाहाटी, 21 नवंबर। दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए कगिसो रबाडा को बाहर कर दिया है। पेस लीडर कोलकाता में शुरुआती टेस्ट मैच में रिब-बोन में स्ट्रेस इंजरी के बाद नहीं खेल पाए थे। प्रोटियाज मेडिकल टीम उनकी चोट पर करीब से नजर रखे हुए है, और प्रभावित जगह पर लगातार तकलीफ के कारण, रबाडा को बाकी टूर से हटा दिया गया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के अनुसार, दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे चल रही मेहमान टीम ने पहले अपनी पेस बैटरी को मजबूत करने के लिए लुंगी एनगिडी को टीम में शामिल करने की पुष्टि की थी। डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में अहम बढ़त हासिल करते हुए, डिफेंडिंग चैंपियन ने 2010 के बाद भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल की और कोलकाता में बढ़त हासिल की। अपनी पेस बैटरी में कुछ बड़े नामों के न होने पर, साइमन हार्मर और मार्को यानसन ने प्रोटियाज के लिए गेंद संभाली। दोनों ने मिलकर कुल 13 विकेट लिए और 30 रन से यादगार जीत हासिल की। पाकिस्तान में अपनी टेस्ट सीरीज ड्रॉ करने के बाद, आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप मेस होल्डर्स अभी नौ टीमों की स्टैंडिंग में दूसरे नंबर पर हैं, ऑस्ट्रेलिया से ठीक नीचे – जिसका सामना उन्होंने इस साल लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल में किया था।

सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में बाहर, लक्ष्य सेमीफाइनल में

सिडनी, 21 नवम्बर। भारत की स्टार पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी शुक्रवार को इंडोनेशिया के मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से हारकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। इस जोड़ी के बाहर होने के बाद, लक्ष्य सेन बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 बैडमिंटन इवेंट में अकेले बचे हुए भारतीय हैं। सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में हमवतन आयुष शेट्टी की चुनौती से बचकर वे सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुषों की डबल्स बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे और टॉप सीड सात्विक-चिराग, 13वीं रैंक वाली इंडोनेशियाई जोड़ी से 50 मिनट में 21-19, 21-15 से हार गए। पुरुष एकल में, पेरिस 2024 के सेमी-फ़ाइनलिस्ट लक्ष्य सेन, जो मेन्स सिंगल्स में 14वें और सातवें सीड हैं, ने 52 मिनट तक चले क्वार्टर-फ़ाइनल मुकाबले में दुनिया के 32वें नंबर के आयुष शेट्टी को 23-21, 21-11 से हराया। शुरुआती गेम में दोनों शटलर ने अलग-अलग स्टेज में दबदबा बनाया और लक्ष्य के जीतने से पहले एक-एक गेम पॉइंट बचाया। इसके ठीक उलट, दूसरा गेम एकतरफ़ा रहा क्योंकि लक्ष्य ने शेट्टी के ख़िलाफ़ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। यूएस ओपन जीतने वाले आयुष शेट्टी इस साल बीडब्ल्यूएफ टूर टाइटल जीतने वाले अकेले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं।

अंडर-23 ट्रॉफी - राजस्थान ने केरल को 7 विकेट से हराया

अंडर-23 ग्रुप सी में राजस्थान ने टॉप किया व प्रतियोगिता के नॉक आउट दौर में प्रवेश किया

जयपुर, 21 नवम्बर। अहमदाबाद में खेले जा रहे अंडर 23 ट्रॉफी राजस्थान - केरल मैच को राजस्थान ने 7 रन से जीता , राजस्थान की जीत में रोहन राजभर का शतक , करण लाम्बा , मिनाफ शेख के अर्धशतक , नीलेश टांक का आल राउंडर प्रदर्शन। राजस्थान पारी 340 /7, रोहन राजभर ने शानदार शतकीय पारी खेली। टीम के लिए रोहन राजभर 147 रन (136 गेंद , 12 चोक्के , 5 छक्के) , करण लाम्बा 62, मिनाफ शेख 61, मुकुल 21 व नीलेश टांक नाबाद 13 रन। केरल के गेंदबाज अभिराम 62/3, पवन 63/2 विकेट। केरल पारी 333 आल आउट। टीम के लिए अक्षय 107 , कृष्ण 78 , शॉन 58 , पवन 42 रन। राजस्थान के गेंदबाज नीलेश टांक 79/4 गणेश सुथार , राहुल चौधरी, मोहित चांगरा प्रत्येक 1-1 विकेट।

राजस्थान सीनियर टी20 प्रशिक्षण शिविर अभ्यास मैच

बीसीसीआई की आगामी सीनियर सैयद मुश्ताक अली टी 20 ट्रॉफी के संभावितों के चयन हेतु आज लक्ष्य ग्राउंड पर खेले गए अभ्यास मैच का परिणाम :-टीम ऐ पारी 97/8, टीम के लिए रामनिवास गोलडा 36 , सचिन यादव 15 व कुणाल सिंह राठौर 12 रन। टीम बी के गेंदबाज विश्वजीत सिंह 9/3, अशोक शर्मा , हेमंत , कमलेश , शुभम प्रत्येक 1-1 विकेट। टीम बी पारी 103/1, लक्ष्य को टीम बी ने भरत शर्मा, राम मोहन, शुभम गढ़वाल की आतिशी पारियों की सहायता से मात्र 6.5 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 103 रन बनाते हुए 9 विकेट से जीत दर्ज की। बल्लेबाज भरत शर्मा 25 रन (14 गेंद) व राम मोहन नाबाद 41 रन (15 गेंद) व शुभम गढ़वाल नाबाद 34 रन (12) का योगदान दिया।

राजस्थान यूनाइटेड ने सिक्किम हिमालयन पर 3-0 से शानदार जीत दर्ज की

गंगटोक, सिक्किम, 21 नवंबर। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने ऐतिहासिक पालजोर स्टेडियम में सिक्किम हिमालयन एफसीके खिलाफ 41वें सिक्किम गवर्नर गोल्ड कप में एक आत्मविश्वास भरी और अनुशासित 3-0 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। राजस्थान यूनाइटेड ने मौके का फायदा जल्दी उठाया। 12वें मिनट में, स्पेनिश मिडफील्डर पेड्रो एस्ट्राय (जर्सी नंबर 11) ने शानदार फिनिश के साथ पहला गोल किया, जिससे मेहमान टीम को एक महत्वपूर्ण बढ़त मिली। दोनों टीमों के बीच बराबर पोज़िशन और दबाव के बावजूद, रेगुलेशन टाइम तक स्कोर 1-0 ही रहा। निर्णायक पल एक्स्ट्रा टाइम में आए, जहाँ राजस्थान यूनाइटेड ने बेहतर शारीरिक सहनशक्ति, टैक्टिकल धैर्य और शानदार फिनिशिंग का प्रदर्शन किया। कोलंबियाई फॉरवर्ड रॉबिन्सन ब्लैंडन ने एक शानदार स्ट्राइक से बढ़त को दोगुना कर दिया, और उसके तुरंत बाद, विंगर विनिल पुजारी ने एक बेहतरीन गोल करके जीत पक्की कर दी, जिससे स्कोर 3-0 हो गया। डिफेंस में महत्वपूर्ण योगदान और लगातार लीडरशिप के लिए, गोलकीपर बभिंद्र मल्ला को उनके असाधारण प्रदर्शन और मैच जिताने वाले बचाव के लिए मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

खेल मैदानों का निरीक्षण किया डॉ. नीरज के. पवन ने

जयपुर, 21 नवंबर। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार एवं अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् डा. नीरज के.पवन 5वें खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की तैयारियों को जल्दी से जल्दी फाइनल टच देने के लिए सभी मैदानों का शुक्रवार को निरीक्षण किया और 22 नवंबर तक इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। डा. नीरज के पवन ने आज इण्डोर स्टेडियम सहित अन्य मैदानों पर जाकर वहां चल रहीं तैयारियों को देखा और जल्द से जल्द उन्हें पूरा करने के लिए कहा। इण्डोर स्टेडियम में जहां वुडन फ्लोर की घिसाई का काम चल रहा है, वहीं एथलेटिक्स ट्रेक पर मरम्मत कार्य प्रगति पर है, जबकि बैडमिंटन हॉल में कोर्ट्स करीब-करीब तैयार हैं। सीटिंग अरेंजमेंट्स किये जा रहे हैं और लाइटिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है। साथ ही, साईक्लिंग वेलोड्रम भी तैयार हो गया है। उन्होंने बताया कि जयपुर के साथ ही छह अन्य संभाग मुख्यालयों पर आयोजित होने वाले इन गेम्स की चल रही तैयारियों के संबंध में अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, भरतपुर व कोटा के जिला प्रशासन के साथ भी एक बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित की जा चुकी है और उनसे व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया गया है।

पीटी ऊषा फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

नई दिल्ली, 21 नवंबर। पूर्व स्प्रिंट क्वीन और भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) की मौजूदा अध्यक्ष पी.टी. उषा को भारतीय खेलों में उनके असाधारण योगदान और एथलीटों की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए शुक्रवार को फिक्की लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उषा, जिन्हें पय्योली एक्सप्रेस के नाम से भी जाना जाता है, को यह सम्मान फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट में दिया गया। अवार्ड लेते हुए उषा ने कहा, "भारतीय खेल तभी आगे बढ़ता है जब हम सब मिलकर आगे बढ़ते हैं।

सुपर ओवर में भारत-ए की उम्मीदें तोड़कर बांग्लादेश-ए फाइनल में

दोहा, 21 नवंबर। बंगलादेश ए ने शुक्रवार को यहां वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एसीसी मेन्स एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के पहले सेमीफाइनल में इंडिया ए को सुपर ओवर में हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बंगलादेश ए ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 194 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। भारत ए ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 194 रन बनाये और मैच टाई हो गया। सुपर ओवर में पहली दो गेंदों पर जितेश शर्मा और आशुतोष शर्मा आउट हो गए। बंगलादेश की तरफ से यासिर अली भी पहली गेंद पर आउट हुए। सुयश शर्मा इस विकेट को निकालने के बाद अगली गेंद वाइड फेंक बैठे और बंगलादेश ने मुकाबला जीत लिया।

निर्धारित ओवरों में भारत ए की तरफ से वैभव सूर्यवंशी ने 15 गेंदों में दो चौकों और चार छक्कों की मदद से 38, प्रियांश आर्य ने 23 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 44 रन, कप्तान जितेश शर्मा ने 23 गेंदों में 33 और नेहाल वढेरा ने 29 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाये। भारत को आखिरी ओवर में जीत के लिए 16 रन चाहिए थे। लेकिन आशुतोष शर्मा एक छक्का और एक चौका मारने के बाद आउट हो गए। हर्ष ने आखिरी गेंद पर तीन रन लेकर स्कोर टाई करा दिया। लेकिन सुपर ओवर में भारत के हाथ से मौका निकल गया। इससे पूर्व पहले बैटिंग करते हुए, हबीबुर रहमान सोहन 46 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 65 रन बनाकर टॉप स्कोरर रहे। जीशान आलम ने 14 गेंदों पर तेजी से 26 रन बनाए, जबकि एसएम मेहरब ने 18 गेंदों पर छह छक्कों और एक चौके की मदद से नाबाद 48 रन बनाकर बांग्लादेश ए को 190 के पार पहुंचाया। यासिर अली ने 9 गेंदों पर नाबाद 17 रन बनाए।

जिम्बाब्वे की श्रीलंका पर चौंकाने वाली जीत

रावलपिंडी, 21 नवम्बर। ज़िम्बाब्वे ने यादगार ऑल-राउंड प्रदर्शन करते हुए रावलपिंडी में श्रीलंका को 67 रन से हराया, ट्राई-सीरीज के दूसरे मैच में 162 रन के मामूली स्कोर का बचाव किया और फिर मेजबान टीम को सिर्फ़ 95 रन पर आउट कर दिया। मैच की शुरुआत ब्रायन बेनेट (49) और सिकंदर रजा (47) के टॉप-ऑर्डर के अच्छे योगदान से हुई, जिसके बाद रिचर्ड नगारवा और ब्रैड इवांस ने पांच विकेट लिए। यह ज़िम्बाब्वे की श्रीलंका पर तीसरी टी20 जीत थी और इस फ़ॉर्मेट में किसी फ़ुल-मेंबर टीम के ख़िलाफ़ उनकी अब तक की सबसे बड़ी जीत भी थी।

श्रीलंका के पहले बॉलिंग करने के फ़ैसले के बाद, वानिंदु हसरंगा (3/32) और ईशान मलिंगा (2/27) ने ज़िम्बाब्वे की पारी में सबसे ज़्यादा नुकसान किया, जरूरी पार्टनरशिप तोड़ी और यह पक्का किया कि टोटल कभी भी पार स्कोर से आगे न बढ़े। शुरुआत में कुछ विकेट गिरने के बाद, बेनेट और रजा ने तीसरे विकेट के लिए 61 रन की पार्टनरशिप की, जिससे टीम 40/2 से ऊपर उठ गई और टोटल को 180 की ओर ले जाने की कोशिश की, लेकिन हसरंगा ने 13वें ओवर में बेनेट को आउट किया और फिर अपने अगले ओवर में दो विकेट लेकर रन पर कंट्रोल रखा। ज़िम्बाब्वे 162/8 पर ही रुका, जो उस समय खास तौर पर ओस के कारण कम टोटल लग रहा था।

लेकिन 163 का टारगेट श्रीलंका के लिए बहुत ज़्यादा साबित हुआ। ज़िम्बाब्वे के बॉलर्स शुरू से ही हावी रहे, रिचर्ड नगारवा ने पिच पर ज़ोरदार हिटिंग की और पहले ही ओवर में पथुम निसंका का विकेट लेकर सबको चौंका दिया। कुसल परेरा दूसरे ओवर में टिनोटेंडा मापोसा की गेंद पर आउट हो गए, जबकि कुसल मेंडिस सातवें ओवर में रन आउट हो गए, जिससे श्रीलंका का स्कोर 25/3 हो गया।

तभी ब्रैड इवांस (4-0-9-3) आए और अपनी कम इकॉनमी से श्रीलंका को पूरे समय प्रेशर में रखा। उन्होंने भानुका राजपक्षे के डिफेंस को भेदा और फिर बाद में वापस आकर ईशान मलिंगा और महेश थीक्षाना के विकेट लिए, उनका विकेट मैच की आखिरी बॉल पर आया। श्रीलंका चेज की रफ़्तार कभी नहीं पकड़ पाई। असल में, पांचवें और छठे विकेट के लिए सबसे बड़ी पार्टनरशिप 23 रन की थी। दासुन शनाका (34), जो रन-आउट होने से बच गए थे, ने अकेले खेला लेकिन बहुत ज़्यादा आसान आउट होने से उनकी टीम को नुकसान हुआ।

बैलों से खेती को प्रोत्साहन योजना में 42 हजार आवेदन आए

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पारंपरिक खेती पद्धति व गौवंश संरक्षण को विशेष महत्व दिया

जयपुर, 21 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं, जिससे कृषि क्षेत्र में निरंतर सुधार के साथ किसानों का आर्थिक सशक्तीकरण हो रहा है।

इसी क्रम में, राज्य सरकार ने बैलों से खेती करने वाले चयनित लघु एवं सीमांत किसानों को प्रतिवर्ष 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की पहल की है। इसका उद्देश्य पारंपरिक एवं जैविक खेती पद्धति को प्रोत्साहन एवं गौवंश संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही, किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करना है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

राज्य सरकार बैलों से खेती करने वाले किसानों को गोबर गैस प्लांट लगाने पर सब्सिडी भी प्रदान करेगी। इससे किसानों की कृषि लागत कम होगी, स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ेगा और जैविक खाद की उपलब्धता से जैविक खेती को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि विभाग द्वारा बैलों से खेती करने वाले किसानों का डाटाबेस तैयार किया जा रहा है, जिसके आधार पर पात्र

- राज्य सरकार की योजना में बैलों से खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहन राशि के साथ गोबर गैस प्लांट लगाने के लिये सब्सिडी भी प्रदान की जाएगी।

किसानों का चयन किया जाएगा और उन्हें प्रोत्साहन राशि उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रदेश में अब तक 42 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें सबसे ज्यादा आवेदन डूंगरपुर, बांसवाड़ा और उदयपुर से प्राप्त हुए हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया राज किसान साथी पोर्टल पर जारी है।

बिहार महिला कांग्रेस प्रमुख शरवत जहां ने इस्तीफा दिया

नयी दिल्ली/पटना, 21 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद बिहार महिला कांग्रेस अध्यक्ष शरवत जहां फ़ातिमा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

टिकट वितरण में महिलाओं को कांग्रेस पार्टी में केवल आठ प्रतिशत भागीदारी मिलने से नाराज फ़ातिमा ने अपना इस्ती.फ़ा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा "राजनीति करने के कई पैमाने हैं, लेकिन अपने 25 वर्ष के राजनीतिक स.फ़र में, मैंने केवल नैतिकता और निडरता को अपना पैमाना बनाया है। विगत विधान सभा चुनाव में पार्टी ने मात्र आठ प्रतिशत टिकट महिलाओं को दिये और इसका परिणाम यह रहा कि दोनों सदन में हमारी पार्टी का महिला प्रतिनिधित्व शून्य पर आ गया।" इस हार की नैतिक ज़िम्मेदारी लेते हुए फ़ातिमा ने कहा कि अपने पद की गरिमा और अपनी पार्टी के महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित मूल सिद्धांत को देखते हुए, वे इस विडम्बना की नैतिक ज़िम्मेदारी लेना आवश्यक समझती हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पुत्र ट्रंप जूनियर उदयपुर पहुँचे

भारतीय मूल के अमेरिकी अरबपति राजू मंटेना की बेटी की शादी में शामिल होंगे ट्रंप जूनियर

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 नवम्बर। अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे डॉनल्ड ट्रम्प जूनियर की इस हफ्ते भारत में मौजूदगी ने लोगों का खास ध्यान खींचा है। उदयपुर पुलिस और जिला प्रशासन ने शहर में हाई अलर्ट लगा दिया है। यह हाई-प्रोफाइल यात्रा लेक सिटी में हाल के वर्षों में हुई सबसे शानदार शादियों में से एक से जुड़ी है। अमेरिका के अरबपति रामाराजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी भारतीय-अमेरिकी उद्यमी वंसी गडिराजू से हो रही है।

कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों के अनुसार, ट्रम्प जूनियर उन टॉप ग्लोबल गैस्ट्स में से एक हैं जिन्हें इस बहु-दिवसीय समारोह में बुलाया गया है। यह कार्यक्रम शुक्रवार से सोमवार तक उदयपुर के प्रसिद्ध स्थलों पर होगा, जिनमें पिछोला झील का जगमंदिर पैलेस भी शामिल है। मेहमानों की सूची हॉलीवुड और बॉलीवुड के मिले-जुले आयोजन जैसी लग रही है, जिसमें जेनिफर लोपेज़, जस्टिन बीबर और कई बड़े हिंदी फिल्म सितारों के आने की उम्मीद है।

उदयपुर पहले भी कई हाई-प्रोफाइल समारोहों की मेजबानी कर चुका है-प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस, हार्दिक पांड्या, रवीना टंडन, नील नितिन मुकेश और ईशा अंबानी की प्री-वेडिंग रस्में यहां हो चुकी हैं। शहर की शाही इमारतें और खूबसूरत नज़ारे इसे लग्ज़री शादियों के लिए पसंदीदा जगह बनाते हैं।

दुल्हन के पिता रामाराजू मंटेना, जिन्हें "राजू मंटेना" के नाम से जाना जाता है, अमेरिका की फ़ार्मा और हेल्थकेयर इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं। उन्होंने इन्जीनस फ़ार्मास्यूटिकल्स की स्थापना की, जिसके शोध और विकास केन्द्र अमेरिका, भारत और स्विट्ज़रलैंड में हैं। मंटेना, आइकोर हेल्थकेयर और ऑन्कोस्क्रिप्ट्स से भी जुड़े हैं, जो कैंसर और विशेष चिकित्सा सेवाओं पर केन्द्रित कंपनियाँ हैं। भारत में भी उनका व्यवसाय फैला हुआ है, वे हैदराबाद में पंजीकृत मंटेना लेबोरेट्रीज़ से जुड़े हैं।

- ट्रंप जूनियर के आगमन से यह भव्य शादी और भी खास हो गई है और प्रशासन ने भारी इंतज़ाम किए हैं।
- राजू मंटेना अमेरिका में फार्मास्युटिकल क्षेत्र में बड़ा नाम हैं। उनकी कंपनी इन्जीनस फार्मस्यूटिकल्स अमेरिका, भारत व स्विट्ज़रलैंड में रिसर्च कार्यों को प्रायोजित करती है।
- ट्रंप जूनियर हालांकि निजी यात्रा पर आए हैं, पर, उनके आगमन को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।
- ट्रंप जूनियर ने गुरुवार को ताज महल देखा था फिर वे गुजरात गए और वनतारा का भ्रमण किया। अब वे शुक्रवार से सोमवार तक उदयुपर में हो रही शाही शादी में शामिल होंगे।
- ट्रंप जूनियर के अलावा जेनिफर लोपेज़, जस्टिन बीबर सहित अंतर्राष्ट्रीय जगत की कई हस्तियाँ और बॉलीवुड के सितारे भी शादी में शामिल होंगे।

दूल्हा वंसी गडिराजू भी भारतीय-अमेरिकी कारोबारी पृष्ठभूमि से आते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, उनका काम फूड-टेक और रेस्टोरेंट सेक्टर से जुड़ा है। दोनों परिवारों का यह गठबंधन इसलिए भी सुर्खियों में है क्योंकि दुनिया भर के कई बड़े मेहमान आ रहे हैं, और डॉनल्ड ट्रम्प जूनियर की मौजूदगी ने राजनीतिक और मीडिया हलकों में खास चर्चा पैदा की है।

तथापि, ट्रम्प परिवार के सदस्य की उपस्थिति के बावजूद, मंटेना परिवार और डॉनल्ड ट्रम्प या उनके बेटे के बीच किसी औपचारिक व्यावसायिक रिश्ते का कोई सार्वजनिक रिकॉर्ड नहीं है। किसी भी संयुक्त योजना या कारोबारी साझेदारी का जिक्र उपलब्ध दस्तावेजों या हालिया सूचनाओं में नहीं मिलता। व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि ट्रम्प जूनियर की यह यात्रा पूरी तरह निजी और सामाजिक है, और किसी व्यावसायिक उद्देश्य से नहीं जुड़ी है। फिलहाल इसे बस एक हाई-प्रोफाइल मेहमान की उपस्थिति के रूप में देखा जा रहा है, न कि किसी कारोबारी संकेत के तौर पर।

ट्रम्प जूनियर ने गुरुवार को आगरा का दौरा किया और पहली बार ताजमहल देखा, जबकि उनके पिता और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प 2020 में यहां आए थे। ट्रम्प जूनियर के साथ 40 देशों के 126 खास मेहमानों के आने की उम्मीद है। स्थानीय प्रशासन ने रास्तों की सफाई की है, आवारा जानवरों को हटाया है और सुरक्षा को कड़ा किया है ताकि सब कुछ सुचारू तरीके से हो सके।

डैस्टिनेशन वैडिंग्स के लिए उदयपुर दुनिया भर के अमीर लोगों की पसंदीदा जगह बन गया है। मंटेना-गडिराजू का यह समारोह उदयपुर की प्रतिष्ठा को और मजबूत कर रहा है। और जैसे-जैसे सुरक्षा घेरा मजबूत होता जा रहा है और सेलिब्रिटीज़ पहुंच रहे हैं, ट्रम्प जूनियर की मौजूदगी पहले से ही शानदार इस शादी में एक अलग राजनीतिक रंग जोड़ रही है।

कश्मीर के अस्पतालों में हथियार जमा करने वाले थे जैश आतंकी

दिल्ली बम ब्लास्ट जांच में सनसनी खेज खुलासा

नई दिल्ली, 22 नवंबर। दिल्ली के लाल किला विस्फोट में शामिल जैश का मॉड्यूल कश्मीर के अस्पतालों को बड़े हथियार भंडारण केन्द्रों में बदलने की योजना बना रहा था। ठीक उसी तरह, जैसे हमास गाज़ा के अस्पतालों में हथियार जमा करता है। एनआईए की जांच के दौरान यह बड़ा खुलासा हुआ है। जिस तरह हमास ने गाज़ा के अल-शिफा अस्पताल को हथियार भंडारण स्थल के रूप में इस्तेमाल किया था, उसी तरह जैश का यह मॉड्यूल बारामूला, अनंतनाग और बडगाम के कई अस्पतालों को हथियार भंडारण केन्द्रों में बदलने की कोशिश कर रहा था।

एनआईए सूत्रों के अनुसार, हमास और जैश कैडरों के बीच बढ़ ती नज़दीकियों के बारे में जानकारी मिलने के बाद, इस बात की संभावना काफी बढ़ गई है कि इस जैश मॉड्यूल को हमास से तकनीकी सहायता भी मिल रही थी। इसके बाद, जांच एजेंसी को अहम जानकारी मिली। यह अहम खुलासा

- जैसे हमास गाज़ा के अस्पतालों में हथियारों का जखीरा रखता है वैसे ही जैश कश्मीर के अस्पतालों में हथियार जमा करने की योजना बना रहा था।

लाल किला विस्फोट मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए डॉ. अदील राठर से पूछताछ के दौरान भी हुआ।

जैश का "डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल" अनंतनाग, श्रीनगर, बारामूला और नौगाम के अस्पतालों को ऐसे घातक हथियारों के भंडारण केन्द्र बनाने की साजिश रच रहा था। यह जानकारी मिलते ही पुलिस ने कश्मीर के अस्पतालों में बड़े पैमाने पर छापेमारी की, जहां आरोपी डॉक्टरों के लॉकरों से हथियार बरामद किए गए।

गुजरात एटीएस ने पिछले दिनों तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। इसी मामले में हैदराबाद से एक डॉक्टर की भी गिरफ्तारी हुई थी। एटीएस जब हैदराबाद में डॉक्टर अहमद सैयद के घर पहुंची, तो वहां से बड़ी मात्रा में आतंकवाद से जुड़ी कुछ आपत्तिजनक सामग्री मिली थी।

डॉ. अहमद के भाई उमर ने बताया कि 10 लोग बुधवार तड़के वहां आए और अपने साथ 3 किलो अरंडी का गूदा, 5 लीटर एसीटोन, कोल्ड प्रेस ऑयल एक्सट्रैक्शन मशीन और एसीटोन की डिलीवरी वाली एक रसीद ले गए। उमर का कहना है कि उसके भाई अहमद ने चीन से मेडिकल की पढ़ाई की है। उसे किसी ने एक प्रोजेक्ट दिया था। बता दें कि अरंडी के गूदे से बहुत ही जहरीला राइसिन बनाया जाता है। उमर का कहना है कि उसे नहीं लगता कि उसके भाई अहमद को इस खतरनाक जहर के बारे में पता था।

लुधियाना पुलिस ने आतंकी साजिश नाकाम की

लुधियाना, 22 नवंबर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिये काम कर रहे आतंकी राज्य की शांति भंग करने की साजिश में जुटे थे, लेकिन लुधियाना कमिश्नरेट पुलिस ने समय रहते बड़ा हमला टाल दिया।

पुलिस के अनुसार, पाकिस्तान स्थित आईएसआई हैंडलर जसवीर उर्फ चौधरी ने ड्रोन के जरिये बॉर्डर एरिया में चीन निर्मित हैंड ग्रेनेड भेजे थे, जिन्हें राजस्थान के आरोपी दीपू और रामलाल लेकर आए थे। दोनों सीमांत राज्यों के कई शहरों को निशाना बनाने की फिराक में थे।

कमिश्नरेट पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए इन दोनों आरोपियों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि पूरा मॉड्यूल जसवीर उर्फ चौधरी ही चला रहा था, जो पाकिस्तान की एजेंसी और कई आतंकी गुटों के संपर्क में है।

पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि आरोपी जसवीर सभी ऑपरेटिव्स के टच में रहता था। बिहार के हर्ष द्वारा ही दीपू और रामलाल को शामिल कराया गया। दोनों आरोपी पिछले दो दिनों से लुधियाना में ठहरकर ग्रेनेड हमले को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

- पुलिस ने ड्रोन के जरिए सीमा पार से भेजे गए ग्रेनेड ब्लास्ट की कोशिश का पर्दाफाश किया व संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

उन्होंने कहा कि इससे पहले पुलिस ने काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट के साथ मिलकर इस मॉड्यूल से जुड़े तीन और आरोपियों फिरोजपुर के शमशेर सिंह, हरियाणा के अजय और बिहार के हर्ष कुमार ओझा को गिरफ्तार कर नेटवर्क का पर्दाफाश किया था। कार्रवाई के दौरान दो चीनी 86 पी हैंड ग्रेनेड, पांच .30 बोर पिस्टल और 40 से अधिक कारतूस बरामद हुए।

केरल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मामले में जल्द विचार किया जाना जरूरी है.

बेंच ने निर्देश दिया कि केरल में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 26 नवंबर को लिस्ट किया जाएगा और दूसरे राज्यों में इलेक्टोरल रोल रिवीजन एक्सरसाइज को चुनौती देने वाली बाकी याचिकाओं पर दिसंबर के पहले या दूसरे हफ्ते में सुनवाई होगी।

रक्षा मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करतबबाजी दिखाने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस दुर्घटना में पायलट की भी मौत हो गयी थी।

मंत्रिमण्डल के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले से था और अब उन्हें कानून विभाग की जिम्मेदारी और दी गई है; वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग मिला है। अन्य भाजपा मंत्रियों के विभाग इस प्रकार हैं- नितिन नवीन को सड़क, नगर विकास और आवास विभाग, रामकृपाल यादव को कृषि विभाग, संजय टाइगर को श्रम संसाधन विभाग, अरुण शंकर प्रसाद को पर्यटन, कला और संस्कृति विभाग तथा श्रेयसी सिंह को सूचना प्रौद्योगिकी और खेल विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। एलजेपी (आरवी) को दो विभाग मिले हैं-गन्ना उद्योग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण (पब्लिक हैल्थ इंजीनियरिंग)। एचएएम को जल संसाधन विभाग मिला है और आरएलएम को पंचायती राज विभाग दिया गया है। बाकी विभागों की घोषणा जल्द किए जाने की उम्मीद है।

अखिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयपुर एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इसी प्रकार भवानी सिंह देथा को प्रमुख शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं पंचायतीराज (महिला एवं बाल विकास) विभाग राजस्थान जयपुर तथा मंजू राजपाल को प्रमुख शासन सचिव एवं पंजीयक सहाकारिता विभाग एवं कृषि एवं उद्यानिकी व पंचायतीराज (कृषि) विभाग जयपुर के पद पर लगाया है। मंजू राजपाल को राजस्थान राज्य बीज निगम लि. का अध्यक्ष भी बनाया गया है।

ठाणे में शिंदे और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प

ठाणे, 21 नवंबर। महाराष्ट्र में सत्ताधारी महायुति गठबंधन में टकराव कम करने के लिए वरिष्ठ नेताओं की बार-बार कोशिशों के बावजूद ज़मीनी स्तर के कार्यकर्ताओं में गुस्सा बढ़ ता जा रहा है, जिसका नतीजा ठाणे में शिवसेना (शिंदे गुट) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं के बीच मारपीट के रूप में सामने आया है। दोनों पार्टियों ने यहां शुक्रवार को एक-दूसरे के खिलाफ स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज करायी। बताया जा रहा है कि शिवसेना कार्यकर्ताओ ने बेसिक सर्विसेज़ फॉर द अर्बन पुअर (बीएसयूपी) की आवासीय परियोजना की साइट्स पर जश्न मनाया, जिस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने ऐतराज जताया।

यूक्रेन में शांति स्थापित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मानते हैं। रूस लम्बे समय से यह बात कह रहा है और मांग कर रहा है कि पश्चिम को पूर्वी यूरोप की सुरक्षा संरचना पर पुनर्विचार करना चाहिए और इस योजना में इसका समाधान नहीं है।

यूरोपीय सरकारें भी असहज प्रतीत होती हैं। अमेरिका-रूस द्वारा किए गए एक समझौते, जिसमें यूरोप की न्यूनतम भागीदारी से वे देश चिंता में पड़ गए हैं, जिन्हें इसका दीर्घकालिक प्रभाव वॉशिंगटन की तुलना में ज्यादा सहना होगा। खासकर पूर्वी यूरोपीय राज्यों के लिए, एक ऐसा समझौता, जो यूक्रेन की सैन्य क्षमता को सीमित करता है, लेकिन रूस को पूरी तरह से बाध्य नहीं करता, यह डर पैदा करता है कि कमजोर हुआ कीव एक साझीदार बनने के बजाय एक "बफर स्टेट" बन सकता है। महाद्वीप ने पहले ही देखा है कि फ्रोज़न संघर्ष क्या होते हैं, कई यूरोपीय नेता ऐसे समझौते से डरते हैं, जो अगले संकट को सिर्फ आगे सरका दे।

अगर इसे वर्तमान रूप में लागू किया गया तो सबसे बड़ा रणनीतिक लाभकारी शायद रूस होगा। यह योजना अप्रत्यक्ष रूप से रूस द्वारा विवादित क्षेत्रों पर नियंत्रण को स्वीकार कर लेगी, यूक्रेन की दीर्घकालिक रक्षा स्थिति को कमजोर करेगी, और रूस को वैश्विक प्रणालियों में-व्यापार, ऊर्जा, सुरक्षा सहयोग में धीरे-धीरे फिर से ताकतवर बनाने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। संयुक्त राज्य अमेरिका एक प्रमुख भू-राजनीतिक समझौते के आयोजक के रूप में कूटनीतिक रूप से लाभ प्राप्त करेगा और यूक्रेन के पुनर्निर्माण में रूसी संपत्तियों को पुन: आवंटित करने के माध्यम से आर्थिक लाभ भी प्राप्त करेगा।

लेकिन यूक्रेन राजनीतिक रूप से सबसे अधिक नुकसान उठाएगा। मजबूत अमेरिकी सुरक्षा गारंटी के बावजूद, एक गैर-सैन्यीकृत और निरपेक्ष यूक्रेन एक अनिश्चित भविष्य में प्रवेश करेगा, जिसमें इसकी संप्रभुता कागज पर तो स्वीकृत होगी, लेकिन प्रैक्टिकली सीमित रहेगी। कीव शांति और पुनर्निर्माण निधि प्राप्त करेगा, लेकिन उसे यह स्वीकार करना होगा कि कुछ युद्धकालीन लक्ष्यों, विशेष रूप से क्षेत्रीय पुनर्स्थापन और पूर्ण यूरो-अटलांटिक एकीकरण, को अनिश्चितकाल तक स्थगित कर दिया जाएगा।

वॉशिंगटन के लिए, यह प्रस्ताव एक बड़ा जुआ है, यह मानना कि लिखित प्रतिबद्धताएँ, और समझौते का कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कई देशों की टीम और आर्थिक प्रोत्साहन और दंडों के मिश्रण से यह सुनिश्चित करना होगा कि रूस अपनी प्रतिज्ञाओं का पालन करे। लेकिन पक्षों के बीच विश्वास की बहुत अधिक कमी है, और कोई भी पश्चिमी देश इस बात का पूरी तरह से स्पष्टीकरण नहीं दे पाया है कि अगर किसी एक पक्ष, जो शायद रूस हो, ने समझौते की शर्तों का उल्लंघन किया, तो समझौते को लागू कैसे किया जाएगा, खासकर तब, जब यूक्रेन की सैन्य क्षमता को घटा दिया जाएगा।

योजना के निर्माता उम्मीद करते हैं कि थकावट, युद्धक्षेत्र में गतिरोध और आर्थिक दबाव की स्थिति में कीव और मॉस्को समझौते की ओर बढ़ेंगे। फिर भी, यूक्रेन की राजनीतिक वास्तविकताएँ, मॉस्को की अतिवादी कदम उठाने की प्रवृति तथा यूरोप की रणनीतिक चिंताएँ इस 28 सूत्रीय योजना को अधिक से अधिक एक शुरुआती प्रस्ताव की तरह दिखाती हैं, न कि एक व्यावहारिक शांति योजना की तरह।

यह प्रारूप एक स्थायी समझौते में बदलता है या एक और ठुकराए गए प्रस्ताव के रूप में रह जाता है, यह इस पर निर्भर करेगा कि प्रत्येक पक्ष कितना कुछ त्याग करने के लिए तैयार है और क्या संयुक्त राज्य अमेरिका उन गारंटियों को लागू करने के लिए तैयार है, जो इसे यूरोप के इस पीढ़ी के सबसे महत्वपूर्ण युद्ध में और ज्यादा गहरे धकेल सकती हैं।

आखिरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिब्बल की कविताएं और आप सभी की गर्मजोशी से भरी भावनाएं सुनकर मेरी आवाज थम-सी गई है। उन्होंने कहा, जब मैं इस अदालत कक्ष से आखिरी बार बाहर जाऊंगा... मैं इस अनुभूति के साथ जाऊंगा कि मैंने इस देश के लिए, जो कुछ कर सकता था, वह किया। धन्यवाद, बहुत-बहुत धन्यवाद।

कार्यवाही के दौरान साथी जजों ने सीजेआई गवई के योगदान को याद किया। बता दें कि गवई जस्टिस केजी बालकृष्णन के बाद दूसरे दलित और पहले बौद्ध सीजेआई हैं। गवई ने कहा, मैं हमेशा मानता हूं कि हमारा संविधान समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों पर आधारित है, और मैंने अपनी जिम्मेदारियां इन्हीं चार दीवारों के भीतर रहकर निभाईं।

दरभंगा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईमेल आया था, हालांकि जांच के बाद धमकी फर्जी पायी गयी। उसी दिन मुंबई से वाराणसी जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक उड़ान के टॉयलेट में टीशू पेपर पर बम लिखा मिला था। लैंडिंग के बाद विमान की पूरी जांच की गयी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908